17 जनवरी, 2025
माघ, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 90

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

BAR & RESTAURANT
HOTEL & BANQUET
ARGORA CHOWK, OPP. BAJAJ SHOWROOM, RANCHI

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

केंद्र सरकार ने 8वां वेतन आयोग बनाने की मंजूरी दी

- 2026 से लागू होगा, एक करोड़ से ज्यादा सरकारी कर्मियों को होगा लाभ
- कैबिनेट ने श्रीहरिकोटा में तीसरा सैटेलाइट लांच पैड बनाने की भी मंजूरी दी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। आयोग की सिफारिशें 2026 से लागू होंगी। यह जानकारी कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। उन्होंने कहा कि सातवां वेतन आयोग 2016 में लागू हुआ था, इसकी सिफारिशें 2026 तक जारी रहेंगी। इसके अलावा आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित इंडियन स्पेश रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के रॉकेट लांचिंग सेंटर में तीसरा लांच पैड बनेगा। यह 3985 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा। इस फैसले से न्यू जेनरेशन लांच व्हीकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। यहां से चंद्रयान और मंगलयान जैसे ऐतिहासिक मिशन लांच हुए हैं।

क्या करेगा 8वां वेतन आयोग?

8वां वेतन आयोग कर्मचारियों के वेतन ढांचे की समीक्षा करेगा। इसमें महंगाई, आर्थिक स्थिति और कर्मचारी कल्याण जैसे पहलुओं पर विचार किया जायेगा। यह आयोग सरकारी कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हर 10 साल में गठित किया जाता है। पिछले आयोगों ने वेतनमान, भत्ते और पेंशन को समय के साथ बदलती आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार समायोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

कितनी बढ़ जायेगी सैलरी?

इस घोषणा से कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों में आशा की किरण जगी है। कुछ रिपोर्ट्स बताती हैं कि 8वां वेतन आयोग फिटमेंट फैक्टर को 2.57 से बढ़ा कर 2.86 करने का प्रस्ताव रख सकता है। इससे न्यूनतम मूल वेतन 51,480 रुपये हो जाने की संभावना है। इस तरह के कदम से कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। 2014 में गठित और 2016 में लागू 7वें वेतन आयोग ने कई महत्वपूर्ण बदलाव किये गये। इसने वेतन बैंड को सरल वेतन मैट्रिक्स से बदल दिया। न्यूनतम मासिक वेतन 18,000 रुपये कर दिया गया। शीर्ष सरकारी अधिकारियों के लिए अधिकतम मासिक वेतन 2.5 लाख रुपये तय हुआ। इसने फिटमेंट फैक्टर को भी 2.57 तक बढ़ा दिया, जिससे मूल वेतन में अच्छी बढ़ोतरी हुई।

गौरतलब है कि 7वां वेतन आयोग (पे-कमीशन) 1 जनवरी, 2016 से लागू हुआ था। इससे करीब 1 करोड़ लोगों को फायदा हुआ था। वेतन आयोग हर 10 साल में लागू किया जाता है। उम्मीद है कि मोदी सरकार 1 जनवरी, 2026 से 8वां वेतन आयोग लागू कर देगी। इससे केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन और पेंशन बढ़ेगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 1947 से अब तक सात वेतन आयोग गठित किये जा चुके हैं। आखिरी आयोग 2016 में लागू हुआ था। चूंकि 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 2026 में समाप्त हो रहा है, इसलिए 2025 में प्रक्रिया शुरू करने से सिफारिशें प्राप्त करने और उनकी समीक्षा करने के लिए पर्याप्त समय मिल जायेगा।

न्यूज रील्स

लैंड फॉर जॉब केस में अब 30 जनवरी को सुनवाई

पटना। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार लैंड फॉर जॉब मामले में सुनवाई टल गयी है। अब इस मामले में 30 जनवरी को सुनवायी होगी। कोर्ट ने एक रेलवे अधिकारी पर केस चलाने की अनुमति नहीं दी। इससे पहले भी 23 दिसंबर को केस चलाने की अनुमति नहीं मिलने के कारण सुनवाई टल गयी थी। इस केस में लालू परिवार के पांच सदस्य आरोपी हैं। इसमें लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और हेमा यादव शामिल हैं। लैंड फॉर जॉब्स मामले में 20 जनवरी 2024 को इडी की दिल्ली और पटना टीम के अधिकारियों ने लालू और तेजस्वी से 10 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की थी। इडी सूत्रों के मुताबिक लालू प्रसाद से 50 से ज्यादा सवाल किये गये थे। उन्होंने ज्यादातर जवाब हां या ना में ही दिये थे। पूछताछ के दौरान कई बार लालू झल्ला भी गये थे। वहीं, तेजस्वी से 30 जनवरी को लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ चली थी।

कोयला घोटाला की सुनवाई से हटे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विश्वनाथन

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस केवी विश्वनाथन ने गुरुवार को कोयला घोटाला मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि वे इसी केस से जुड़े एक मामले में वकील के तौर पर पेश हुए थे, इसलिए वे अपना नाम वापस ले रहे हैं। सीजेआइ संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच इस केस की सुनवाई करने वाली थी। जस्टिस विश्वनाथन के हटने के बाद सीजेआइ खन्ना 10 फरवरी को कोयला घोटाले से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई के लिए तीन जजों की नयी बेंच बनायेंगे।

म्यूटेशन समेत अन्य जमीन संबंधित कार्यों को राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में लायें : दीपक बिरुआ

- भू-राजस्व मंत्री ने राजस्व संग्रहण पर वर्चुअल बैठक में दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि जमीन संबंधित मुद्दों पर आमजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजस्व संग्रहण किया जाये। इसलिए म्यूटेशन समेत अन्य जमीन संबंधित कार्यों को राइट टू सर्विस एक्ट (सेवा का अधिकार अधिनियम) के दायरे में लायें। अधिकारी ऐसे कार्यों को ससमय पूरा कराने की दिशा में काम करें, ताकि आमजनों को बेहतर सुविधा मिल सके और सरकार के राजस्व संग्रहण में वृद्धि हो सके। दीपक बिरुआ गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित अपने कार्यालय में सभी प्रमंडलीय आयुक्त और विभागीय सचिव के साथ वर्चुअल बैठक में बोल रहे थे। बैठक में पांचों प्रमंडलीय आयुक्त, विभागीय प्रधान सचिव चंद्रशेखर, विशेष सचिव शशिप्रकाश झा समेत अन्य अधिकारी पदाधिकारी मौजूद थे।

बार कोड की सुविधा होगी बहाल: दीपक बिरुआ ने कहा कि अपनी ही जमीन की रसीद कटवाने के लिए भी लोगों को कचहरी और कर्मचारियों के कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। इसलिए अब राज्यवासियों को बार कोड की सुविधा मिलेगी। इसके माध्यम से लोग मोबाइल से ही अपनी जमीन की रसीद काट सकेंगे। विभाग इस पर आगे की कार्यवाही करेगा।

बकाया वसूली का दिया निर्देश

बैठक में चाइबासा आयुक्त नेजमशेदपुर जिले की कंपनियों से दो हजार करोड़ रुपये की बकाया वसूली करने का प्रस्ताव सामने लाया। इस पर मंत्री ने तत्काल संज्ञान लेते हुए आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मामले हैं, जहां से राजस्व वसूली होने पर राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी, लेकिन इस पर काम करने की जरूरत है।

सरकारी जमीन की जमाबंदी की सूची तैयार करें

दीपक बिरुआ ने कहा कि सरकारी जमीन पर जमाबंदी कायम है या नहीं इसकी सूची तैयार करें। उन्होंने कहा कि हरमू नदी किनारे भी अनावश्यक रूप से कब्जा कर नदी को समाप्ति के कगार पर छोड़ा जा रहा है। इस पर विभागीय स्तर पर चर्चा कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाये। बैठक में लंबित म्यूटेशन की कठिनाइयों को दूर कर जमीन संबंधित राजस्व संग्रहण को सरल बनाने, खासमहल जमीन के रिन्यूअल कराने के सुझाव पर अमल किये जाने, सैरात की वसूली को सुविधाजनक बनाने, नीलाम पत्र वाद के निष्पादन पर खास निर्देश देने, लंबित कोर्ट केस की नियमित समीक्षा कर वरीय पदाधिकारियों द्वारा उसके अविलंब निष्पादन किये जाने, अंचल कार्यालयों में निरीक्षण करने समेत राजस्व बढ़ाने जैसे अन्य महत्वपूर्ण मामलों में दिशानिर्देश दिया गया।

हाइकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया आदेश

चार महीने में शुरू करें नगर निगम चुनाव की प्रक्रिया

- अवमानना याचिका पर हुई सुनवाई, मुख्य सचिव और नगर विकास सचिव हुए पेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में अगले चार महीनों में नगर निकाय चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। झारखंड हाइकोर्ट ने इसे लेकर राज्य सरकार को आदेश दिया है। रांची नगर निगम की निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो और अन्य की अवमानना याचिका पर गुरुवार को हुई सुनवाई में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी और नगर विकास सचिव सुनील कुमार सशरीर उपस्थित रहे।

सुनवाई शुरू होते ही कोर्ट ने नगर निकाय के चुनाव की तारीखें तीन हफ्ते के भीतर घोषित करने के 4 जनवरी, 2024 को दिये गये अपने आदेश का अनुपालन न होने पर सवाल उठाया। इस पर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि नगर निकायों में पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिया जाना है। आरक्षण का प्रतिशत तय करने के लिए जिला स्तर पर ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गयी है। कुछ जिलों में यह प्रक्रिया चल रही है, जिसे जल्द पूरा कर लिया जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग से वोटर लिस्ट भी अब तक नहीं मिल पायी है। इन वजहों से चुनाव में देर हो रही है। दूसरी तरफ, याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि ट्रिपल टेस्ट कराये बिना भी निकाय चुनाव हो सकता है। इस तरह के मामले में पूर्व में सुप्रीम कोर्ट का भी आदेश आ चुका है, जिसके अनुसार आरक्षण प्रतिशत तय करने के नाम पर चुनाव नहीं टाले जा सकते हैं। ऐसा लगता है कि राज्य सरकार की मंशा चुनाव कराने की नहीं है। ऐसे में सरकार पर अवमानना का मामला चलाया जाना चाहिए।

केंद्र ने झारखंड से मांगे 13299 करोड़ रुपये

- केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति का बकाया भत्ता देने को कहा

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्र सरकार झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये नहीं दे रही है। झारखंड सरकार केंद्र से लगातार इस संबंध में प्रत्राचार भी कर रही है। वर्ष 2022 में तत्कालीन मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने बकाया के संबंध में किस-किस मद में कितनी राशि झारखंड का बकाया है, इस पर विस्तृत रिपोर्ट केंद्र को भेजी थी। इसका कोई जवाब भारत सरकार से नहीं आया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इस संबंध में हर मंच पर अपनी बात रखी। अब केंद्र ने झारखंड से 13299 करोड़ रुपये की मांग कर दी है। केंद्र का कहना है कि पिछले कई वर्षों से झारखंड सरकार केंद्रीय सुरक्षा बलों के प्रतिनियुक्ति भत्ता का भुगतान नहीं कर रही है। इस संबंध में बार-बार प्रत्राचार भी किया गया है। केंद्र के पत्र के बाद राज्य सरकार के गृह विभाग ने इस संबंध में 21 जनवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलायी है। गृह सचिव वंदना दादेल की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सीआरपीएफ के आइजी और झारखंड पुलिस में अभियान के आइजी भी शामिल होंगे। इस बैठक में बीच का कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जायेगी। उधर, केंद्र से इस संबंध में पत्र मिलने के बाद सरकारी महकमें में एक बार फिर हरकत शुरू हो गयी है। जानकारों का कहना है कि राज्य सरकार अगर चाहे तो यह दलील दे सकती है कि पहले केंद्र सरकार राज्य को पैसा दे, फिर राज्य सरकार भी भुगतान कर देगी। या फिर केंद्र सरकार अपना बकाया काट कर शेष राशि राज्य सरकार को दे।

पद्म भूषण कड़िया मुंडा को एयर एंबुलेंस से भेजा गया दिल्ली एम्स

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मेडिका में इलाजरत भाजपा के वरिष्ठ नेता और लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष कड़िया मुंडा को बेहतर इलाज के लिए गुरुवार को एयर एंबुलेंस से दिल्ली एम्स भेजा गया। मेडिका में करीब 10 दिनों से भर्ती कड़िया मुंडा के स्वास्थ्य में धीमी सुधार को देखते हुए उन्हें दिल्ली एम्स भेजने का निर्णय लिया गया। झारखंड भाजपा ने कड़िया मुंडा के लिए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था करते हुए दोपहर में उन्हें रवाना किया। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर उड़ांव ने पार्टी की ओर से समुचित व्यवस्था करते हुए उन्हें रांची एयरपोर्ट तक लाया और दिल्ली के लिए एयर एंबुलेंस से रवाना किया।

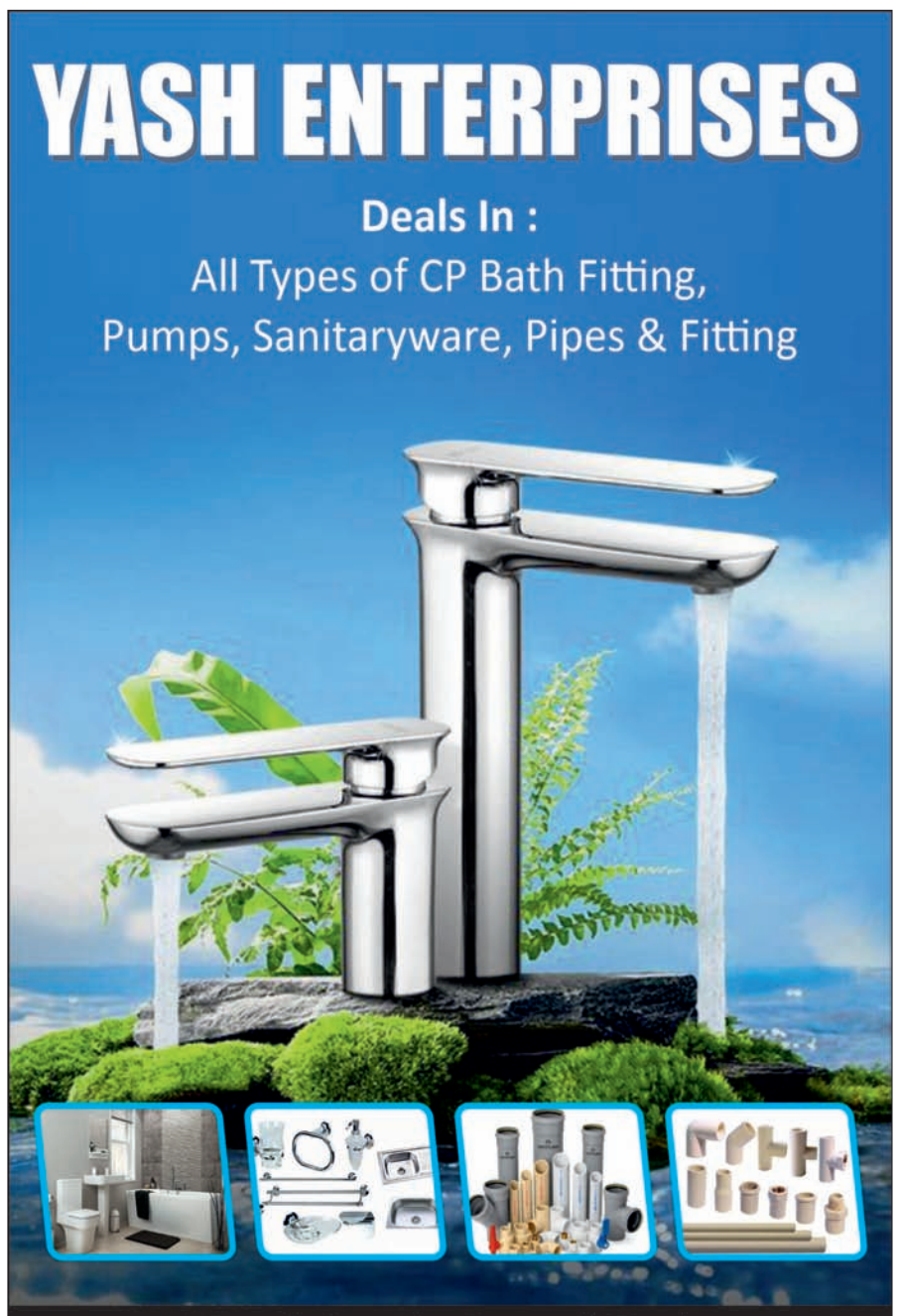

सैफ अली खान पर घर में घुस कर हमला

- रीढ़ की हड्डी में फंसा था चाकू का टुकड़ा
- हाथ-कंधे की भी सर्जरी हुई
- संदिग्ध की तस्वीर सामने आयी

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। अभिनेता सैफ अली खान के घर में घुस कर बुधवार देर रात एक हमलावर ने उन पर चाकू से हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गये। सैफ को इलाज के लिए लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हमले में एक्टर को गले, पीठ, हाथ और सिर समेत छह जगह चाकू लगा था। उनकी हाथ-कंधे की भी सर्जरी की गयी है। फिलहाल हालत स्थिर है। इस बीच सैफ अली खान पर हमला करने वाले संदिग्ध शख्स की

पहली तस्वीर सामने आयी है। वह रात ढाई बजे छठी फ्लोर पर नीचे उतरता दिखा। एक्टर पर उनके घर में घुस कर चाकू से हमला किया था। घटना मुंबई के खार स्थित गुरु शरण अपार्टमेंट के 12वें फ्लोर पर बुधवार देर रात करीब 2.30 बजे हुई।

पुलिस और क्राइम ब्रांच की 18 टीमें जांच कर रहीं: बांद्रा पुलिस स्टेशन ने हमलावरों की तलाश के लिए 10 टीमें बनायी हैं। वहीं क्राइम ब्रांच ने भी केस के इंवेस्टिगेशन के लिए आठ टीमें गठित कर दी हैं। क्राइम ब्रांच जांच के लिए सैफ के घर भी पहुंची। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक भी टीम का हिस्सा हैं। मुंबई पुलिस के डीसीपी गेदाम दीक्षित ने बताया कि एक हमलावर की पहचान कर ली गयी है। वह चोरी के इरादे से घर में घुसा था। हमलावर सीढ़ियों से अपार्टमेंट में दाखिल हुआ और हमले के बाद सीढ़ियों से ही भागा। जानकारी के मुताबिक हमलावर सीसीटीवी फुटेज में दिखायी दिया है। उसे बिल्डिंग की छठी मंजिल पर देखा गया था। पुलिस ने जबरन घर में घुसने और हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि सैफ के घर से तीन लोगों को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। इनमें हमले में घायल हुई हाउसकीपर भी शामिल है। शुरुआती जांच में पता चला कि घर के अंदर मौजूद किसी शख्स ने ही हमलावर को एंट्री दी। घर में कोई जबरदस्ती नहीं घुसा।

रीढ़ की हड्डी में चाकू का टुकड़ा फंसा

लीलावती अस्पताल के डॉ नीरज उत्तमानी ने बताया कि सैफ की रीढ़ की हड्डी में चाकू का टुकड़ा फंसा था और फ्लूड भी लीक हो रहा था। सर्जरी करके इसे निकाला गया है। एक्टर के बायें हाथ पर दो गहरे घाव थे और गर्दन पर भी गहरी चोट थी। इनकी प्लास्टिक सर्जरी की गयी है। अब उनकी हालत स्थिर बतायी जा रही है।

सर्राफा

सोना (बिक्री)	74,600 रु./10 ग्राम
चांदी	96,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in

राहुल गांधी की जुबान हैक, निकल रहे जॉर्ज सोरोस के बोल

■ मोहब्बत की दुकान पर बेच रहे हैं देश विरोधी सामान

■ भारत विरोधी बयान देकर पूरी कांग्रेस को फंसा दिया पार्टी के युवराज ने

■ भले सपोर्ट में हैं कोंग्रेसी, लेकिन अंदर-अंदर कह रहे होंगे, फिर मुंह खोला युवराज ने

■ जब भी जनता कांग्रेस को गंभीरता से लेने पर विचार करती है, राहुल कांटा बो देते हैं

■ अब कांग्रेसियों को ही विचार करना होगा कि देश को आगे रखना है, या राहुल गांधी के बयान को

आजाद सिपाही विशेष

जैसे ही बुधवार को कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पार्टी के नये ऑफिस के उद्घाटन के मौके पर कहा कि हमारी लड़ाई बीजेपी-आरएसएस के साथ इंडियन स्टेट के साथ भी है, तभी से देश में राहुल के इस बयान को लेकर प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। लोगों का कहना है कि ठीक है राहुल मोदी को बुरा भला बोल सकते हैं, आरएसएस को भी बोल सकते हैं, लेकिन देश के बारे में ऐसी सोच रखना कहीं से भी उचित नहीं है। चुनावों से एन पहले मोहब्बत की दुकान सजायी जाती है, लेकिन उसमें ऐसे नफरती सामान मिलने लगे तो लोग क्या करें। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने यह कह कर कि वह देश के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं, आखिर किस मानसिकता का परिचय दिया है। देश के खिलाफ कौन युद्ध लड़ता है, क्या राहुल गांधी को यह पता नहीं है। वास्तव में राहुल गांधी का देश को लेकर हालिया बयान इस आरोप की पुष्टि करता है कि कांग्रेस के युवराज न तो गंभीर राजनीति के लायक हैं और न ही उन्हें अपनी बात कहने का शउर है। यह पहली बार नहीं है कि राहुल गांधी ने विवादित बयान देकर कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी की है, लेकिन यह पहली बार जरूर है कि उन्होंने देश के खिलाफ युद्ध का खुला एलान किया है, जैसा कि नक्सली और अलगाववादी करते हैं। राहुल गांधी के इस बयान के बाद स्वाभाविक रूप से सियासत तेज हो गयी है। भाजपा उन पर हमलावर है, जबकि कांग्रेस को रक्षात्मक मुद्रा अपनाने का भी अवसर नहीं मिल रहा है। कांग्रेस के नेता जानते हैं कि राहुल गांधी की बातों ने पूरे देश की भावनाओं को ठेस पहुंचायी है। अब तो यह भी कहा जाने लगा है कि यदि राहुल गांधी देश के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं, तो उन्हें लोकसभा में क्यों रहने दिया जाये। देश की राजनीति में लगातार नकारे जा रहे राहुल गांधी आज एक जिम्मेवार पद पर हैं और उन्हें इस तरह की बात करने से पहले सोचना चाहिए कि उनकी बातों का क्या असर हो सकता है। बीजेपी ने इस बयान पर राहुल गांधी को घेरते हुए कहा कि ये सब अरबपति जॉर्ज सोरोस के एजेंडे का हिस्सा है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी और उनके नेटवर्क पर अर्बन नक्सलियों और डीप स्टेट से संबंध होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इनका मकसद भारत की छवि खराब करना है। नड्डा ने यह भी कहा कि मैं राहुल गांधी की यह स्पष्ट रूप से कहने के लिए प्रशंसा करता हूं कि वह इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। यह कोई सीक्रेट नहीं है कि राहुल गांधी और उनके इकोसिस्टम के अर्बन नक्सल और डीप स्टेट के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जो भारत को बदनाम करना, अपमानित करना और बदनाम करना चाहते हैं। राहुल गांधी का भारत विरोधी बयान वास्तव में उनके उस नजरिये का परिचायक है, जिसमें वह खुद को तमाम कानूनों से ऊपर मानते हैं। क्या है राहुल गांधी के बयान का सियासी मतलब, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

राकेश सिंह

आखिर किससे लड़ने की बात कर रहे हैं राहुल गांधी

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति में लगातार नकारे जा रहे कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी एक बार फिर विवादों में घिर गये हैं। यह कोई मामूली विवाद नहीं है, बल्कि सीधे-सीधे भारत विरोधी और अलगाववाद का समर्थक है। राहुल गांधी ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी के नये मुख्यालय के उद्घाटन के मौके पर अपने भाषण में कहा कि उनकी लड़ाई सिर्फ बीजेपी और आरएसएस से नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है। ऐसा कहते हुए वह यह भूल गये कि इंडियन स्टेट में सिर्फ केंद्र सरकार या भाजपा शासित राज्य नहीं, बल्कि पूरा देश है, राष्ट्रपति जिसका अधिपति होता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 12 में इसकी परिभाषा और व्याख्या की गयी है। इंडियन स्टेट में एक संसद है, जिसमें आठ सौ के करीब सांसद हैं। राज्यों की विधानसभाएं और विधान परिषद हैं, जिनमें करीब सात हजार सदस्य हैं। स्थानीय निकाय हैं, जिनमें करीब 60 हजार सदस्य हैं। ग्राम पंचायत हैं, जिनमें करीब सवा तीन लाख सदस्य हैं। सुप्रीम कोर्ट है, जिसमें 30 जज हैं। देश भर में 24 हाइकोर्ट हैं, जिनमें तीन सौ के करीब न्यायाधीश हैं। चार दर्जन के करीब आयोग और संवैधानिक संस्थाएं हैं, दुनिया की दूसरी सबसे ताकतवर सेना है। इंडियन स्टेट केवल एक समूह नहीं, एक संप्रभु समाज है, जिसकी नियति कोई राहुल गांधी नहीं तय कर सकता।

राहुल गांधी का यह बयान जितना निंदनीय है, उससे कहीं अधिक खतरनाक है। देश की सबसे बड़ी पंचायत में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर बैठा व्यक्ति यदि देश के खिलाफ युद्ध का एलान करता है, तो इसे गंभीरता से लेना ही होगा। कानूनी तौर पर और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इंडियन स्टेट का प्रयोग किया जाता है। लेकिन राहुल गांधी ने उस देश का अपमान किया है, जिसने उन्हें सब कुछ दिया है। राहुल गांधी ने यह बयान देकर न केवल अपनी असली मानसिकता का परिचय दिया है, बल्कि उन्होंने यह भी बता दिया है कि उनकी मंशा क्या है। उन्हें यह समझना चाहिए कि वह कांग्रेस नेता होने के साथ देश की संसद के निर्वाचित सदस्य भी हैं और लोग उन्हें देखते-सुनते हैं। ऐसे में उन्हें शब्दों का चयन सोच-समझ कर करने की सलाह कोई भी नागरिक दे सकता है।

राहुल गांधी के बयान को अगर दूसरे नजरिये से देखा जाये और ऐसा बयान कोई अलगाववादी संगठन देता, तब तो अलग मायने ही निकलता। तब यह कहा जाता कि अमुक संगठन देश के खिलाफ खुली लड़ाई का एलान कर रहा है। राहुल गांधी ने यह बयान देकर उन माओवादियों-अलगाववादियों का समर्थन कर दिया है, जिन्हें भारतीय संविधान में भरोसा नहीं है।

हर मुद्दे पर घिरते रहे हैं राहुल गांधी

राजनीति में आने के बाद से राहुल गांधी हर मुद्दे पर घिरते रहे हैं। चाहे जातिगत जनगणना हो, देश के संसाधनों के बराबर बंटवारे का मुद्दा हो या आरक्षण बढ़ाने की बात हो, राहुल गांधी हर बार मुंह की खाते हैं। वह हाथ में संविधान लेकर दिखाते जरूर हैं, लेकिन उसी संविधान में जिस भारत की बात है, उसके खिलाफ युद्ध की बात करते हैं।

आखिर कब सीखेंगे राहुल गांधी

राहुल गांधी के बयान की चौतरफा भर्त्सना हो रही है। लोग अब उनकी मानसिकता पर सवाल उठाने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि उन्होंने पहली बार ऐसा बयान दिया है। विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने पिछले सात-आठ महीने में कई ऐसे बयान दिये हैं, जो विवादों में रहे। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा में रहा लोकसभा चुनावों में धांधली का उनका आरोप। उन्होंने लोकसभा चुनाव के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान यह बयान दिया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब भी राहुल गांधी को गंभीरता से लेने की बात आती है, वह ऐसे बयान दे देते हैं, जो उनकी छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ। राहुल गांधी ने इस बार तो सारी हदें पार कर दीं और सीधे-सीधे देश के खिलाफ युद्ध लड़ने की बात कह गये।

राहुल गांधी के इस बयान के बाद सवाल उठता है कि आखिर कांग्रेस पार्टी अपने युवराज को बोलना कब सिखायेगी। ऐसा क्या होता है कि वह रह-रह कर इस तरह के बयान देने लगते हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी ने अपनी एक विदेश यात्रा के दौरान कहा था कि भारत में लोकतंत्र खत्म हो गया है।

भारत विरोधी बयान देते समय राहुल गांधी शायद यह भूल गये कि वह जो कुछ कह रहे हैं, उसका अधिकार उन्हें उसी देश के संविधान ने दिया है, जिसकी सर्वोच्च पंचायत के वह सदस्य हैं। उनके संबोधन से कहीं नहीं लगता कि वह भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों को समझते हैं, बल्कि उनके संबोधन से नफरत की ही बू आती है। आज जहां भारत सनातन संस्कृति के गौरव को फिर से प्रतिष्ठित कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती दे रहा है, वहीं राहुल गांधी भारत के खिलाफ युद्ध का एलान करते हैं। यह कितनी हास्यास्पद बात है और अपरिपक्व भी।

राहुल गांधी के बयान के बाद से कांग्रेसी भी भौंचक्के हैं। उन्हें पता चल गया है कि राहुल गांधी की लोकप्रियता इस बयान के बाद खत्म हो गयी है। इसका नुकसान कांग्रेस को उठाना होगा। इसलिए कांग्रेसी ही नहीं, पूरा देश राहुल गांधी की इस अपरिपक्वता पर अचरज ही व्यक्त नहीं कर रहा है, बल्कि शर्म भी महसूस कर रहा है कि उसने कैसे इस घटिया मानसिकता वाले व्यक्ति को नेता प्रतिपक्ष की बड़ी संवैधानिक जिम्मेदारी सौंप दी है।

राहुल गांधी का बयान देश के खिलाफ जंग का एलान: जयराम ठाकुर

हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के मौके पर राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान देश के खिलाफ जंग का एलान है। किसी नेता से इस तरह के बयान की उम्मीद नहीं की जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करते-करते राहुल गांधी अब देश के विरोध पर उतर आये हैं। यह शर्मनाक बात है। इंडियन स्टेट से लड़ाई की बातें हमेशा एंटी नेशनल एलिमेंट्स के द्वारा ही की जाती रही हैं और आज देश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सर्वेसर्वा भी वही बात कर रहे हैं। राहुल गांधी भारत के संविधान की शपथ लेते हैं और साथ ही कहते हैं कि वी आर फाइटिंग द इंडियन स्टेट इटसेल्फ'। क्या विपक्ष के नेता से इस तरह के बयान की उम्मीद की जा सकती है? उन्हे पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि जब पूरा देश सेना दिवस मना रहा था। देश की सेना के बलिदान शौर्य साहस का गुणगान और नमन कर रहा था। उस समय देश के नेता प्रतिपक्ष इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई का इरादा जता रहे थे। इंडियन स्टेट का मतलब भारत का सब कुछ। जो कुछ भी भारत के हित के लिए है, भले के लिए है, भारत के लोगों की लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए है, भारत की संप्रभुता, सुरक्षा, संरक्षा के लिए काम कर रहा है, सब कुछ इंडियन स्टेट है और राहुल गांधी उसी के खिलाफ लड़ने की बात कर रहे हैं। आखिर कांग्रेस देश के खिलाफ इस तरह का मंसूबा क्यों रखती है? जयराम ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी के बयान से कांग्रेस का असली चेहरा और इरादा सामने आ गया है। जिस समय राहुल गांधी द्वारा इतनी आपत्तिजनक बातें की जा रही थीं उस समय हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री वहीं मौजूद थे और उन्होंने उनकी इस बात का प्रतिकार नहीं किया। यह प्रदेश के लोग जानना चाहते हैं कि क्या हिमाचल प्रदेश सरकार के मुखिया और कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी की बात से सहमत हैं या नहीं? अगर हिमाचल के नेता राहुल गांधी के बयान से सहमत हैं तो वह खुल कर सामने आयें और अगर असहमत हैं तो अपने नेता का विरोध करें।

बिहार के जमुई से हुई कारू यादव की गिरफ्तारी, तीन अन्य अभियुक्त भी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद, महुदा । कोयला, लोहा चोरी और क्षेत्रीय आतंक फैलाने के लिए कुख्यात कारू यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी हरदीप पी जनार्दन ने बताया कि पुलिस ने कारू यादव को बिहार के जमुई से गिरफ्तार किया और गुरुवार की दोपहर मधुबन थाना लाया। मधुबन पुलिस ने कारू यादव को उसके खरखरी तालाब स्थित मॉल-काम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर में ले गयी, जहां पुलिस ने एक कमरे का ताला तोड़ कर उसके साथ साक्ष्य जुटाये। वहीं से आरोपी को हथकड़ी लगा कर पैदल थाना लाया गया।

बता दें कि धर्माबांध ओपी तथा मधुबन थाना अंतर्गत घटित गोलीबारी, बमबारी, आगजनी एवं पत्थरबाजी की घटना के संदर्भ में मधुबन थाना कांड संख्या 01/25,02/25 एवं 03/25 दर्ज किया गया था। दर्ज किये गये इस कांडों में संलिप्त विभिन्न अभियुक्तों एवं प्रयोग की गयी अवैध हथियार की बरामदगी हेतु विशेष टीम गठित की गयी थी। इसी क्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल की सघन छापेमारी के दौरान कारू समेत चार अभियुक्त की गिरफ्तारी अलग-अलग स्थानों से की गयी। पूछताछ के दौरान उन्होंने उपरोक्त कांडों में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। इसी कड़ी में प्रमुख गिरफ्तारी कारू यादव उर्फ देवेंद्र यादव, आशाकोठी जिसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी एवं उनके तथा उसके सहयोगी की निशानदेही पर एक 7.65 एमएम का देसी पिस्टल एवं एक देसी कट्टा और तीन जिंदा गोली, चार मोबाइल तथा 7,85,900 नगद रुपये बरामद किया गया। अवैध हथियार बरामदगी के आधार पर अलग से मधुबन थाना कांड संख्या 11/25 आर्म्स एक्ट अंकित किया गया है। इसके साथ ही पुलिस उपाधीक्षक पुरुषोत्तम कुमार सिंह को पत्थर मार कर जख्मी करने वाले अभियुक्त रोशन यादव को भी गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों गिरफ्तारियों के अतिरिक्त अन्य दो अभियुक्त नरेश यादव एवं बजरंगी पासवान उर्फ धर्मेंद्र कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। इस प्रकार मधुबन थाना कांड संख्या 2/ 25 में तीन गिरफ्तारियां एवं कांड संख्या 11/25 में एक गिरफ्तारी हुई है। 45 लोगों को पूछताछ के दौरान बुलाया गया था, जिसमें घटना में संलिप्त कुल 18 लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। बता दें कि बीते दिनों वर्चस्व की लडाई को लेकर कारू यादव एवं उसकी टीम ने हिलटॉप आउटसोर्सिंग में गोलीबारी एवं बमबारी की घटना कौ अंजाम दिया था, जिसमें प्रशासन द्वारा जांच एवं घटना के उद्भेदन को लेकर डीएसपी पुरुषोत्तम कुमार को पत्थर लगा था। इसी संदर्भ में अभी तक कुल 18 लोगों को जेल भेजा गया है। एसएसपी हरदीप पी जनार्दन के अनुसार छापेमारी अभी भी जारी रहेगी और जो भी व्यक्ति पुलिस के कार्य में बाधा या रोड़े उत्पन्न करेगी, पुलिस उसके साथ सख्ती से निपटेगी। आजसू के कार्यालय में आगजनी की घटना की भी जांच चल रही है। दोषियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई होगी। इसमें कुल 30 टीम बना कर यूपी और बिहार में लगातार छापेमारी चल रही हैं, जिस क्रम में कारू यादव की गिरफ्तारी हुई है। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। छापेमारी दल में नौशाद आलम, आशुतोष कुमार सत्यम, शंकर कामती, संजीव कुमार, अरविंद कुमार सिंह पुलिस उपाध्यक्ष एवं पुलिस निरीक्षक राजेश प्रकाश सिन्हा, अनिल कुमार शर्मा, रविकांत प्रसाद, ममता कुमारी, आशीष कुमार सिंह, उदय कुमार गुप्ता तथा पुलिस अवर निरीक्षक रवि कुमार, अभिनव कुमार, बालमुकुंद कुमार, धर्मेंद्र कुमार, दिलीप कुमार पाल, शाहबाज अंसारी, मनोज कुमार पांडे, राहुल कुमार झा, वर्षा रानी, अलीशा कुमारी, लव कुमार चौधरी एवं सहस्त्र बल एवं जिला बल के पुलिसकर्मी शामिल थे।

प्रेस वार्ता में गिरफ्तार अभियुक्तों के बारे में जानकारी देते एसएसपी हरदीप पी जनार्दनन और अन्य।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	23.4 °C	10.1 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.24 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.32 बजे

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in

केंद्रीय सूचना और प्रसारण और संसदीय कार्य राज्यमंत्री डॉ एल मुरुगन का स्वागत

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तीन दिवसीय समीक्षात्मक दौरे पर झारखंड पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्यमंत्री डॉ एल मुरुगन आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) के तहत 16 से 18 जनवरी तक तीन दिवसीय समीक्षात्मक दौरे पर गुरुवार को झारखंड पहुंचे। रांची एयरपोर्ट पर आगमन उपरांत पीआइबी और केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने मंत्री का पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र से स्वागत किया। दूरदर्शन, आकाशवाणी और जिला प्रशासन, चाईबासा के अधिकारियों ने भी मंत्री का सत्कार किया।

इस अवसर पर उन्होंने सीबीसी रांच द्वारा एयरपोर्ट पर चलाये जा रहे वेव्स हस्ताक्षर जागरूकता अभियान में भाग लिया। दूरदर्शन न्यूज से बात करते हुए उन्होंने आकाश जिला और ब्लॉक

कार्यक्रम के तहत चाईबासा में होने वाली मुख्य गतिविधियों पर चर्चा भी की। अपने दौरे के दूसरे दिन कल माननीय मंत्री चाईबासा के जगन्नाथपुर में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आइटीआइ) और केज फिशरीज-करंजिया का दौरा करेंगे। इसके बाद सेल खदान का साइट विजिट किया जायेगा।

वहीं अंतिम दिन मंत्री का जिला अधिकारियों और विभाग प्रमुखों के साथ बातचीत पर केंद्रित होगा। इसके बाद चाईबासा में एडीपी और एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम (एबीपी) के संकेतकों का आकलन करने और एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम (एडीपी) के सभी मापदंडों में जिले के विकास को उत्प्रेरित करने के लिए एक समीक्षा बैठक होगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 2018 में शुरू किया गया एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसका उद्देश्य भारत भर में 112 अपेक्षाकृत पिछड़े और दूरदराज के जिलों के विकास को गति देना है। कमजोर नागरिकों के उत्थान हेतु परिकल्पित, एडीपी विकास के 81 संकेतकों में मापन योग्य प्रगति पर केंद्रित है, जो स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास और बुनियादी ढाँचा रूपी पांच महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित है। इस कार्यक्रम का ठोस प्रभाव पड़ा है, जिससे लाखों लोगों के जीवन में सुधार आया है और क्षेत्रीय विषमताओं को दूर किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) 329 जिलों में 500 ब्लॉकों को लक्षित करता है, जहां पर 40 संकेतकों में मापी गई आवश्यक सरकारी सेवाओं की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित हो।

इसी कार्यक्रम के अंतर्गत दिसंबर 2024 में मंत्री श्री मुरुगन ने झारखंड के एक अन्य आकांक्षी जिले पलामू की यात्रा की थी। जिला प्रशासन के साथ बैठक और क्षेत्र में विकास कार्यों की समीक्षा के उपरांत, मंत्री ने सभी विभागाध्यक्षों और दूरदर्शन, पत्र सूचना ब्यूरो, आकाशवाणी और केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। मंत्री ने सुशासन सप्ताह के हिस्से के रूप में प्रशासन गांव की ओर विषय पर जिला स्तरीय कार्यशाला में भी भाग लिया।

राज्य में कल तक कोहरा छाया रहेगा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है। रांची के मौसम केंद्र ने गुरुवार को बताया कि राज्य में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा रह सकता है। इसके बाद आसमान में बादल छाये रह सकते हैं। 18 जनवरी को झारखंड में सुबह में कोहरा या धुंध छाया रहेगा। इसके बाद आसमान साफ हो जायेगा।

E-mail - mdjscb@jscb.gov.in Ph. No. 0651-2913111
Jharkhand State Cooperative Bank Ltd., Ranchi
1st Floor, Shaheed Chowk, Main Road, Ranchi- 834001
Ref. : 2888 Walk-In-Interview Date: 16.01.2025
Jharkhand State Cooperative Bank Ltd. invites applications from eligible Candidates for the following posts on contract basis :-
1. Cooperative Intern (1 no.)
2. Domain Experts (5 nos.)
Date & Time of Walk-In-Interview: 18.01.2025 4:00 PM
For eligibility criteria and other details, please visit website: https://www.jscb.gov.in or it may be obtained from Head Office, JSCB
Sd/-
CEO, JSCB Ranchi

फिलवियुस बारला के निधन पर शोकसभा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार और रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह ने निगम के अपर प्रशासक, फिलवियुस बारला के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। बुधवार को मंत्री उनके आवास पहुंचे, जहां उन्होंने पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों से मुलाकात की और संवेदना व्यक्त की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की। फिलवियुस बारला के असामयिक निधन पर गुरुवार को रांची नगर निगम सभागार में शोक

सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह ने जानकारी दी कि फिलवियुस बारला का बुधवार शाम आर्किड अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। उन्होंने 23 सितंबर 2024 को रांची नगर निगम में अपर प्रशासक-1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था और अपने कार्यकाल के दौरान अत्यंत निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनके निधन को निगम परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए प्रशासक ने कहा कि उनकी कार्यशैली और प्रशासनिक दक्षता नगर निगम के लिए प्रेरणास्रोत थी। निगम के अधिकारी-कर्मचारी उनके योगदान को हमेशा याद रखेंगे।

अबुआ बजटः बजट पूर्व संगोष्ठी 2025-26 का आयोजन

खुशहाली लानेवाला बजट तैयार करेंगे: राधाकृष्ण किशोर

विभिन्न क्षेत्र में एक्सपर्ट लोगों ने अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आगामी 2025-26 के बजट को अबुआ बजट का नाम दिया है, इस बजट में झारखंड के जंगलों, दूर दराज में रहने वाले गरीब लोगों, किसानों, राज्य के हर तबके, जाति, धर्म के लोगों के हितों को ध्यान में रख कर योजनाएं शामिल की जायेगी। लोगों की चेहरे में खुशहाली ला सके, ऐसा बजट हम तैयार करेंगे। इसलिए आम लोगों से रायशुमारी ली जा रही है। इसी संदर्भ में कृषि, सिंचाई, वन-पर्यावरण, ग्रामीण विकास, आजीविका मिशन, नगर विकास, पर्यटन, उद्योग, खान एवं भूतत्व, श्रम एवं कौशल विकास के क्षेत्र में एक्सपर्ट लोगों के सुझाव एवं विचार आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि आपके कई बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए हैं, उन बहुमूल्य सुझावों को आगामी 2025-26 के बजट में शामिल करने का प्रयास रहेगा। राधाकृष्ण किशोर गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित अबुआ बजट कार्यशाला (बजट पूर्व संगोष्ठी 2025-26) को

मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों को इकोनॉमिक एंगेज्ड किया जायेगा : दीपिका पांडेय सिंह

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि आगामी बजट में झारखंड की महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दिया जायेगा। जेएसएलपीएस से करीब 32 लाख महिलायें जुड़ी हुई है। महिलाओं को मइयां सम्मान योजना के माध्यम से दी जा रही आर्थिक सहायता को इकोनॉमिक एंगेज्ड कर उन्हें कैसे मदद दी जाये, ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़े इस पर विभाग का फोकस है आगामी बजट में। महिलाओं को फाइनेंशियली ट्रेंड कर उन्हें कैसे रोजगार से जोड़ा जाए इसे ध्यान में रखा जा रहा है।

संबोधित कर रहे थे।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य का 25 वां बजट होगा जहां राज्य की कई चुनौतियां हमारे समक्ष हैं। हम उन दृष्टिकोण को ध्यान में रख कर बजट तैयार करेंगे, जिससे झारखंड का आर्थिक, सामाजिक एवं भौगोलिक विकास हो सके। उन्होंने कहा कि बजट की मॉनिटरिंग भी होनी जरूरी है, ताकि बजट में जो योजनाएं शामिल की गयी, उसकी धरातल पर क्या स्थिति है, उसका पता चल सके। उन्होंने राजस्व बढ़ाने पर भी जोर दिया। मंत्री श्री किशोर ने सतही जल को बचाने पर जोर देते हुए कहा कि झारखंड में वर्षा जल के संचयन पर हमें ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कहा कि कृषि के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है, इसलिए कृषि विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभाग को आगामी अबुआ बजट में महत्वपूर्ण स्थान दिया जायेगा। उन्होंने हॉर्टिकल्चर के माध्यम से भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बल दिया। राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जंगल में रहने वालों को तो वनपट्टा मिल जाता है, परंतु कनेक्टिविटी की कमी के कारण उस क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिल पाती है। प्रयास करें वहां तक पहुंचने के लिए सड़कें हों। उन्हें ग्राम सभा के माध्यम से बेसिक नीड्स उपलब्ध कराने पर जोर दें। साथ ही महुआ आधारित शराब बनाने पर जोर दें, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

आगामी बजट में किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने पर जोर : कृषि मंत्री नेहा शिल्पी तिर्की ने कहा कि हमारे राज्य के किसानों को ध्यान में रख कर आगामी बजट में उन्हें शामिल किया जायेगा। आगामी बजट में किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने पर जोर दिया जायेगा। हमारे किसान पारंपरिक तौर पर एकल खेती पर निर्भर है, हमारा प्रयास होगा कि उन्हें पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराते हुए बहुकृषि करने पर जोर दिलाया जाये। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के तहत बिरसा पाठशाला प्रोग्राम चलाया जा रहा है, जिसे आगामी बजट में बृहत पैमाने पर चलाया जायेगा, जहां हम किसानों को प्रशिक्षण प्रदान करायेंगे, उनकी कैपेसिटी बिल्डिंग करेंगे, ताकि वे अपने जमीन पर बेहतर तरीके से खेती कर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग की योजनाओं जिसमे मुख्यमंत्री पशुधन योजना, झारखंड मिल्क फेडरेशन को और मजबूत करने की जरूरत है। साथ ही मत्स्य पालन में भी हमलोग बेहतर कर रहे हैं।

प्राप्त सुझावों पर प्रस्ताव किया जायेगा तैयार

जल संसाधन विभाग सह वित्त विभाग के प्रधान सचिव प्रशांत कुमार ने बताया कि सिंचाई के क्षेत्र में झारखंड के किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने के लिए कई सुझाव प्राप्त किये गये। बजट पूर्व संगोष्ठी (2025-26) में एक्सपर्ट के कई सुझाव आयें। इसमें प्रेम शंकर प्रोफेसर देवनाथन, धीरज दानियाल होरो, शैलेंद्र कुमार, अमिताभ गोप और विकास विभाग के सचिव मस्त राम मीना ने भी अपने विचार रखे। कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी, सचिव ग्रामीण विकास विभाग के श्रीनिवासन और संबंधित विभागों के अधिकारी, संबंधित क्षेत्र से आये विशेषज्ञ उपस्थित थे।

पीजी विभागों के शिक्षक-शिक्षिकाओं की मनमानी पर लगे रोक : एनएसयूआइ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड एनएसयूआइ प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को रांची विश्विद्यालय कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा से मिला। राज्य उपाध्यक्ष अमन अहमद ने कहा कि पीजी सेमेस्टर 4 में डिजरटेशन प्रोजेक्ट रिपोर्ट के 100 अंक पीजी विभाग के शिक्षक अपने हाथों में पूरा मार्क्स फाइल रखे हैं, नियम अनुसार वो गलत है। हर महाविद्यालय से छात्र छात्राओं को पीजी विभाग बुलाया जाता है, जबकि जिस महाविद्यालय के हार्नेस डिपार्टमेंट में 50 से जायदा विद्यार्थियों हों, वहां पीजी के शिक्षकों को वाइवा लेने के लिए जाना चाहिए और जो डिजरटेशन रिपोर्ट में वाइवा में 30 अंक जो एक्टरनल के हाथों में होता है, उसे ये लोग पूरा 100 अंक अपने हाथों में रखे हुए है।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मांग करता है कि अगर 70 अंक प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर है, तो 70 अंक महाविद्यालय के हाथों में होना चाहिए और वाइवा लेने का अधिकार संबंधित कॉलेज को होना चाहिए। 70 अंक और 30 अंक दोनों पीजी विभाग अपने हाथों में रखा हुआ है, यह गलत है। विवि प्रशासन इस पर विचार करे एवं छात्रहित में उचित निर्णय जल्द ले और लिखित आदेश निकाले।

कुलपति ने तत्काल उक्त मामले को परीक्षा नियंत्रक डॉ विकास कुमार के संज्ञान में दिया और इस मामले को गंभीरता से देखने को कहा। मौके पर पूर्व जिला महासचिव प्रिंस राज, पूर्व जिला सचिव सरफराज अहमद, गुलशन कुमार, आर्यन सिंह, रोहित कुमार आदि छात्र नेता उपस्थित थे।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष नौकरी-व्यापार में अवरोध, परिश्रम से आवश्यक कार्य में सफलता मिलेगी।

वृष प्रॉपर्टी खरीदने के संयोग बनेगा, किसी खास व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा।

मिथुन कर्मक्षेत्र में संतोषजनक वातावरण, बकाये रकम की प्राप्ति होगी, वस्त्र-आभूषण की प्राप्ति होगी

कर्क महत्वकांक्षा पूरी होगी, नौकरी में बदलाव होने का संयोग बन सकता है।

सिंह रोजी-रोजगार में सफलता, रुका हुआ काम पूरा होगा, शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी।

कन्या बाधित उन्नति, महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा, आर्थिक लाभ, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

तुला परिवार में संतान के विवाहादि शुभ मांगलिक कार्य संपन्न होगा, स्वजन-मित्रों का सहयोग।

वृश्चिक जमीन-जायदाद संबंधी काम बनेगा। संतान पक्ष से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

धनु शिक्षा संबंधी कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी, विरोधियों पर विजय।

मकर आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, रोग-ऋण-शत्रुबाधा से छुटकारा का, परिवार में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।

कुंभ इष्ट-मित्रों-स्वजनों से मार्मिक पीड़ा, परिश्रम-प्रयास से आवश्यक काम पूरा होगा।

मीन सम्मान-स्वाभिमान की रक्षा होगी, बकाये रकम की प्राप्ति, रोजी-रोजगार में उन्नति होगी।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

5 फरवरी को क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन के पूर्व सचिव नारायण साहू की पुण्यतिथि पर क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन पांच फरवरी की सुबह सात बजे अरगौड़ा चौक पर किया जाएगा। झारखंड मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव लक्ष्मण राम, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद साहू और चंदन साहू ने संयुक्त रूप से गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में 18 साल के युवक और युवती के लिए 10 किलोमीटर, जूनियर ब्वॉय और जूनियर गर्ल्स (12-17 वर्ष) के लिए पांच किलोमीटर, 30 साल से 55 साल तक व्यक्तियों के लिए तीन किलोमीटर की कंट्री दौड़ आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए प्रथम पुरस्कार पांच हजार, द्वितीय पुरस्कार 3000 हजार और तृतीय पुरस्कार 2000 रुपये रखा गया है। चौथे, पांचवे और छठे स्थान पर आने प्रतिभागियों को एक हजार रुपये से सम्मानित किया जाएगा। सभी प्रतिभागी के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 50 रुपये निर्धारित है। सभी का आधार कार्ड होना अनिवार्य है।

स्टॉल्स पर सजने लगीं किताबें, शुभारंभ आज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्थानीय जिला स्कूल मैदान में समय इंडिया, नयी दिल्ली एवं बिहार राज्य अभिलेखागार निदेशालय, पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेले में प्रकाशकों एवं पुस्तक विक्रेताओं के आने के साथ परिसर में गहमा-गहमी शुरू हो गयी है। इसी के साथ 80 से अधिक स्टॉल्स पर सजने लगी हैं किताबों की खूबसूरत दुनिया। मेले का विधिवत शुभारंभ शुक्रवार को अपराह्न 3:30 बजे मुख्य अतिथिद्वय राज्यसभा सांसद महुआ माजी और विधायक सीपी सिंह के उद्बोधन से होगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार उपस्थित रहेंगे।

शुभारंभ समारोह के साथ ही पुस्तक प्रेमियों के आने का सिलसिला शुरू होगा, जो 26 जनवरी तक जारी रहेगा। यहां पुस्तक प्रेमी प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक पुस्तकों को उलट-पलट सकेंगे। अपनी पसंद की पुस्तकें चुन और खरीद सकेंगे। यह जानकारी समय इंडिया (रजि), नयी दिल्ली के प्रबंध

न्यासी चंद्र भूषण ने दी।

मेले में प्रवेश सहयोग राशि से : उन्होंने बताया कि पुस्तक मेले में आने वाले पुस्तक प्रेमियों को प्रवेश के लिए 10 रुपये की सहयोग राशि देनी होगी, लेकिन स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को सोमवार से शुक्रवार, प्रातः 11 बजे से 2 बजे के बीच अपना आई कार्ड दिखाने पर निःशुल्क प्रवेश मिलेगा। पुस्तक प्रेमियों के लिए पूरे मेला अवधि के लिए पास जारी करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

अन्य भाग ले रही प्रमुख संस्थाएं : श्री भूषण ने बताया कि जिन प्रकाशकों एवं पुस्तक विक्रेताओं की मेले में भागीदारी है उनमें राजपाल एंड संस, प्रकाशन संस्थान, समय प्रकाशन, यश प्रकाशन, लक्ष्मी प्रकाशन, नैय्यर बुक सर्विस, वर्मा बुक कंपनी, रोहित बुक कंपनी, विकल्प प्रकाशन, आर्यन बुक कम्पनी (नयी दिल्ली), हिंद युग्म (गौतम बुद्ध नगर), दिव्यांश प्रकाशन (लखनऊ), योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया, क्राउन पब्लिकेशन, झारखंड झरोखा, गीता प्रेस, रामकृष्ण मिशन आश्रम (रांची), श्री कबीर ज्ञान प्रकाशन केंद्र (गिरिडीह), राज्य अभिलेखागार (पटना) आदि प्रमुख हैं। झारखंड झरोखा के स्टॉल पर ही राजकमल प्रकाशन, वाणी प्रकाशन, प्रतियोगिता संबंधी और झारखंड पर केंद्रित पुस्तकें होंगी। रामकृष्ण मिशन आश्रम का स्टॉल स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद साहित्य के प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। पुस्तक मेले में दो महत्वपूर्ण कार्यक्रम : मेले में 18 जनवरी को सायं 4 बजे प्रसिद्ध नाटककार अनीश अंकुर की पुस्तक का लोकार्पण डॉ विनोद कुमार की अध्यक्षता में संपन्न होगा। 19 जनवरी को हरिवंशजी से किताबों पर संवाद करेंगे प्रोफेसर विनय भरत। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम सायं 4 बजे होगा। इसमें नगर के विशिष्ट लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार शामिल होंगे। दोनों लेखकों की पुस्तकें प्रकाशन संस्थान ने प्रकाशित की हैं।

बच्चों पर केंद्रित विविध कार्यक्रम : मेले के दौरान स्कूली बच्चों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम रखे गये हैं, जिनमें कविताझसुनाओ कहानी लेखन प्रतियोगिता, बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता, बच्चों की लोक गीत/देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता, बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, एकल नाट्य प्रतियोगिता आदि प्रमुख हैं। बच्चों की सभी प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम निःशुल्क होंगे।

गुटखा, तंबाकू और सिगरेट पर प्रतिबंध को प्रभावी बनायें : आलोक कुमार दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने झारखंड के मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी गुलाम अहमद मीर को पत्र लिखकर राज्य में गुटखा, तंबाकू और सिगरेट पर प्रतिबंध प्रभावी तरीके से लागू करने की मांग की है।

पत्र में श्री दूबे ने कहा कि झारखंड सरकार ने गुटखा, तंबाकू और सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया था, लेकिन इसके बावजूद इन उत्पादों की बिक्री और सेवन खुलेआम हो रहा है। यह न केवल सरकारी आदेशों का उल्लंघन है, बल्कि राज्य के बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से चिंता व्यक्त की कि स्कूलों के छात्र और युवा वर्ग स्कूल से निकलने के बाद गुटखा, तंबाकू और अन्य नशे के पदार्थों का सेवन करने लगे हैं। कई बार बच्चों के दंडित होने के बाद मानसिक तनाव के कारण

वे आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा लेते हैं। श्री दूबे ने यह भी बताया कि तंबाकू और गुटखा की लत के बाद कई युवा ड्रग्स का सेवन करने लगते हैं, जिससे इंट्रावेनस ड्रग ट्रांसमिशन का कारण बनता है और एचआइवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारियों का संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ता है। उन्होंने गुलाम अहमद मीर एवं मुख्य मंत्री से आग्रह किया कि राज्य में गुटखा, तंबाकू और सिगरेट पर लगे प्रतिबंध को प्रभावी रूप से लागू किया जाये और नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार को रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाये, ताकि झारखंड की युवा पीढ़ी को एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य मिल सके।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in
04

जीवन का लक्ष्य अवश्य निर्धारित करें : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू के सौजन्य से गुरुवार को कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, काठीटांड़ रातू में परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर आलेख लेखन, चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के सैकड़ों बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और विशिष्ट अतिथि विधायक नवीन जायसवाल, विद्यालय के निदेशक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता परमा सिंह, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, जिला महामंत्री नरेंद्र सिंह, अनिल टाइगर, प्रीतम साहू, सुधाकर चौबे, संजीव तिवारी, अमरनाथ चौधरी, मानकी राजेंद्र शाही, शैलेंद्र मिश्रा, मनोज गुप्ता, परमेश्वर गोप, सुबोध साहू,

स्कूल के प्राचार्य विरेंद्र कुमार यादव समेत भाजपा के कार्यकर्ता एवं विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जीवन में परीक्षाओं का महत्व है। परीक्षा मनुष्य को ताकतवर बनाती हैं, कमजोर नहीं। उन्होंने कहा कि परीक्षा के लिए कभी तनाव न लें, केवल पढ़ाई को नियमित करें। पढ़ने से ज्यादा सुनने और समझने पर ध्यान दें। पढ़ाई का मतलब रटना नहीं, बल्कि समझना और सीखना है। उन्होंने छात्रों से घरेलू कार्यों में भी माता पिता, अभिभावक के साथ हाथ बटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिनचर्या को सहज बनायें, दबाव में नहीं। यही दिनचर्या आपकी सफलता की कुंजी बनेगी। जीवन में जागने और सोने का समय निर्धारित करें।

श्री मरांडी ने कहा कि जीवन में परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। सांसद आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह प्रयास करोड़ों बच्चों को प्रेरित कर रहा आत्म विश्वास भर रहा। परीक्षा को भय नहीं उत्सव बनायें। विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि कक्षा में नियमित रहने वाले विद्यार्थी के लिए परीक्षा भय नहीं होती। कहा कि आज बच्चों की प्रतिभाएं उभरने के अनेक अवसर हैं, जिसका लाभ उठाना चाहिए।

कोल इंडिया के चेयरमैन ने सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के साथ त्रिपक्षीय समझौता में दिया आश्वासन

विस्थापन सेल का होगा गठन, खरखरी परियोजना कांड की जांच की जायेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी एवं कोल इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद के साथ त्रिपक्षीय समीक्षा बैठक सीआइएम के कोलकाता मुख्यालय में हुई। इसमें सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने विस्थापित सेल का गठन करने की मांग रखी। इस पर कोल इंडिया के चेयरमैन ने सहमति प्रदान करते हुए विस्थापित सेल का शीघ्र गठन करने का आश्वासन दिया। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी खरखरी कोयला परियोजना में एमटीओ हिलटॉप हाइरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित गोलीकांड की ओर कोल इंडिया के चेयरमैन का ध्यान आकृष्ट कराया। इस उन्होंने तत्काल रिटायर्ड डीजीपी स्तर के

आइपीएस ऑफिसर के नेतृत्व में खरखरी गोलीकांड के लिए विशेष जांच दल के गठन का आदेश दिया। एरिया- 3 के जीएम भी जांच के दायरे में है। इस क्रम में 2 दिसंबर 23 के सांसद के पत्र में 22 सूत्री मांग के आलोक में 8 जनवरी 24 को सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में हुई बैठक की समीक्षा की गयी। सांसद चंद प्रकाश चौधरी ने विस्थापितों के पेप कार्ड की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त की। इस पर चेयरमैन ने द्वारा दो माह के अंदर कैंप लगाकर विस्थापितों के पेप कार्ड बनाने का आश्वासन दिया। साथ ही सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने विस्थापितों के लिए 15 मार्च 24 को ट्रिब्यूनल गठन के आदेश के बाद भी चालू नहीं होने पर चिंता व्यक्त की। इस पर कोल इंडिया के चेयरमैन ने आश्वासन दिया की बहुत जल्द ट्रिब्यूनल गठन की विधिक प्रक्रिया पूरा कर लिया जायेगा। कोल इंडिया के चेयरमैन ने सांसद को आश्वासन दिया कि विस्थापितों के साथ खरखरी परियोजना जैसी गोली कांड की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए वरीय प्रबंधक के साथ उच्च स्तरीय बैठक होगी। उधर, गिरिडीह के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के प्रयास से विस्थापितों के लिए ऐतिहासिक ट्रिब्यूनल के गठन के बाद विस्थापित सेल का गठन का आदेश विस्थापितों के हित के लिए ऐतिहासिक निर्णय है। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि खरखरी गोलीकांड कांड का कोई भी दोषी कानून से ऊपर नहीं है। वार्ता में विस्थापित एवं प्रभावी भी शामिल हुए।

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने सौंपा ज्ञापन

अवैध बहाली और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में महाप्रबंधक (तकनीकी) विद्युत आपूर्ति क्षेत्र रांची मनमोहन कुमार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा और डिवीजन गुमला व सिमडेगा में हो रही अवैध बहाली के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान संघ ने महाप्रबंधक को एक लिखित ज्ञापन भी सौंपा। महाप्रबंधक (तकनीकी) ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन देते हुए कहा कि पूरे मामले की जांच के लिए गुमला अधीक्षण अभियंता के माध्यम से पत्र जारी किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में दोषी पाए जाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

संघ ने ज्ञापन के माध्यम से लगाये कई गंभीर आरोप

बिना नयी सीट आवंटन के बहाली : डिवीजन गुमला और सिमडेगा में अवैध तरीके से बिना नयी सीट आवंटन हुए ही कई मानव दिवस कर्मियों की बहाली की गयी है, जबकि पुराने कर्मचारियों की सैलरी काटी जा रही है।

तनख्वाह में कटौती और जबरन पॉलिसी : सिमडेगा के विभागीय पदाधिकारी राम नंदन राम पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने अपने रिश्तेदार के नाम से एजेंट कोड संख्या आवंटित कराकर सभी मानव दिवस कर्मियों की तनख्वाह में कटौती की और उन्हें जबरन एलआइसी पॉलिसी लेने के लिए बाध्य किया।

अनुभवी कर्मियों की अनदेखी : कई दक्ष और अनुभवी कर्मियों को सीट के अभाव में हटा दिया गया, जबकि नये लोगों को उनकी जगह नियुक्त किया गया।

मजदूरी अधिनियम का उल्लंघन : न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अनुसार, श्रमिकों को 30 या 31 दिन का भुगतान दिया जाना था, लेकिन उन्हें सिर्फ 22-23 दिन का ही भुगतान किया जा रहा है।

संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी : संघ ने स्पष्ट किया कि अगर इन मुद्दों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में अजय राय के साथ अनिकेत कुमार सिंह, प्रवीण टोप्पो, मुकेश साहू, अमित कुमार और आनंद कुमार शामिल थे।

रांची लायी गयी दोनों बहनें, पांच गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। हिंदपीढ़ी की रहने वाली दो सगी बहनें रहस्यमय तरीके से बीते 11 जनवरी को लापता हो गयी थीं। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया था। इसमें कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, एसपी केवी रमन शामिल थे। पुलिस की स्पेशल टीम ने कर्नाटक पुलिस की सहायता से दोनों बहनों को कर्नाटक-केरल के बॉर्डर के पास से बरामद कर लिया। दोनों बहनें अपने प्रेमी के साथ भागी थीं। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मो. इस्माइल, जुनैद आलम, मजहर आलम, इमरान खान और काशिद फिरोज शामिल हैं। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी।

कोडरमा-वाराणासी होते हुए ट्रेन से गयीं कर्नाटक : एसएसपी ने बताया कि जांच दौरान पता चला कि दोनों लड़कियों मंगल टावर के पास से एक अल्टो कार में एक लड़के के साथ बूटी मोड़, ओरमांझी, सिकिदीरी होते हुए चितरपुर गयीं। फिर वहीं से कोडरमा, वाराणासी होते हुए ट्रेन से कर्नाटक गयीं। इसके बाद एसएसपी ने कर्नाटक के एडीजी और कोप्पल के पुलिस अधीक्षक से सहयोग का अनुरोध किया। उनके सक्रिय सहयोग से दोनों लड़कियों को बरामद किया और मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सभी को हवाई मार्ग से रांची लाया गया।

लोकेशन ट्रेस ना हो, इसलिए तोड़ दिया था फोन और सिम : पुलिस की जांच में पता चला कि पुलिस लड़कियों लोकेसन ट्रेस ना कर पाये। इसलिए मुख्य अभियुक्त मो इस्माइल ने फोन एवं सीम को तोड़ कर फेंक दिया था। दोनों बहनें नये मोबाइल में बिना सिम डाले रेलवे स्टेशन और सहयोगियों द्वारा उपलब्ध कराये गये वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करती थी।

एसएसपी के अनुरोध पर रांची पुलिस और आरपीएफ की टीम ने बनारस (उप्र), नागपुर (महाराष्ट्र), पुणे, हुवली (कर्नाटक) के रेलवे स्टेशन और शक्तिपुंज एक्सप्रेस, पलामू एक्सप्रेस, हुवली एक्सप्रेस, कमायणी एक्सप्रेस, मण्डपम एक्सप्रेस, गंगावती ट्रेन को सर्च किया। एसएसपी ने कहा कि रांची पुलिस की टीम ने अनुसंधान और उद्भेदन में जबरदस्त दक्षता, तकनीकी कौशल और मेहनत का प्रदर्शन किया। पूरी टीम उच्च कोटि के पुरस्कार के हकदार हैं।

लड़के के बहकावे में आकर घर से निकली थी दोनों बहनें

पूछताछ करने पर बताया कि सभी लोग पहले से परिचित हैं और बड़ी बहन रहनुमा परवीन और बरामद लड़का मो इस्माइल, जो कर्नाटक का रहने वाला है, के बीच प्रेम प्रसंग है। दोनों शादी करना चाहते हैं। इसी कारण घर से भागे थे। वहीं छोटी बहन दोनों को सहयोग करने के लिए साथ में भागी थी। पूछताछ करने पर दोनों लड़कियों कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रही हैं, लेकिन यह स्वीकार किया है कि दोनों उस लड़के के बहकावे में आकर घर से निकली थी। इस कांड में दोनों बहनों को घर से भागाने में कुछ और लोगों ने भी सहयोग किया था। पुलिस ने उनको भी गिरफ्तार कर लिया है।

महत्वपूर्ण खबरें

संत जेवियर्स कॉलेज में राष्ट्रीय युवा दिवस

रांची (आजाद सिपाही)। शिक्षा विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुरुवार को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामकृष्ण मिशन टीबी सेनेटोरियम तुपुदाना, रांची के सचिव स्वामी सत्संगानंद ने स्वामी विवेकानंद के बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को स्वयं को पहचानने, खुद को किसी विषय विशेष पर सीमित न करने, अनुशासित जीवन शैली का पालन करने, संस्कारी और चरित्रवान बनने तथा वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया। फ्रादर डॉ फ्लोरेंस पूर्ति ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो जगबंधु महतो ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर तथा स्वामी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। बीएड प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने स्वामी जी की जीवनी पर आधारित भाषण, कविता पाठ, सामूहिक गान तथा नाटिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ अनुपमा भार्गव, डॉ नीलिमा ज्योत्सना टोप्पो, डॉ नंदिता पांडेय, डॉ सुधांशु सिरिल कुजूर, प्रो सुधा रानी खलखो, प्रो पंकज कुमार, डॉ विक्रम बहादुर नाग, प्रो कविता टोपनो, प्रो रूमा भट्टाचार्य, प्रो शिल्पा किंडो इत्यादि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

आरएसएस के बयान की राजेश गुप्ता ने निंदा की

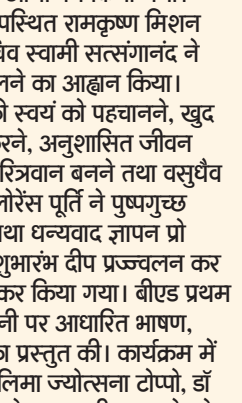

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंचालक डॉ मोहन भागवत के 'भगवान श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के दिन देश आजाद हुआ' बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि 1947 में प्राप्त आजादी को नकारना एससी, एसटी, ओबीसी, महिला के अधिकारों और संविधान का अपमान है। यह स्वतंत्रता सेनानियों का घोर अपमान है। राजेश कुमार गुप्ता ने आगे कहा कि डॉ मोहन भागवत को देश से माफी मांगनी चाहिए, नहीं तो उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश के लिए मर मिटने वाले लाखों स्वतंत्रता सेनानियों, काला पानी की सजा पाए सेनानियों, अंग्रेजों के गोलियों से भूने गये जलियांवाला बाग में शहीद हुए लोगों का अपमान है। यह महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु सहित संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, वीर कुंवर सिंह, रानी लक्ष्मी बाई जैसे महापुरुषों का भी अपमान है।

मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म : शशि भूषण भगत

रातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बाजपुर गांव में गुरुवार को डॉ एसएन मिश्रा एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश सिंह की पहल पर भारतीय मानवाधिकार छोटा नागपुर प्रमंडल के अध्यक्ष संतोष पाठक एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश जायसवाल के सहयोग से गर्म कपड़ा एवं महिलाओं के लिए लगभग 200 साड़ी की व्यवस्था करयी गयी। वस्त्र पानेवाले लोगों के चेहरे पर मुस्कान देखी गयी। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शशि भूषण भगत ने कहा कि जीव मात्र की सेवा आज के युग में मानवों के लिए परम कल्याणकारी है। उन्होंने संतोष पाठक एवं दिनेश जायसवाल की, सेवा भाव का सराहना की। साइंस एकेडमी बोर्डिंग के डायरेक्टर डीएन सिंह कहा कि सिर्फ इंसान होना नहीं, इंसान के अंदर इंसानियत का होना भी जरूरी है। शिव सरस्वती सेवा निकेतन के संस्थापक एवं सामाजिक कार्यकर्ता व्रजेश शर्मा ने कहा कि सभी धर्म में मानव सेवा को ईश्वर की सेवा बताया गया है। मौके पर साइंस एकेडमी स्कूल के प्रिंसिपल रजनीश कुमार, महानंद झा, ईशाना कुमारी व्रजेश तिवारी, परमानंद मिश्रा, सोमा उरांव, आनंद गोप, अनिल गोप, मनदीप महतो, अनिल ठाकुर आदि उपस्थित थे।

युवा आजसू के रांची जिला सह प्रभारी नितीश सिंह ने दिया इस्तीफा

रांची (आजाद सिपाही)। युवा आजसू के रांची जिला सह प्रभारी नितीश सिंह ने गुरुवार को अपनी प्राथमिक सदस्यता और पार्टी के अन्य सभी पदों से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में संगठन में बढ़ती बाहरी-भीतरी मतभेदों और कार्य-संस्कृति में आयी गिरावट का हवाला दिया। नितीश सिंह ने 2015 से संगठन में अपनी सक्रिय भूमिका निभायी। उन्होंने छात्रों और युवाओं के बीच राजनीतिक जागरूकता फैलाने, चुनावी प्रक्रियाओं में भाग लेने और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा संगठन के हितों को प्राथमिकता दी और अपने पद का किसी व्यक्तिगत लाभ के लिए उपयोग नहीं किया। उन्होंने संगठन में हाल के दिनों में पारदर्शिता की कमी और आंतरिक गुटबाजी पर दुख जताया। इसके कारण कई सक्रिय कार्यकर्ता संगठन से अलग हो गये। नितीश सिंह ने आशा व्यक्त की कि संगठन इन समस्याओं का समाधान करेगा और मूल उद्देश्यों की ओर लौटेगा। अपने भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए नितीश सिंह ने कहा कि वे अब स्वतंत्र रूप से सामाजिक और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेकर समाज की सेवा करेंगे।

नेशनल कबड्डी मैच में भाग लेने के देहरादून उत्तराखंड के लिए रवाना

रांची (आजाद सिपाही)। कोच अभिषेक महतो, रोनी तिर्की और गौतम यादव के नेतृत्व में सोमवार को अंडर -11 और अंडर -14 झारखंड कबड्डी टीम देहरादून के लिए रांची स्टेशन से रवाना हुई। वहां एसजीएफएआइ खेल 14,15,और16 जनवरी को खेला जायेगा। इसमें अलग-अलग राज्य के खिलाड़ी अपना खेल दिखायेंगे। अंडर -11 टीम में प्रीतम प्रजापति (कप्तान), अभिजीत गुप्ता (उप कप्तान), रौशन, रोहित,रोनित,आर्यन, आयुष और संतोष को शामिल किया गया है। इसी तरह अंडर - 14 टीम में पंचम गरेड़ी (कप्तान), अनुज कच्छप (उप कप्तान), रोहन, अरविंद, असद, ईशांत, मनदीप, आयुष, सुमित, मनु को शामिल किया गया है।

9वें राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर भारतीय स्टार्टअप एसोसिएशन ने 2025 के लिए लिया नया संकल्प

भारतीय स्टार्टअप एसोसिएशन झारखंड में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने में करेगा सहायता, स्टार्टअप धोखाधड़ी से बचने की दी चेतावनी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय स्टार्टअप एसोसिएशन (आइएसयूए) ने झारखंड में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वाकांक्षी पहल की घोषणा की है। इसके तहत रांची विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय और अन्य इच्छुक विश्वविद्यालयों को इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने में सहायता दी जायेगी। यह कदम उभरते उद्यमियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा कर क्षेत्र में एक सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

इनक्यूबेशन सेंटर प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, फंडिंग और अत्याधुनिक तकनीक तक पहुंच प्रदान करने वाले केंद्र के रूप में कार्य करेंगे। ये केंद्र अकादमिक और उद्योग के बीच एक सेतु का काम करेंगे, जिससे छात्र और शोधकर्ता अपने विचारों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी उद्यमों में बदल सकें। क्रवअ का लक्ष्य स्थानीय विश्वविद्यालयों, उद्योगों और नीति-निमार्ताओं के साथ मिलकर स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है।

आइएसयूए के राष्ट्रीय अध्यक्ष रथिन भद्र ने कहा कि झारखंड में कृषि, खनन और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। ये इनक्यूबेशन सेंटर स्टार्टअप्स द्वारा सामना की जाने वाली बुनियादी ढांचे, मार्गदर्शन और फंडिंग की चुनौतियों को हल करेंगे और युवाओं को स्थानीय समस्याओं के अभिनव समाधान तलाशने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

स्टार्टअप धोखाधड़ी पर रवि रंजन सिंह (राष्ट्रीय सचिव) और राजा बागची (उपाध्यक्ष) का बयान : आइएसयूए ने उद्यमियों को धोखाधड़ी करने वाले तृतीय पक्षों से सतर्क रहने की चेतावनी दी है। ऐसे धोखेबाज निवेशकों द्वारा अग्रिम भुगतान के नाम पर पैसा लेने और फिर गायब हो जाने की घटनाओं में वृद्धि देखी गयी है। इस तरह की धोखाधड़ी न केवल वास्तविक निवेशकों की साख को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि युवा उद्यमियों को भी हतोत्साहित करती है।

आइएसयूए ने स्टार्टअप्स को सलाह दी है : निवेशकों और फंडिंग एजेंसियों की प्रामाणिकता की जांच करें। बिना उचित समझौते के अग्रिम भुगतान से बचें। वित्तीय समझौतों में प्रवेश करने से पहले कानूनी सलाह लें। सरकारी योजनाओं और प्रमाणित इनक्यूबेटरों का लाभ उठायें। इसके अतिरिक्त, एसोसिएशन ने विश्वविद्यालयों और औद्योगिक केंद्रों में जागरूकता अभियान और कार्यशालाएं आयोजित करने की योजना बनायी है, ताकि उद्यमियों को संभावित खतरों और निवारक उपायों के बारे में शिक्षित किया जा सके।

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना

आइएसयूए फंडिंग गतिविधियों की निगरानी और धोखेबाज इकाइयों को दंडित करने के लिए एक नियामक ढांचा बनाने पर जोर दे रहा है। राज्य और केंद्र सरकारों के साथ मिलकर एक स्टार्टअप-फ्रेंडली पॉलिसी वातावरण तैयार करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन उपायों के साथ, भारतीय स्टार्टअप एसोसिएशन झारखंड में एक समृद्ध और पारदर्शी स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने की उम्मीद करता है। उद्यमियों से सतर्क रहने और एसोसिएशन द्वारा प्रदान किए गए संसाधनों का उपयोग करके अपने सपनों को जिम्मेदारीपूर्वक साकार करने की अपील की गयी है।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in
05

महत्वपूर्ण खबरें

महाकवि घासीराम जयंती सह मेला-जतरा आज

रांची (आजाद सिपाही)। करकट चान्हो प्रखंड में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुक्रवार को महाकवि घासीराम महली केंद्रीय स्मारक समिति की ओर से महाकवि घासीराम जयंती सह मेला-जतरा का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 2017 ई. से लगातार आयोजित होता आ रहा है। यह झारखंड राज्य का पहला मेला है, जो किसी साहित्यकार के नाम से लगाया जाता है। इसमें झारखंड के मंत्री, विधायक तथा कई जनप्रतिनिधि शामिल होते रहे हैं। झारखंड राज्य के अलावा आसपास के पड़ोसी राज्यों जैसे असम, बंगाल, ओड़िशा, छत्तीसगढ़ इत्यादि राज्यों के साहित्य सेवी एवं कलाप्रेमी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। इस मेले में झारखंड के दो नागपुरी साहित्य संस्कृतिकर्मी को नागपुरी साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया जाता है। महाकवि घासीराम महली सम्मान इस बार नागपुरी के मूर्धन्य कवि-कलाकार तथा विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई सम्मानों से विभूषित महावीर नायक के साथ स्मृतिशेष वरिष्ठ कलाकार श्रद्धेय गोविंद शरण लोहरा को मारणोपरांत दिया जायेगा। इसके अलावा महली समाज की दो प्रतिभावान छात्राओं को भी महाकवि घासीराम महली प्रेरणा सम्मान प्रदान किया जायगा।

राष्ट्रीय सनातन स्वयंसेवक महासंघ की संगोष्ठी बैठक 19 को

रांची (आजाद सिपाही)। कांके भामाशाह नगर रिंग रोड आइटीबीपी क्षेत्र हथिया पत्थर के समीप हरिनाथ ट्रेडर्स परिसर पर राष्ट्रीय सनातन स्वयंसेवक महा संगठन का एकदिवसीय प्रदेश स्तरीय संगोष्ठी बैठक रखा गया है। संगोष्ठी बैठक पूर्वाह्न 11 से अपराह्न 3:00 तक होना सुनिश्चित किया गया है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश पदाधिकारी हरिनाथ साहू ने बताया उक्त संगोष्ठी बैठक में झारखंड प्रदेश के सभी जिलों से समाज के अगुआ एवं प्रबुद्ध लोगों के द्वारा निम्न बिंदुओं पर परिचर्चा होना है। इसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के वर्तमान में हो रहे अपमान का विरोध और उनकी प्रासंगिकता भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबासाहेब अंबेडकर का सम्मान, डॉ सुभाष चंद्र बोस के आदर्शों को अपनाना, भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श जीवन चार्य को अपनाना, सनातन धर्म एवं संस्कृति को बढ़ावा देना, समाज के बच्चों में आईएएस, आईपीएस बनने हेतु प्रेरणा एवं पढ़ाई की सुविधा देना, समाज के बच्चों वर्तमान वैश्विक आवश्यकता के अनुसार स्किल डेवलपमेंट करने पर विचार करना शामिल है।

राहुल गांधी का बयान भारत के खिलाफ : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने कहा कि राहुल गांधी का हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कांग्रेस की लड़ाई केवल आरएसएस और भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत के खिलाफ भी बताया है, बेहद चिंताजनक और विभाजनकारी है। कहा कि यह स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस पार्टी और उनके नेता बाहरी शक्तियों, जैसे जॉर्ज सोरोस और उनके समर्थकों के प्रभाव में काम कर रहे हैं। कहा कि यह बयान भारतीय राजनीति में एक खतरनाक मोड़ है, जो यह दर्शाता है कि कुछ नेता देश के हितों से अधिक अपनी राजनीति और बाहरी ताकतों के दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

श्री मरांडी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अपील करते हुए कहा कि वे इस प्रकार की देशविरोधी और विभाजनकारी बयानबाजी पर सख्त कदम उठाएं। यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि भविष्य में इस तरह के बयान न दिए जाएं और देश के खिलाफ बोलने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाये। कहा कि भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ किसी भी प्रकार की बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

काजू पैकिंग के नाम पर रोजगार देने के संबंध में उपायुक्त ने दिये जांच के आदेश

महत्वपूर्ण दस्तावेज शेयर करने में सावधानी बरतें, प्रशासन को सूचना दें : मंजूनाथ भजंत्री

हुगली से पंजीकृत समिति काजू पैकिंग के नाम पर रोजगार देने का कर रही है दावा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन को विभिन्न माध्यमों से रांची के ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में चांदूर बंधु मिलन कल्याण कमेटी द्वारा महिलाओं को रोजगार प्रदान किये जाने की सूचना प्राप्त हुई है। रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने इस संबंध में लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने आम लोगों से इसकी सूचना जिला प्रशासन को देने के साथ अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे आधार, पैन कार्ड, बैंक डिटेल एवं पैसे के लेन-देन में पूरी सावधानी बरतने की अपील की गयी है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा इस संबंध में श्रम अधीक्षक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस एवं श्रम अधीक्षक को जांच के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने पदाधिकारियों को जांच कर मामला फर्जी पाये जाने पर उचित कानूनी कार्रवाई करने को कहा है।

जानकारी के अनुसार महिलाओं से काजू पैकिंग के नाम पर रोजगार दिये जाने की बात कही जा रही है। उक्त समिति (जो हुगली में रजिस्टर्ड बताया जा रहा है, रजिस्ट्रेशन नंबर-एस/1एल/2025) के सदस्यों द्वारा महिलाओं से आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक डिटेल लिये जा रहे हैं। समिति द्वारा 7 जनवरी 2025 को कांके के गौशाला मैदान में जनसभा आयोजित करने की भी बात कही गयी है। इस संबंध में जो पत्र जारी किया गया है, उसमें भी कई अशुद्धियां हैं।

रेल संरक्षा सुनिश्चित करने की समेकित जिम्मेदारी सभी रेल अधिकारियों और कर्मचारियों की : महानिदेशक

आजाद सिपाही संवाददाता

हाजीपुर। महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड नयी दिल्ली हरि शंकर वर्मा गुरुवार को पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर पहुंचे। यहां उन्होंने महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ संरक्षा संबंधी विंदुओं पर गहनता से विचार-विमर्श किया। इस बैठक में रेलवे ट्रैक की सुरक्षा, ट्रैक फेंसिंग, ट्रेस पासिंग सहित संरक्षा से जुड़े पहलुओं पर चर्चा हुई। साथ ही संरक्षित ट्रेन संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रेल परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे सार्थक उपायों, पहलों, नवपरिवर्तन इत्यादि विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने संरक्षा सर्वोपरि के सिद्धांत का पालन करते हुए विशेष सतर्कता और सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने संरक्षा नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन पर बल देते हुए संरक्षा के संबंध में रेलवे बोर्ड से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बैठक को संबोधित करते हुए महानिदेशक (संरक्षा), रेलवे बोर्ड ने रेल संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा किये जा रहे उपायों, पहलों, नवपरिवर्तन, प्रशिक्षण इत्यादि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सलाह दी कि वे जमीनी स्तर पर रेल संरक्षा की गहन निगरानी करें। उन्होंने रेल परिचालन से सीधे रूप से जुड़े विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को संरक्षा नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रेलकर्मी अपने संरक्षा ज्ञान को सदैव अद्यतन रखें, कार्य निष्पादन के दौरान कोई भी शार्टकट तरीका न अपनायें तथा अपने कार्यों का निष्पादन पूरी सत्य व निष्ठा से करें। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि रेल संरक्षा सुनिश्चित करने की समेकित जिम्मेदारी सभी रेल अधिकारियों और कर्मचारियों की है।

सैफ अली खान पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण : बंधु तिर्की

रांची (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री, झारखंड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि मुंबई में बांद्रा में मशहूर फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर किया गया जानलेवा हमला बहुत अधिक निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री तिर्की ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की है कि वह मुंबई की चाकचौबंद सुरक्षा एवं वहां के लोगों की जान-माल की हिफाजत सुनिश्चित करें। श्री तिर्की ने कहा कि मुंबई केवल महाराष्ट्र की राजधानी ही नहीं है, बल्कि वह देश का सबसे प्रमुख आर्थिक-औद्योगिक केंद्र भी है और वहां इस प्रकार की घटनाएं अनेक सवाल खड़े करती है। श्री तिर्की ने कहा कि मुंबई में झारखंड के अनेक लोग रहते हैं और वहां से झारखंड के लोगों का गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। श्री तिर्की ने कहा कि सैफ अली खान को जिस प्रकार से देर रात में उन्हीं के फ्लैट में चाकू से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल किया गया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही, साथ ही बहुत कुछ सोचने पर विवश करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के हाई प्रोफाइल मामले तो सामने आ जाते हैं, लेकिन ऐसी न जाने कितनी घटनाएं मुंबई में हो रही है। यह इस बात को प्रमाणित करती हैं कि मुंबई अपराधियों के चंगुल में है।

झारखंड में वर्ष 2023 में संशोधित स्टार्टअप पॉलिसी का अब तक क्रियान्वयन नहीं हो सका : अमित अग्रवाल

2019 में 107 स्टार्टअप कंपनियों का चयन हुआ था, अभी केवल 4-5 स्टार्टअप कंपनियां ही एक्टिव हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेशनल स्टार्टअप डे के अवसर पर गुरुवार को रांची के चेंबर भवन में स्टार्टअप उप समिति ने प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया। इसमें राज्य में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और स्टार्टअप पॉलिसी लागू करने के लिए सरकार के स्तर से किये जाने वाले प्रयास पर चर्चा की गयी। स्टार्टअप उप समिति के चेयरमैन अमित अग्रवाल ने कहा कि झारखंड में वर्ष 2023 में संशोधित स्टार्टअप पॉलिसी का अब तक क्रियान्वयन नहीं हो सका है। दो वर्षों से इस पॉलिसी को प्रभावी करने की मांग की जाती रही है लेकिन विभाग द्वारा बार-बार एसओपी बनाने की बात ही कही जाती है। चेंबर द्वारा पिछले वर्ष संपन्न किये गये स्टार्टअप कॉनक्लेव में भी हमारी मांग पर विभाग ने पॉलिसी को जल्द क्रियान्वित करने के लिए आश्वस्त किया था किंतु अब तक इस दिशा में पहल नहीं हो सकी है। उन्होंने इस बात पर चिंता जतायी कि जब तक पॉलिसी लागू होती है तब तक वो आउटडेटेड हो जाती है, ऐसे में उद्यमियों को निराशा हाथ लगती है। राज्य में हजारों उद्यमी हैं, उनके पास एक से बढ़कर एक इनोवेटिव आइडिया है, काम करने की क्षमता है पर राज्य में न उन्हें रजिस्टर्ड किया जा रहा है न ही उन्हें पूंजी बेनिफिट मिल रहा है। झारखंड के कई उद्यमी ओडिशा जाकर स्वयं को रजिस्टर्ड करा रहे हैं जिसका फायदा उस राज्य को मिल रहा है। झारखंड में एक भी इन्क्यूबेशन सेंटर नहीं है जबकि केवल रांची में 10 इन्क्यूबेशन सेंटर होने चाहिए। साथ ही उन्होंने एक्साइज बिल्डिंग में स्थापित इनोवेशन लैब जो पिछले पांच वर्षों से बंद है, को जल्द चालू करने की मांग की। चेंबर के कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल ने पॉलिसी के क्रियान्वयन में होने वाले विलंब पर चिंता जतायी और कहा कि इसके अभाव में राज्य के प्रतिभा पलायन के साथ ही इससे लोगों को प्राप्त होने वाले रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। स्टार्टअप के लिए लैंड बैंक की भी समस्या है, जिसकी पहल सरकार के स्तर से होनी चाहिए। सरकार को इसकी समीक्षा करनी चाहिए कि आखिर क्या कारण है कि महाराष्ट्र में 45 हजार से अधिक स्टार्टअप कंपनियां हैं किंतु झारखंड में केवल 4-5 कंपनियां।

कमेटी चेयरमैन मनीष पीयूष ने कहा कि वर्ष 2019 में राज्य सरकार द्वारा 107 स्टार्टअप कंपनियों का चयन किया गया था। विभागीय उदासीनता के कारण इनमें से केवल 4-5 स्टार्टअप कंपनियां ही एक्टिव हैं और अधिकांश कंपनियां ओडिशा पलायन कर गईं। यदि सभी चयनित स्टार्टअप कंपनियां जीवित होती तो 10-12 हजार लोगों को सीधे तौर पर रोजगार मिलता। उन्होंने राज्य सरकार से प्रदेश में यथाशीघ्र पॉलिसी के क्रियान्वयन का आग्रह किया। यह भी कहा कि पूर्व में चयनित 107 स्टार्टअप्स में से जो कंपनियां एक्टिव हैं तथा वे बेनिफिट लेना चाह रही हैं, उन्हें बेनिफिट दिया जाय। साथ ही नये सिरे से सिलेक्शन प्रोसेस भी स्टार्ट किया जाना चाहिये। इस अवसर पर आदित्य कुमार भी उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

पुलिस उप-महानिरीक्षक को मो नौशाद ने दिया पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुलिस उप-महानिरीक्षक कार्मिक(बजट) मो नौशाद आलम द्वारा विधानसभा चुनाव /लोकसभा चुनाव डियूटी/श्रावणी मेला/दुगार्पूजा के कारण लंबित क्षतिपूर्ति अवकाश विस्तार माह 31 मार्च 2025 एवं जिलों/सशस्त्र के पदाधिकारियो को एसीपी/एमएसीपी को लाभ देने के लिए पत्र दिया गया। पुलिस उप-महानिरीक्षक(कार्मिक)-सह-बजट मो नौशाद द्वारा आश्वासन दिया गया कि बहुत ही जल्द समस्या का निदान कर दिया जायेगा।मै (महामंत्री) मो महताब आलम और संयुक्त सचिव सह कोषाध्यक्ष रंजन कुमार मौजूद थे।

हजारीबाग सदर के पूर्व एसडीओ अशोक पर कसा जांच का शिकंजा

पत्र मिलने के बाद डीजीपी ने लिया संज्ञान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/हजारीबाग। तत्कालीन एसडीओ अशोक कुमार के साले राजू कुमार गुप्ता के आवेदन पर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने संज्ञान लिया है। उन्होंने हजारीबाग रेंज के डीआइजी को पत्र लिख कर इस मामले की समीक्षा कर आगे की कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। हजारीबाग सदर के तत्कालीन एसडीओ अशोक कुमार पर उनकी पत्नी अनीता देवी को जिंदा जलाकर मारने का आरोप है।

झारखंड के डीजीपी ने तत्कालीन एसडीओ अशोक कुमार के साले राजू कुमार गुप्ता के आवेदन पर संज्ञान लिया है। इसके बाद अशोक कुमार पर जांच का शिकंजा कसने वाला है। पूर्व में मृतका के भाई राजू कुमार गुप्ता ने लोहसिंघना थाना में आवेदन देकर एसडीओ पर जलाकर मारने का आरोप लगाया था।

एसपी अभियान ने डीजीपी कार्यालय से लिखे उक्त पत्र में कहा है कि आवेदक राजू कुमार गुप्ता द्वारा महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक झारखंड के समक्ष उपस्थित होकर अभ्यावेदन समर्पित किया है। जिस पर महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक द्वारा विषयांकित कांड में की जा रही जांच की समीक्षा अपने स्तर से कराने और कांड के अनुसंधानकर्ता, पुलिस निरीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत करने आदेश दिया है।

27 दिसंबर 2024 को हुई थी अनीता की मौत : पूर्व एसडीओ अशोक कुमार की पत्नी अनीता देवी 26 दिसंबर की सुबह जल गयी थी, जिसे लगभग 7:30 बजे आरोग्यम हॉस्पिटल ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बोकारो जनरल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया था, जहां चिकित्सकों ने बताया था कि वह 65 फीसदी जल गयी है। चिकित्सकों ने अनीता को रांची रेफर कर दिया था। रांची के देवकमल हॉस्पिटल में अनीता देवी को एडमिट कराया गया था, जहां 27 दिसंबर की रात उन्होंने इलाज के क्रम में दम तोड़ दिया था।

बीआइटीटी पॉलिटेक्निक में भारतीय थल सेना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बीआइटीटी पॉलिटेक्निक में गुरुवार को भारत के 77वें थल सेना दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य कृष्णा कुमार महली ने भारतीय सेना के अदम्य साहस और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि हमारी सेना अपने अडिग साहस और समर्पण के साथ देश की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, जो हर दिन करोड़ों भारतीयों की रक्षा करती है।

इस अवसर पर पॉलिटेक्निक के कई छात्रों ने स्पीच दी और देशभक्ति गाने गाये। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य ने भारतीय थल सेना दिवस के इतिहास के बारे में छात्रों को जानकारी देते हुए बताया कि यह दिन 15 जनवरी 1949 को जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) केएम करियप्पा के भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बनने की याद में मनाया जाता है। इस दिन हम उन बहादुर सैनिकों के बलिदान को भी याद करते हैं, जो हर दिन देश की रक्षा में अपनी जान न्योछावर करते हैं।

कार्यक्रम में कॉलेज के बिनय कुमार सिंह (एडिशनल ग्रुप डायरेक्टर), अमित कुमार सिंह (रजिस्ट्रार), महाबीर प्रसाद महतो, दीपक कुमार राज, मिस रिझरें लाकरा और अन्य सभी शिक्षक उपस्थित थे। संस्थान की चेयरपर्सन, डॉ वंदना कुमारी, और चेयरमैन, डॉ रंजीत कुमार ने राष्ट्र के प्रति समर्पण के साथ सेवा करने वाले सैनिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम के लिए सभी छात्रों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं और अनुशासन और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

ओड़िशा वॉरियर्स ने पेनल्टी शूटआउट में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को हराया

ओड़िशा वॉरियर्स ने महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग में बोनस प्वाइंट हासिल किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जोसलीन बार्ट्राम ने तीन प्रयासों को रोककर ओड़िशा वॉरियर्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत दिलायी। महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (2024-25) में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के खिलाफ यह मैच 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ। ओड़िशा वॉरियर्स के लिए बलजीत कौर (8) ने गोल किया, जबकि श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए ब्यूटी डुंगडुंग (16) ने स्कोर किया।

मैच की शुरुआत में ही बंगाल टाइगर्स के पास बढ़त लेने का मौका था। तीसरे मिनट में एश्ले हॉफमैन ने गोललाइन से गेंद को गोल के मुंह की ओर पास किया, लेकिन लालरेमसियामी और हन्ना कॉटर इसे चूक गयीं। बंगाल टाइगर्स ने पहला पेनल्टी कॉर्नर जीता, लेकिन वॉरियर्स की गोलकीपर जोसलीन बार्ट्राम ने हॉफमैन के ड्रैग फ्लिक को बेहतरीन तरीके से बाहर कर दिया। ओड़िशा वॉरियर्स ने आठवें मिनट में बलजीत कौर के गोल से खेल के विपरीत बढ़त बना ली। विक्टोरिया सॉज ने सर्कल के बाहर से गेंद को पोस्ट की ओर मारा और बलजीत ने सही समय पर इसे जेनिफर रिज्जो को पछाड़ते हुए गोल में डाल दिया। पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में बंगाल टाइगर्स के पास स्कोर बराबर करने का मौका था, लेकिन पेनल्टी कॉर्नर पर इंजेक्शन सही से ट्रैप न हो पाने के कारण यह मौका हाथ से निकल गया। दूसरे क्वार्टर के शुरू होते ही, 46 सेकंड में, ब्यूटी डुंगडुंग ने सर्कल के अंदर से शॉट लेकर स्कोर को बराबर कर दिया। बार्ट्राम इस शॉट को आसानी से रोक सकती थीं, लेकिन उनका किक गलत समय पर हुआ और गेंद उनके पैरों के बीच से गोल में चली गयी। 27वें मिनट में ओड़िशा वॉरियर्स ने छह विदेशी खिलाड़ियों को मैदान पर उतारने की गलती से एक अनावश्यक पेनल्टी कॉर्नर दे दिया। बार्ट्राम ने उदिता के ड्रैग फ्लिक को रोककर अपनी टीम को बचाया। पहले हाफ के आखिरी सेकंड में भी टाइगर्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन उदिता का शॉट गोल पर नहीं लगा। तीसरे क्वार्टर में खेल थोड़ा धीमा रहा। 37वें मिनट में वॉरियर्स की मिशेल फिलेट के पास बढ़त का बड़ा मौका था, लेकिन उन्होंने गोलकीपर से सामना करने में समय लगा दिया, जिससे सुसिला चानू ने उन्हें ब्लॉक कर दिया। चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों के पास बड़े मौके नहीं बने। 58वें मिनट में टाइगर्स की डिफेंसिव गलती ने रुतुजा पिसाल को जीत का सुनहरा मौका दिया, लेकिन गोलकीपर ग्रेस ओ हैनलन ने जल्दी बाहर आकर इस शॉट को रोक लिया। मैच पेनल्टी शूटआउट में गया, जहां बार्ट्राम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन प्रयासों को रोका और ओड़िशा वॉरियर्स को बोनस प्वाइंट दिलाया।

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
JHARKHAND POLICE HOUSING CORPORATION LIMITED
(An undertaking of Jharkhand Govt.)
House No. 399/B, Road No.-4/C, Ashok Nagar, Ranchi-834002
Contact Tel. No. 0651-2214712, (CIN: U45200JH2002SGC012154)

Letter No.-CE/3815/46 Date:15.01.2025

e-Procurement Notice No.15/2024-25

Jharkhand Police Housing Corporation Limited, Ranchi (JPHCL) invites Percentage rate/Item rate/Bid for various Construction/ Repair/Renovation works in the state of Jharkhand. Bid document with detailed terms and conditions will be available online on e-tendering portal **http://jharkhandtenders.gov.in** from 17.01.2025 at 11:00 AM to 24.01.2025 up to 5:00 PM. Bids must be submitted online only at the e-tendering portal **http://jharkhandtenders.gov.in** on or before 5:00 PM on 24.01.2025. Bids received online will be opened at 5:00 PM on 25.01.2025.

Sd/- Chief Engineer
JPHCL, Ranchi

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 97308 date 16.01.2025, I JOLIA TIRKEY, Wife of Late Alois-Kispotta, Resident of Vill& Christ Colony, Katchacho, PO&Mandar, P-S& Mandar Ranchi, Katchancho, Mandar, Ranchi, Jharkhand&835214, do here by solemnly affirm and declare as under:
1. That I am Indian citizen by birth. 2. That my actual and correct name is JOLIA TIRKEY which is written in my Pension Certificate Being PPO Number is 204197000272.
3. That in my Aadhar Card my name has been wrongly written as JULIYA TIRKEY Being no-5519 3742 7019.
4. That JOLIA TIRKEY and JULIYA TIRKEY is the name of one and same person i-e is my self. 5. That this affidavit for the purpose of Name Correction in My Aadhar Card-

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार क्र. सं. 01199 दिनांक 16.01.2025 मैं ज़रियान हसन पुत्र सैफी हसन, कांजी हाउस के पास, कुंड मुहल्ला, वार्ड नंबर 5, मेदिनीनगर, पलामू, झारखंड - 822101 शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ कि - 1. यह है कि भारतीय नागरिक हूँ कि एवं उपरोक्त पते का निवासी हूँ। 2. यह कि मैंने अपना पुराना नाम ज़रियान हसन से बदलकर नया नाम ज़रियान हसन सैफी हसन रख लिया है, आज से मुझे इसी नाम से जाना जाएगा 3. यह कि मैं अपने नाबालिग बेटे का सही नाम दिखाने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए यह शपथ पत्र बना रहा हूं, इस अनुरोध के साथ कि आधार कार्ड पर मेरे बेटे का नाम सही किया जाए।

जिम्मेदारी समझें मार्क जकरबर्ग

फेसबुक की ओनर कंपनी मेटा के सीइओ मार्क जकरबर्ग एक बार फिर गलतबयानी के मामले में फंस गये। हालांकि समय रहते 14 जनवरी को मेटा इंडिया के सार्वजनिक नीति के उपाध्यक्ष, शिवनाथ ठुकराल ने मंत्री के ट्वीट के जवाब में मेटा की ओर से माफी मांगी। उन्होंने लिखाः आदरणीय मंत्री @Ashwini Vaishnaw, मार्क का यह अवलोकन कि 2024 के चुनावों में कई सत्तारूढ़ दलों को दोबारा नहीं चुना गया, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम इस अनजाने में हुई गलती के लिए माफी मांगते हैं। भारत मेटा के लिए एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण देश बना हुआ है। बता दें कि फेसबुक और मेटा पहले भी तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर ढिलाई जैसे आरोपों में घिरती रही है। यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया, जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवायी। तथ्य यह है कि बीजेपी की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की। परिणामस्वरूप नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और उनकी सरकार चल रही है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? जकरबर्ग ने अभी हाल ही में मेटा की कंटेंट मैनेजमेंट पॉलिसी में बड़े बदलाव की घोषणा की है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर लाये जा रहे इन बदलावों के तहत मेटा थर्ड पार्टी फैक्ट चेकिंग का सिस्टम समाप्त करने वाली है। उसकी इस घोषणा को भी अमेरिका में हो रहे सत्ता परिवर्तन से जोड़ कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह ट्रंप समर्थकों को खुश करने की कोशिश है, जो फ्री स्पीच के नाम पर फैक्ट चेकिंग की इस व्यवस्था का काफी समय से विरोध कर रहे हैं। 2018 में सामने आये कैंब्रिज एनालिटिका विवाद को भी इस संदर्भ में याद किया जा सकता है, जिसमें यूजर्स के पर्सनल डेटा की सुरक्षा का सवाल प्रमुखता से उभरा था। ऐसे और भी मामले हैं जिनसे यह संदेह मजबूत होता है कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। समाज को होने वाले नुकसान की तरफ पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस तरह की गैर जिम्मेदारी खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। उम्मीद है, सरकार की सख्ती मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बनायेगी।

जकरबर्ग ने अभी हाल ही में मेटा की कंटेंट मैनेजमेंट पॉलिसी में बड़े बदलाव की घोषणा की है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर लाये जा रहे इन बदलावों के तहत मेटा थर्ड पार्टी फैक्ट चेकिंग का सिस्टम समाप्त करने वाली है।

अभिमत
आजाद सिपाही

शास्त्रीजी का एक काम याद आता है, जिसमें उन्होंने स्त्रियों को बस कंडक्टर बनाने की योजना बनायी और उस पर अमल भी सुनिश्चित किया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार और वह भी ऐसा कि हर तरह के लोगों के साथ व्यवहार करने और प्रत्येक स्थिति का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। महिलाएं एक ओर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और दूसरी ओर पुरुष दूसरे काम कर सकें, दोनों एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकें।

लाल बहादुर शास्त्री का कार्यकाल छोटा था, मगर मील का पत्थर सिद्ध हुआ

पूरन चंद सरीन

11 जनवरी 1966 को जब निधन हुआ, तब लाल बहादुर शास्त्री को केवल लगभग 19 महीने प्रधानमंत्री पद ग्रहण किए हुए थे। पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा न कर सके, पर उनका नाम और काम आज तक याद आता है, क्योंकि जो किया उसकी छाप जब पड़ी थी, तब से लेकर आज वर्तमान और कल भविष्य पर भी रहेगी।

महिलाओं का उत्थान : आज हर नेता और राजनीतिक दल कहता है और ढोंग करने की हद से भी परे जाकर घोषणाओं का दिखावे के लिए इस्तेमाल करता है, ताकि लगे कि उनसे बड़ा महिलाओं का कोई हिमायती नहीं। शास्त्रीजी का एक काम याद आता है, जिसमें उन्होंने स्त्रियों को बस कंडक्टर बनाने की योजना बनायी और उस पर अमल भी सुनिश्चित किया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार और वह भी ऐसा कि हर तरह के लोगों के साथ व्यवहार करने और प्रत्येक स्थिति का सामना करने के लिए स्वयं को तैयार कर सकें। महिलाएं एक ओर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और दूसरी ओर पुरुष दूसरे काम कर सकें, दोनों एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकें।

सन 1964 से 1966 तक देश के अनेक भाग अकाल ग्रस्त थे। ऐसे में खाद्य सुरक्षा और खाद्यान्न में उत्पादन में आत्मनिर्भर होने की शुरुआत शास्त्रीजी ने ही की थी।

शास्त्रीजी का दूसरा काम जो आज तक चल रहा है और देश को दुनिया भर में गौरवान्वित कर रहा है, वह है, दुग्ध उत्पादन और सहकारिता के माध्यम से कीर्तिमान स्थापित करना जिसके बल पर हम दूध का उत्पादन करने वाले देशों में सबसे आगे हैं। अमूल का नाम आज हर कोई जानता है। अगर शास्त्रीजी वर्गीज कूरियन से न मिले होते और डेयरी उद्योग की नींव न डाली होती, तो आज इस क्षेत्र में महिलाओं विशेषकर ग्रामीण इलाकों में उनके जीवन भर रोजगार का साधन न बनता। दुधारू पशुओं की देखभाल पहले भी करती थीं, लेकिन उन्हें एक व्यवस्थित जीवन और निरंतर आमदनी का साधन इसी से मिला।

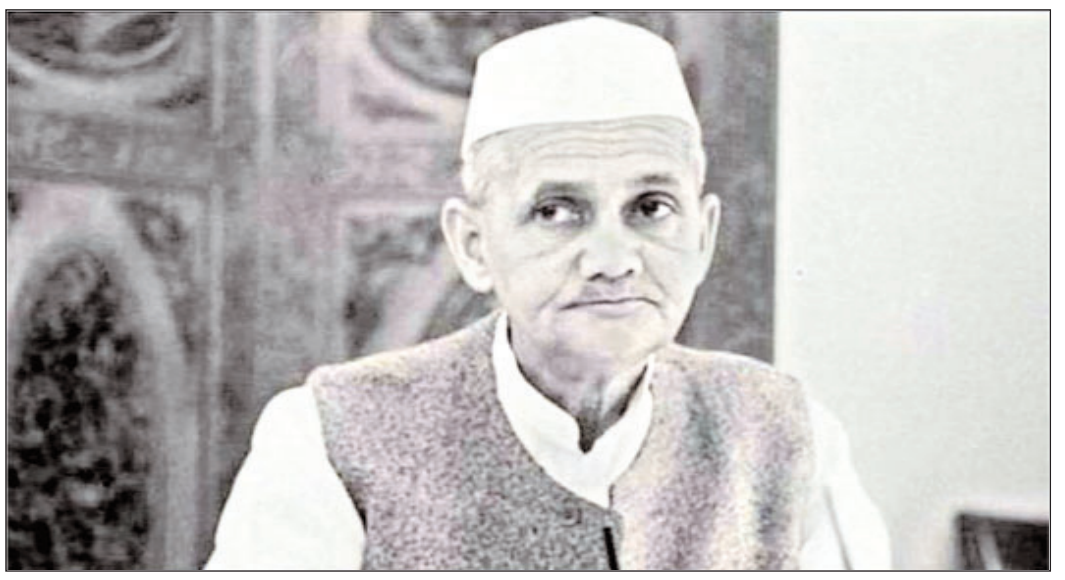

शास्त्रीजी गृह, परिवहन और रेल मंत्री भी रहे। सभी पदों के अनुभव को लेकर जब प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी व्यक्तिगत हित की बात तो छोड़िए पार्टी के बारे में भी नहीं सोचा कि उनके किसी काम से कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कभी सोचा ही नहीं कि जनहित से बड़ा किसी भी नेता का कोई कार्य या उद्देश्य हो सकता है। रेल दुर्घटना के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी और त्यागपत्र देने वाले वह एकमात्र मंत्री थे और उनका उदाहरण आज भी दिया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल डेयरी डेवेल्पमेंट बोर्ड की स्थापना का श्रेय उन्हीं को जाता है। उनकी नीति और दूरदर्शिता का ही कमाल था कि आज यह बोर्ड अपनी महत्वपूर्ण भूमिका से स्व-सहायता समूहों, स्व-रोजगार और स्वयं निर्मित संसाधनों से देहाती क्षेत्रों में स्त्री-पुरुषों की आजीविका का प्रमुख साधन बन रहा है। दूध का व्यापार करने की आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है और एक तरह से प्रतियोगिता और प्रतिद्वंद्विता का वातावरण बन रहा है।

खाद्यान्न सुरक्षा : सन 1964 से 1966 तक देश के अनेक भाग अकाल ग्रस्त थे। ऐसे में खाद्य सुरक्षा और खाद्यान्न में उत्पादन में आत्मनिर्भर होने की शुरुआत शास्त्रीजी ने ही की थी। आज हम एक विशाल जनसंख्या को मुफ्त अनाज देने का दम भरते हैं, उसका आरंभ उन्होंने ही हरित क्रांति के रूप में किया था। पूरे देश से अनुरोध किया था कि सप्ताह में एक वक्त का भोजन न करें और अन्न की बर्बादी न होने दें। अधिक उपज देने वाली फसलों के अनुसंधान और उनसे तेजी से अनाज उत्पादन करने की नींव उन्होंने ही डाली थी। फूड कार्पोरेशन का गठन उन्होंने ही किया था। राष्ट्रीय कृषि उत्पाद मंडल की स्थापना उन्हीं का लक्ष्य था, जिसके जरिए देश को खाद्य संपन्न बनाया जा सकता था। हरित क्रांति को लेकर आज जो बहस होती है, उसका सूत्रपात उन के कार्यकाल में हुआ था। डॉक्टर एमएस स्वामीनाथन का इस क्षेत्र में योगदान मात्र इस नीति की बदौलत हुआ कि देश अनाज के मामले में विपन्न न रहे और अन्य देशों से आयात करने की मजबूरी से मुक्त हो। यह उन्हीं की दीर्घकालीन सोच का परिणाम था कि आज हमारा देश आत्मनिर्भर ही नहीं है, बल्कि खाद्यान्न का निर्यात और भुखमरी से जूझ रहे देशों को अनाज मुहैया कराने में सक्षम है।

केवल जनहित : शास्त्रीजी गृह, परिवहन और रेल मंत्री भी रहे। सभी पदों के अनुभव को लेकर जब प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी व्यक्तिगत हित की बात तो छोड़िए पार्टी के बारे में भी नहीं सोचा कि उनके किसी काम से कांग्रेस को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कभी सोचा ही नहीं कि जनहित से बड़ा किसी भी नेता का कोई कार्य या उद्देश्य हो सकता है। रेल दुर्घटना के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी और त्यागपत्र देने वाले वह एकमात्र मंत्री थे और उनका उदाहरण आज भी दिया जाता है। आज रेल दुर्घटना होने पर पद छोड़ने की बात तो दूर, उसके कारणों और व्यवस्था में व्याप्त अकुशलता को दूर करने में भी किसी मंत्री की कोई रुचि नहीं होती। वे केवल दोषारोपण करते हैं और भीषण हादसा होने पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित नहीं होते। डाक्टर होमी जहांगीर भाभा के सुझाव पर विचार और मंजूरी देने का श्रेय उन्हीं को जाता है। स्वतंत्र भारत में पाकिस्तान के साथ पहला युद्ध भी उन्हीं के नेतृत्व में सन 1965 में लड़ा गया था। हमने शत्रु पर विजय पायी और उसकी राजधानी तक को जीतने का संकल्प उन्हीं का था।

जिस पीढ़ी ने नेहरू और शास्त्री का दौर देखा है, वे इस बात से सहमत होंगे कि विदेश और देशनीति में जो मील के पत्थर इस 5 फुट 2 इंच की पतली दुबली काया के व्यक्ति ने रखे, वे आज भी कायम हैं। विडंबना है कि इंदिरा गांधी से शुरू हुआ परिवारवाद आज कांग्रेस के पतन में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल छोड़ कर नरसिम्हा राव और डॉ मनमोहन सिंह की बात करें, तो वे संयमी और ईमानदार होने के अतिरिक्त देश को कुछ ऐसा न दे सके, जिसका शास्त्री की भांति कदमों के निशान की तरह अनुसरण किया जा सके। इन दोनों प्रधानमंत्रियों को देश की अर्थव्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन का कर्ता माना जा सकता है, लेकिन इसके साथ ही पर्दे के पीछे किसी की कठपुतली बनने के दोष से उन्हें मुक्त नहीं किया जा सकता।

देश-विदेश की खबरें

छत्तीसगढ़ में तीन जिले के 1500 जवानों ने जंगल में नक्सलियों को घेरा, मुठभेड़ जारी

10-12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर, आइइडी ब्लास्ट में दो जवान भी घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पुलिस-नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। खबर लिएक जाने तक मुठभेड़ जारी थी। एनकाउंटर में 10-12 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। दोनों तरफ से रुक-रुककर गोलीबारी चल रही है। मुठभेड़ दक्षिण बस्तर के पुजारी कांकेर के जंगल में चल रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक बीजापुर, डीआरजी सुकमा, डीआरजी दंतेवाड़ा, कोबरा के अलग-अलग बटालियन और सीआरपीएफ के करीब 1200 से 1500 जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। जंगल में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं, इनमें कुछ बड़े नक्सल लीडर भी शामिल हैं। वहीं बीजापुर में ही आइडी ब्लास्ट में दो जवान घायल हो गये हैं। जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया है।

गणतंत्र दिवस फ्लाइपास्ट में ध्रुव-तेजस नहीं होंगे शामिल

पोरबंदर हादसे की वजह से ध्रुव, सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट होने के कारण तेजस बाहर, राफेल शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत में बना हेलिकॉप्टर ध्रुव और लड़ाकू विमान तेजस गणतंत्र दिवस फ्लाइपास्ट का हिस्सा नहीं होंगे। इसी महीने गुजरात के पोरबंदर में एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव के क्रैश होने के बाद यह फैसला लिया गया है। वहीं, तेजस के सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट होने की वजह से इसे फ्लाइपास्ट से बाहर किया गया है। दरअसल, वायुसेना ने गणतंत्र दिवस परेड में सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट्स को उड़ाना बंद कर दिया है। वायुसेना अधिकारी ने मीडिया को बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में 22 लड़ाकू विमान, 11 ट्रांसपोर्ट विमान, 7 हेलिकॉप्टर और 3 डोरनियर निगरानी विमान शामिल होंगे। फ्लाइपास्ट में एक राफेल लड़ाकू विमान भी शामिल होगा। परेड में वायुसेना की मार्चिंग दस्ते में 144 जवान शामिल होंगे।

जांच पूरी होने तक उड़ान नहीं भरेगा ध्रुवः वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि आर्मी, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल के पास करीब 330 डबल इंजन ध्रुव हेलिकॉप्टर हैं। पोरबंदर में हुए हादसे के बाद इसके पूरे बेड़े को रोक दिया गया है। दुर्घटना पर बनी हाइलेवल कमेटी जब तक क्रैश की वजह का पता नहीं लगा लेती, तब तक हेलिकॉप्टरों के उड़ान भरने की संभावना नहीं है। इंडियन कोस्ट गार्ड (आइसीजी) का मार्क- 3 ध्रुव हेलिकॉप्टर नियमित उड़ान पर था। पोरबंदर हवाई अड्डे के रनवे पर लैंडिंग के दौरान दोपहर करीब 12.15 बजे क्रैश हो गया था। हादसे में आइसीजी के दो पायलट और एक एयर क्रू गोताखोर की मौत हुई थी।

15 साल में पहली बार नहीं होगा ध्रुवः ध्रुव 15 साल में पहली बार गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा नहीं होगा। 5.5 टन वजनी एएचएल ध्रुव का निर्माण सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने किया है। यह मल्टीपर्पज और मल्टी मिशन हेलिकॉप्टर है और पिछले 15 सालों से गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा रहा है। वहीं, सिंगल इंजन लड़ाकू जेट तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) है। इसे भी एचएएल ने ही विकसित किया है। यह हल्का लड़ाकू विमान जासूसी और एंटी शिप मिशन में अहम भूमिका निभाता है।

जम्मू-कश्मीर में रहस्यमयी बीमारी से एक और बच्ची की मौत

-मरने वालों की संख्या 15 हुई, इसमें से 12 बच्चे, सरकार ने एसआइटी बनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बधाल गांव में 9 वर्षीय बच्ची की मौत हो गयी। राजौरी जिले में रहस्यमय बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गयी है, जिसमें 12 बच्चे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मौतों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है। बधाल गांव में 7 से 16 दिसंबर 2024 के बीच 2 परिवारों के 9 सदस्यों की मौत हुई थी। इसके बाद 11 जनवरी को मोहम्मद असलम के 6 बच्चे बीमार हुए, जिनमें से 4 की मौत हो गयी थी। 12 जनवरी को 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गयी थी। जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य मंत्री सकीना मसूद ने बधाल गांव में हुई इन मौतों की वजह रहस्यमय बीमारी होने की संभावना से इनकार किया। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के अंदर और बाहर किये गये सभी जांच के रिजल्ट नेगेटिव आये हैं। मंत्री सकीना मसूद ने कहा कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले पूरी जांच होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वे जिला विकास आयुक्त और सीनियर पुलिस अधीक्षक से लगातार संपर्क में हैं। मंत्री सकीना मसूद ने कहा कि अगर ये मौतें किसी बीमारी के कारण हुई होतीं तो ये तेजी से फैल जाती और केवल तीन परिवारों तक सीमित नहीं रहती। हालांकि कुछ हेल्थ एक्सपर्ट्स ने मृतकों के नमूनों में 'न्यूरोटॉक्सिन' पाए जाने की बात कही है।

मिदनापुर मेडिकल कॉलेज में डिलीवरी के बाद महिला की मौत, एक्सपायरी सलाइन चढ़ाने का आरोप, हुई कार्रवाई

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 12 डॉक्टरों को सस्पेंड किया

परिजनों को पांच लाख रुपेय और सरकारी नौकरी मलिगी

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मिदनापुर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल (एमएमसीएच) में डिलीवरी के बाद महिला की मौत मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्शन लिया है। उन्होंने गुरुवार को अस्पताल के 12 डॉक्टरों को सस्पेंड करने का आदेश दिया है। उन्होंने महिला के परिजनों को 5 लाख रुपये और सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया है। जिन लोगों को सस्पेंड करने का आदेश दिया गया है उनमें कॉलेज के मेडिकल सुपरिटेंडेंट कम वाइस प्रिंसिपल, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर, एचओडी, सीनियर रेजिडेंट और 6 ट्रेनी डॉक्टर शामिल हैं। सभी के खिलाफ गलत सलाइन चढ़ाने की जांच भी की जायेगी। दरअसल मिदनापुर हॉस्पिटल में 8 जनवरी को डिलीवरी के बाद 5 महिलाएं कथित रूप से गलत सलाइन चढ़ाने से बीमार हो गयी थीं। बाद में एक महिला की मौत हो गयी थी। उसका बच्चा मिदनापुर हॉस्पिटल में ही भर्ती है। मृतक महिला के परिजनों ने आरोप लगाया था कि उसको एक्सपायरी डेट का रिंगर्स लैक्टेट दिया गया था। इसी कारण से महिला की मौत हुई है। इसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में मामला भी दर्ज कराया गया है। इसके बाद राज्य स्वास्थ्य विभाग एक्टिव हो गया था। इस मामले में पुलिस अधिकारी का कहना था कि महिला ने 8 जनवरी को बच्चे को जन्म दिया था और 10 जनवरी को उसकी मौत हो गई थी। इसकी जांच के लिए 13 सदस्यों की टीम का गठन हुआ है जो मामले की जांच कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि सीआइडी ??और एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट एक जैसी है। दो रिपोर्ट देखने और मुख्य सचिव व गृह सचिव से सुझाव लेने के बाद यह कदम उठाया है। अगर बिल्डिंग के अंदर सीसीटीवी कैमरा होता तो आरोपी को पकड़ा जा सकता था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन थिएटर के अंदर भी सीसीटीवी होने चाहिए।

अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला चौथा देश बना भारत

आजाद सिपाही संवाददाता

बेंगलुरु। भारत अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट को सक्सेसफुली डॉक करने वाला चौथा देश बन गया है। इससे पहले रूस, अमेरिका और चीन ही ऐसा करने में सफल रहे हैं। इसरो ने बताया कि 16 जनवरी को सुबह डॉकिंग एक्सपेरिमेंट को पूरा किया गया। इस मिशन की कामयाबी पर चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे मिशन्स निर्भर थे। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाये जायेंगे। वहीं गगनयान मिशन में मानव को अंतरिक्ष में भेजा जायेगा। इसरो ने 30 दिसंबर 2024 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से रात 10 बजे स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट मिशन लांच किया था। इसके तहत पीएसएलवी-सी60 रॉकेट से दो स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी से 470 किमी ऊपर डिप्लॉय किये गये। 7 जनवरी को इस मिशन में दोनों स्पेसक्राफ्ट्स को कनेक्ट किया जाना था, लेकिन इसे टाल दिया गया। फिर 9 जनवरी को भी तकनीकी दिक्कतों के कारण डॉकिंग टल गयी। 12 जनवरी को स्पेसक्राफ्ट्स को तीन मीटर तक पास लाने के बाद वापस इन्हें सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया था।

सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को

झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष कमलेश्वर पांडेय।

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनंत प्रताप देव को सम्मानित किया जायेगा। इसकी जानकारी संघ के जिलाध्यक्ष कमलेश्वर पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह रविवार को 11 बजे प्लस टू हाइस्कूल के सभागार में आयोजित होगा। समारोह में जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहेंगे।

अगर पार्टी का निर्देश चुनाव लड़ने का हो, तो चुनाव भी लड़ूंगा: रामचंद्र चंद्रवंशी

कार्यकर्ताओं के दबाव में पूर्व मंत्री चंद्रवंशी ने अपने वक्तव्यों से लिया यू टर्न

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा है कि उन्होनें ऐसी कोई बात नहीं कही है कि वे सक्रिय राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी का निर्देश चुनाव लड़ने का हो तो चुनाव भी लड़ूंगा। गुरूवार को अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि मैं इस प्रेसवार्ता के माध्यम से अपनी बात स्पष्ट करना चाहता हूं कि हाल ही में मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में मेरी बातों को गलत तरीके से समझा गया और मीडिया में यह बात फैल गई कि मैंने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। लेकिन मैने ऐसी कोई बात नहीं कही है। हमने केवल यह कहा था कि अपनी उम्र को देखते हुए मैं आगे चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा रखता हूं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि हम सक्रिय राजनीति से अलग हो रहे है। मैं एक अनुशासित पार्टी का कार्यकर्ता हूं और पार्टी का आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है। मेरा राजनीतिक भविष्य पार्टी नेतृत्व तय करेगी, और मैं पार्टी के निदेर्शों का पालन करूंगा। अगर पार्टी का निर्देश चुनाव लड़ने का हो तो चुनाव भी लड़ूंगा। मुझे यह जानकर दुख हुआ कि मेरी बातों को गलत तरीके से समझने के कारण मेरे सैकड़ों कार्यकर्ता आहत और परेशान हुए। वे मुझसे मिलने आये और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। मैं इस मौके पर अपने कार्यकर्ताओं को आश्वासन देना चाहता हूं कि मैं हमेशा आपके साथ खड़ा हूं। आपके समर्थन और सहयोग से ही मैं चार बार विधायक और दो बार मंत्री बना हूं। आप मेरी ताकत हैं, और आपके बिना मेरी राजनीति अधूरी है। यदि कभी किसी कारणवश मैं व्यक्तिगत रूप से आपके पास नहीं पहुंच पाया, तो मेरे पुत्र ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी आपके साथ हर परिस्थिति में खड़े रहेंगे। वे भी आपकी भावनाओं और समर्थन का पूरा सम्मान करेंगे। मेरा पूरा ध्यान पार्टी के अनुशासन और आपके समर्थन पर है। मैं आप सभी से अपील करता हूं कि इस गलतफहमी को पीछे छोड़कर हम सब मिलकर पार्टी और समाज की सेवा में जुटें। आपकी भावनाओं का सम्मान और पार्टी की मर्यादा बनाए रखना मेरी प्राथमिकता है। इस मौके पर भाजपा नेता डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी, चंचल दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चार बाल श्रमिकों को धावा दल ने विमुक्त कराया

बाल श्रम कराने वाले नियोजकों पर होगी कार्रवाई : श्रम अधीक्षक

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गुरुवार को बाल श्रम उन्मूलन हेतु धावा दल के द्वारा श्रम अधीक्षक की अध्यक्षता में विभिन्न दुकान/प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मि-पियोर पानी फैक्टरी स्थान इंडस्ट्रियल एरिया बेलचम्पा प्रखंड गढ़वा के निरीक्षण के क्रम में 4 बाल श्रमिक कार्यरत पाये गये। सभी बाल श्रमिकों को विमुक्त करा कर बाल कल्याण समिति, गढ़वा के समक्ष प्रस्तुत किया गया। श्रम अधीक्षक ने सभी प्रतिष्ठान के मालिकों को निर्देश दिया कि बाल श्रमिकों से कार्य लेना गंभीर अपराध है। यदि बाल श्रमिक कार्यरत पाये गये तो नियोजकों पर कानूनी करवाई की जायेगी। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि बाल श्रम कराने पर नियोजकों को 6 माह से 2 वर्ष की सजा और बीस हजार से पच्चास हजार का जुर्माना अथवा दोनों दंड का प्रावधान है। उक्त धावा दल में संजय आनंद श्रम अधीक्षक के अलावे बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अधिवक्ता प्रणव कुमार, संरक्षण संजय ठाकुर, राजीव कुमार रवि, गणेश कुमार जिला समन्वयक लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान और गढ़वा थाना से पुलिस बल के लोग उपस्थित थे।

मेराल गोदाम से खाद्यान्न नहीं देने के मामले की डीएसओ और डीएसई ने की जांच

गोदाम प्रबंधक ने प्रभार अदला बदली का दिया हवाला, कहा मिलान कर बहुत जल्द की जायेगीआपूर्ति

बलराम शर्मा

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजनान्तर्गत द्वितीय त्रैमास 2024 का आवंटित खाद्यान मेराल गोदाम से डंडई और मेराल का मिलकर करीब 500 क्विंटल नहीं देने का मामला तूल पकड़ने लगा है। इस मामले में मेराल बीईईओ द्वारा अक्टूबर 2024 में ही डीएसओ और डीएसई को पत्र लिखा गया था। बावजूद खाद्यान्न की आपूर्ति नहीं होने पर दुबारा अनुस्मारक पत्र देने के बाद गुरुवार को दोनों जिलाधिकारी मेराल प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थित गोदाम पर पहुंचकर मामले का जांच किया गया। अधिकारियों द्वारा स्टॉक रजिस्टर का जांच करने के बाद गोदाम प्रबंधक दीपक चंचल से मामले के बारे में पूछताछ किया गया। मौके पर गोदाम प्रबंधक द्वारा प्रभार का आदान-प्रदान होने का वजह बताते हुए कहा कि स्टॉक का मिलान कर बहुत जल्द खाद्यान्न का आपूर्ति कर दिया जायेगा। मामले में पूछे जाने पर डीएसई अनुराग मिंज ने कहा कि गोदाम प्रबंधक द्वारा तुरंत खाद्यान्न आपूर्ति करने की बात कही गयी है। खाद्यान्न आपूर्ति होने पर कोई मामला नहीं रहेगा।

शशांक ने पुलिस महानिदेशक से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया

कांडी (आजाद सिपाही)। दृष्टि यूथ आगेर्नाइजेशन के प्रधान सचिव व युवा समाजसेवी शशांक शेखर झारखंड पुलिस के महानिदेशक से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। विदित हो की शशांक बुधवार की देर शाम झारखंड पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता से भेट कर गढ़वा जिले समेत राज्य भर में ऑन द स्पॉट चालान काटने की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। शशांक ने एक आग्रह पत्र सौंपते हुए कहा कि झारखंड राज्य में फिलहाल यातायात नियमों को लेकर झारखंड पुलिस सख्त है, राज्य के सभी जिलों में रोजाना मोटासाइकिल चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, कारण कि सुदूरवर्ती इलाकों में लोग अभी भी जागरूक नहीं हुए हैं, जिसका नतीजा उन्हें झेलना पड़ रहा है। थाने की पुलिस बिना हेलमेट चलनेवाले राहगीरों को रोककर उनके वाहनों को थाने में जब्त कर ले रही है, ऐसे में राहगीरों को कागजात जमाकर फाइन भरने में 2 से 4 दिन से हफ्तो का वक्त लग जाता है। अगर राज्य सरकार ऑन द स्पॉट चालान काटने की व्यवस्था कर दें, तो राहगीरों को चालान जमा करने में सहूलियत होगी। शशांक ने कहा कि यह व्यवस्था सिर्फ राजधानी रांची में है इस व्यवस्था को हर जिले व प्रखंड थाना में कर देने से अच्छा होगा, पुलिस महानिदेशक शशांक द्वारा दिये गये पत्र को पढ़कर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि यह अच्छा विचार है। कहा कि अगर कोई इमरजेंसी में जा रहा हो, तो कोई भी वाहन जांचकर्ता उसे परेशान नहीं करेगा, इस विषय को लेकर हम विचार बहुत जल्द करेंगे, साथ ही इस व्यवस्था को लागू करेंगे।

झोंपड़ी में आग लगने से नौ बकरियों की मौत, पति-पत्नी झुलसे, स्थिति गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ा खुर्द पंचायत के बनकट गांव स्थित सोन नदी के किनारे पर स्थित चंद्रदेव राम की फुस की झोपड़ी में अचानक आग लगने से कुल 09 बकरियों की झुलसने से मौत हो गयी। घटना बुधवार रात्रि की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोन नदी के तट पर घांस फूस से बने झोपड़ी में चंद्रदेव राम व उनकी पत्नी चंद्रावती देवी सो रहे थे। और सभी बकरियां उसी झोपड़ी में बंधी थीं। आग कैसे लगी, यह किसी को पता नहीं चला। इस अगलगी की घटना में चंद्रदेव राम व उनकी पत्नी चंद्रावती देवी झुलस गये। परिजनों द्वारा घायल दंपति को इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीरता पूर्वक देख चिकित्सकों ने मेदनीनगर के लिए रेफर कर दिया। घायल चंद्रदेव राम के भतीजे राहुल राम, पिता सत्यनारायण राम ने बताया कि उक्त झोपड़ी में आग कैसे लगी, यह पता नहीं चल पाया है। अगलगी की घटना में झुलसे चाचा व चाची किसी प्रकार झोपड़ी से निकल कर अपनी जान बचाये हैं। उसने बताया कि झोपड़ी में बंधी कुल 09 बकरीयां, बर्तन, भोजन सामग्री, वस्त्र, बिस्तर, सोलर आदि भी जल कर राख हो गया। राहुल ने बताया कि चाचा चंद्रदेव राम के शरीर के दाहिने हिस्से में सिर से लेकर पांव तक गंभीर रूप से जल गया है। जबकि चाची चंद्रावती देवी की कमर आंशिक रूप से जल गया है।

किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को डीसी ने किया सम्मानित

उपायुक्त शेखर जमुआर ने खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की की कामना

आजाद सिपाही संवाददाजा

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर द्वारा किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जीत दर्ज करने वाले गढ़वा के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। बतातें चलें कि रामगढ़ में आयोजित यूथ किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गढ़वा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 6 पदक जीते। जिसमे पांच स्वर्ण व एक कांस्य पदक शामिल है। इस दौरान अनुराज पांडेय ने 24 किलोग्राम में स्वर्ण पदक जीतकर गढ़वा जिला का नाम रौशन किया। जबकि अदिति पांडेया 32 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, सुप्रिया कुमारी 38 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, पुण्य प्रसून 38 किलोग्राम में स्वर्ण पदक, अर्णव कुमार 23 किलोग्राम में स्वर्ण पदक व समीर कुमार चौबे 85 किलोग्राम में कांस्य पदक प्राप्त किया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उक्त खिलाड़ियों को उपायुक्त श्री जमुआर द्वारा अपने कार्यालय कक्ष में सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। उक्त मौके पर किक बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, सचिव मनोज संसई और उपस्थित पदक विजेता और उनके परिजन उपस्थित थें।

विधायक के पुत्र ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहयोग कर हाल-चाल जाना

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। विधायक अनंत प्रताप देव के पुत्र मानवेंद्र प्रताप देव (ऊर्फ) मनु बाबा ने गुरुवार को ओढेया गांव पहुच कर मृतक के परिजनों को आर्थिक सहयोग कर परिजनों का हाल-चाल लिया। वहीं परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाते हुए कहा कि मुझे आने में अगर कोई विलंब हो गया होगा, तो मैं अपनी ओर से क्षमा मांगता हूं। 40 वर्षीय विनोद यादव के चले जाने के बाद मुझे भी बहुत दुख है। इस घड़ी में यही कह सकता हूं कि अपने परिवार का एक सदस्य खो दिया हूं। मैं हर संभव मदद दिलाने को तैयार हूं। क्योंकि विसुनपुरा के सभी जनता मेरा परिवार है। हमारा और विधायक अनंत प्रताप देव का विशुनपुरा के लोगों के साथ पुराना रिश्ता है। मौके पर अनुमंडल अध्यक्ष मुखतेश्वर पांडेय, सुधीर प्रसाद, मिंटू, मानिक, संतोष सिंह, मृत्युंजय सहित अन्य लोग शामिल थे।

भाकपा माले नेता के शहादत दिवस पर जन संकल्प सभा का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। छः मईलवा बिजली सब स्टेशन के समीप मैदान में गुरुवार को भाकपा माले नेता सह कामरेड महेंद्र सिंह के 20वां शहादत दिवस पर भवनाथपुर, केतार और खरौंधी भाकपा माले एरिया कमिटी के तत्वाधान में जन संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इससे पूर्व माले कार्यकर्ताओं ने भवनाथपुर कर्पूरी चौक से लेकर छः मईलवा तक पैदल प्रतिवाद मार्च निकाली। माले नेताओं ने सभा स्थल पर कामरेड स्व महेंद्र सिंह के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर जिला सचिव कालीचरण मेहता ने कहा कि आज पूरे राज्य में कामरेड स्व. महेंद्र सिंह का 21वां शहादत दिवस मनाया जा रहा है, अगर आज अंबेडकर और कामरेड महेंद्र सिंह जीवित होते तो राज्य की तस्वीर और तकदीर अलग होती। राज्य में गरीब, दलित शोषितों के रक्षा के लिए स्व. कामरेड महेंद्र सिंह सदैव खड़ा होते थे। उन्होंने कहा कि केंद्र के भाजपा सरकार कार्पोरेट घराने के साथ मिलकर आदिवासियों के जमीन को हड़पना चाह रही है, लेकिन उनके मंसूबों को भाकपा माले कभी पूरा नहीं होने देगी, भाकपा माले जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए कोई भी कदम उठा सकती है। इस मौके पर भाकपा माले नेता लालमुनि गुप्ता, दिलीप गुप्ता, संजय चंद्रवंशी, गिरधारी सिंह, भगवान, बाबूलाल, बिगन सहित बड़ी तादाद में महिला पुरुष उपस्थित थे।

नया सवेरा नया उजाला के तत्वावधान में बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

शौर्या की टीम ने गुरजीत सिंह टीम को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत मुख्य बाजार स्थित बस स्टैंड बैंक के पीछे गढ़ परिसर में नया सवेरा, नया उजाला सीजन 03 के तत्वाधान में बैडमिंटन टूर्नामेंट का सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेला गया।

फाइनल के महामुकाबले में गुरजीत सिंह के टीम को टक्कर देते हुए शौर्य नरेंद्र, की टीम ने दो सेटो से हराकर खिताब पर कब्जा किया। मैच समापन के पश्चात स्थानीय अंचल सीओ के कर कमलों द्वारा मैन ऑफ द सीरीज शौर्य सोनी तथा मैन ऑफ द मैच नरेंद्र कुमार को दिया गया। वहीं डाल्टनगंज के शौर्य, नरेंद्र की विजेता टीम को बड़ा कप और नगद 11000 रुपये तथा उपविजेता टीम को छोटा कप तथा 5100 रुपया दिया गया। वहीं स्थानीय अंचलाधिकारी प्रमोद कुमार ने अभिभाषण में कहा कि इस क्षेत्र के युवाओं में खेल प्रेम की जज्बा बहुत है यदि इन्हें अच्छा प्लेटफार्म मिले तो स्टेट ही नहीं बल्कि देश स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। वहीं बैडमिंटन टूर्नामेंट के आयोजक मारुति नंदन सोनी के द्वारा प्लेग्राउंड मांग किया गया। अंचलाधिकारी ने बहुत ही विनम्रता भाव से कहा कि मैं इस क्षेत्र के लिए प्लेग्राउंड के बारे में सरकार से बात रखूंगा। सरकार का आदेश होगा, तो मैं बहुत जल्द भूमि चिन्हित कर प्लेग्राउंड बनवाने का काम करूंगा। मौके राधा कृष्ण मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री बाबा केशव नारायण दास, थाना के पदाधिकारी संजय कुमार मुंडा, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष एसएन त्रिपाठी, बिरजू सिंह, व्यवस्था रिंकू तिवारी, पप्पू, चंदन, गायत्री परिवार के नागेंद्र, वीरेंद्र सोनी, बिरेंद्र पाठक तथा सैकड़ों सैकड़ो खेल प्रेमी उपस्थित थे।

एसडीओ ने अनुमंडलीय पुस्तकालय का किया औचक निरीक्षण

अध्यनरत छात्र-छात्राओं की समस्याएं सुनीं, समाधान का आश्वासन दिया

पुस्तकालय के संचालन के लिए स्थानीय लोगों की संरक्षक समिति शीघ्र

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने अनुमंडलीय पुस्तकालय का औचक निरीक्षण किया। जहां उन्होंने अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा पुस्तकालय प्रबंधन से जुड़ी छोटी-मोटी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाया।

100 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्यनरत मिले : एसडीओ के भ्रमण के दौरान पुस्तकालय में 100 से अधिक छात्र-छात्रायें शांतिपूर्वक अध्ययन करते हुए मिले। अनुशासित तरीके से पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं की उन्होंने तारीफ की। बातचीत के क्रम में जानकारी मिली कि इनमें से ज्यादातर छात्र-छात्राएं एसएससी, बैंकिंग, लोक सेवा आयोग आदि की तैयारी कर रहे हैं।

अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकों तथा पत्रिकाओं की रखी मांग : अध्ययनरत विद्यार्थियों ने एसडीओ को बताया कि यहां पर हिंदी माध्यम की प्रतियोगी पुस्तकें तथा दोनों भाषा के समाचार पत्र उपलब्ध है, किंतु अंग्रेजी माध्यम की पुस्तकें तथा समसामयिक करंट अफेयर की पत्रिकाएं भी अगर उपलब्ध हो जाएं तो बहुत अच्छा होगा। इस पर एसडीओ ने शीघ्र उपलब्धता का आश्वासन दिया।

पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग : प्रतियोगी छात्रों ने एसडीओ संजय कुमार को बताया कि यहां पर पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें घर से बोतलों में पानी लाना पड़ता है, साथ ही बताया कि साफ सफाई विशेष कर शौचालय की नियमित सफाई न होने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। इस पर एसडीओ ने बहुत जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

वाई-फाई को करवाया रिचार्ज : निरीक्षण के क्रम में बच्चों ने संजय कुमार को बताया कि पुस्तकालय का वाई-फाई रिचार्ज नहीं है, जिससे उन्हें अपने मोबाइल का डेटा उपयोग करना पड़ रहा है, इस पर अविलंब कार्रवाई करते हुए एसडीओ ने पुस्तकालय के दोनों वाई-फाई रिचार्ज करवा दिये। साथ ही इस संबंध में उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को फोन पर निर्देश दिया कि हर महीने वे स्वयं सुनिश्चित कर लेंगे कि पुस्तकालय में दोनों तलों पर वाई-फाई काम कर रहे हों।

पुस्तकालय के सुचारू संचालन के लिए स्थानीय लोगों को भी जोड़ने की होगी कवायद : संजय कुमार ने कहा कि यह पुस्तकालय अनुमंडल क्षेत्र का प्रतिष्ठित पुस्तकालय है। इसे सुचारु रूप से संचालित करने में स्थानीय सक्षम लोगों की भी मदद ली जायेगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी अपील की कि यहां पर पढ़ने वाले बच्चे उन्हीं के बीच के और उन्हीं के परिवारों से हैं। इसलिए वे लोग न केवल पुस्तकालय के संचालन की बीच-बीच में देखरेख करते रहें बल्कि कभी-कभी प्रतियोगी अभ्यर्थियों की जरूरत वाली पुस्तकें, पत्रिकाएं आदि भी यथाशक्ति दान करने के लिए आगे आयें।

पुस्तकालय संचालन समिति के लिए होगा प्रयास : एसडीओ ने कहा कि पदाधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से पुस्तकालय संचालन समिति बनाने की उनकी कार्य योजना है, इसको लेकर जल्द ही वे उपायुक्त के स्तर से अनुमति लेकर एक बैठक का आयोजन करेंगे।

पुस्तकालय कर्मियों को निर्देश, छात्र-छात्राओं को टिप्स और सुझाव : उन्होंने इस भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें विभिन्न ऑनलाइन कंटेंट प्लेटफॉर्म्स तथा सरकारी शैक्षणिक वेब पोर्टलों की जानकारी दी। वहीं दूसरी ओर पुस्तकालय कर्मियों के साथ अलग से संक्षिप्त बैठक कर उन्हे आवश्यक निर्देश भी दिये। इस दौरान अजय केसरी, मकसूद अंसारी आदि के अलावा लगभग 100 से अधिक प्रतियोगी छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in

रोहिणी अस्पताल को स्थानांतरित करने के विरोध में धरना-प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। रोहिणी सीसीएल अस्पताल को दूसरे जगह स्थानांतरित किये जाने के विरोध में गुरुवार को रोहिणी डिस्पेंसरी के समक्ष दिन धरना प्रदर्शन किया गया। धरना को संबोधित करते हुए मुखिया संतोष कुमार महली ने कहा यह अस्पताल तुमांग पंचायत सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए चिकित्सा के लिए एक वरदान साबित होता था, लेकिन अभी रोहिणी कार्यालय को अस्पताल में शिफ्ट कर दोनो को एक साथ संचालित किया जा रहा है साथ ही अब अस्पताल को ही दूसरे जगह स्थान्तरित शिफ्ट करने की तैयारी चल रहा है। जिसे तत्काल प्रबंधन रोक लगाने का काम करे। नहीं तो कॉलोनी और ग्रामीण जनता जोरदार आंदोलन करेंगे। धमधमिया के शंकर सिंह ने कहा कि रोहिणी अस्पताल को वर्तमान जगह से दूसरे जगह ले जाया जा रहा है जिससे लोगो को काफी परेशानी होगी। प्रबंधन को कॉलोनी और आसपास के ग्रामीणो की समस्या को देखते हुए अस्पताल को दूसरे जगह शिफ्ट करने के लिए एक बार सोचना चाहिए। साथ ही अस्पताल में अभी रोहिणी परियोजना का ऑफिस भी शिफ्ट कर दिया गया है, जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को इलाज के लिए काफी परेशानी होती है। यही नहीं डॉक्टर के बैठने वाले कमरे के अंदर ही बगल में ही एक ऑफिस बन गया है जिससे महिला मरीजों को इलाज के लिए डॉक्टर से दिखाने में भी काफी असहज महसूस करते हैं।

इसलिए अस्पताल को इसी जगह पर रहने दिया जाय और जो अस्पताल में ऑफिस चल रहा है उसे रोहिणी कॉलोनी में शिफ्ट कर दिया जाये। गोपाल सिंह ने कहा कि रोहिणी डिस्पेंसरी इस क्षेत्र के लिए एक सहारा है और इस अस्पताल को रोहिणी कॉलोनी में शिफ्ट करने की जानकारी मिली है, जो कही से उचित नहीं है। कॉलोनी के लोगो और ग्रामीणो को इससे काफी परेशानी होगी। अभी जिस जगह पर अस्पताल चल रहा है वह सबके लिए उपयुक्त स्थान है जहां सबको आवागमन में सुविधा है। प्रदर्शन में गोपाल सिंह, शंकर सिंह, राजेंद्र लोहरा, गणेश मोदी, जीतू बाउरी, सुमित ,आशीष यादव, राजेश वर्मा, सुनील पासवान, मुरारी रजक, अंकित कुमार, सोनू खान, धर्मेंद्र पासवान सहित कई लोग शामिल थे

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने किया सीसीएल पिपरवार क्षेत्र का दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। झारखंड के पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने गुरुवार को सीसीएल पिपरवार क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान बचरा पहुंचने पर स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका जोरदार स्वागत किया। जिसके बाद पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बचरा पंचवटी सभागार में बैठक की। इस बैठक में पार्टी को मजबूत बनाने सहित कई बातों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर पार्टी के उदेश्य और सिद्धांत से आम लोगों को अवगत कराने एवं झारखंड में महागठबंधन सरकार के द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता ने प्रचंड बहुमत के साथ महागठबंधन की सरकार बनाने का काम किया है। वही चुनाव के वक्त महागठबंधन के द्वारा जो वादा किया गया था उसे पूरा किया जा रहा है। बड़कागांव विधानसभा सीट से इस बार मिली हार पर उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर अंबा प्रसाद की हार से आम जनता में मायूसी देखी जा रही है। पिछले 15 वर्षो तक बड़कागांव विधानसभा की सीट कांग्रेस पार्टी के पक्ष में रही और 15 वर्षों तक बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के आम जनता के हक और अधिकार के लिए काम किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होती है और इस बार विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की है। उनका मनोबल बढ़ाने के लिए वह सभी क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। इस मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र गुप्ता, कांग्रेस पार्टी के चतरा जिला महासचिव अब्दुल कूदूस, राजेश कुमार सिंह, सुभाष साव, बल्लु सिंह, राजकिशोर प्रसाद, तेजनाथ महतो, बालेश्वर बेदिया, संजीव साव, देवानंद प्रसाद, बारीक अंसारी, शिवनारायण यादव, अमित गुप्ता, प्रकाश करमाली, मोहम्मद शराफत सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

आराडीह जंगली क्षेत्र में 12 एकड़ भूमि पर लगी अफीम की खेती को किया नष्ट

बुंडू (आजाद सिपाही)। पुलिस ने गुरुवार को बुंडू थाना क्षेत्र के आराडीह स्थित जंगली क्षेत्र में लगभग 12 एकड़ भूमि पर अफीम की खेती को नष्ट किया गया। इस अभियान में बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश, बुंडू थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा, प्रेम प्रदीप कुमार, राहुल कुमार मेहता, अनिल कुमार मोहली, सिरिल संगा के अलावे जैप और सैप के जवान शामिल थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो ने बताया कि शनिवार को सड़क सुरक्षा माह एक से 31 जनवरी के तहत एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित कर जागरुकता अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि खेल ईचागढ़ प्रखंड के नवनिर्मित स्टेडियम में चार दलों के बीच खेला जायेगा। खेल में मुख्य अतिथि के रूप से ईचागढ़ विधायक सविता महतो और जिला, अनुमंडल और प्रखंड के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर ने बताया कि सड़क सुरक्षा अभियान का मुख्य उद्देश्य आये दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। लोग सड़क सुरक्षा मानकों को नहीं अपना रहे हैं, नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत लोगों से वाहन धीरे चलाने, नशा का सेवन कर गाड़ी न चलाने सहित हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की अपील किया।

हितजारा गांव में हाथियों ने चहारदीवारी गिरायी, आलू की फसल नष्ट की

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के हितजारा गांव में बुधवार रात हाथियों के झुंड ने गांव के विद्याधर महतो के चहारदीवारी गिरा कर आलू के फसल को मन भर खाया और नष्ट किया है। किसान का 50 हजार से अधिक का नुकसान होने का अनुमान है। हाथियों का झुंड गांव के पास बांस वन में जमे हुए है। किसानों ने वन विभाग से हाथियों को भागने की मांग किया है।

ठुंगरूडीह गांव में डालसा ने जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ठुंगरूडीह गांव में डालसा के द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का अयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में एलएडीसी अधिवक्ता कविता खाती, पीएलवी कपिलदेव प्रसाद, रामेश्वर चौधरी, कुमारी इंदू देवी, अखीराज महतो एवं राजा उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा, रांची के एलएडीसी अधिवक्ता कविता खाती ने लोगों को 'फ्री लिगल एड' निःशुल्क विधिक सहायात के बारे में बताया। उन्होंने मोटर वाहन दुर्घटना में मुआवजा प्राप्त करने की भी जानकारी साझा की। बाल विवाह, बाल मजदूरी, शिक्षा के अधिकार और इसके प्रोविजन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने आगामी 22 फरवरी को आयोजित होनेवाले विवाह और चेक अनादरण से संबंधित विशेष लोक अदालत की जानकारी दी। मौके पर उपस्थित लोगों को कानूनी संबंधी पुस्तिका और पम्पलेट, लीफलेट लोगों के बीच बांटे गये और सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के बारे में बताया गया।

विराट सूर्य टुसू पर्व के अवसर पर गलऊ पंचायत में मेला आयोजित किया गया

सोनाहातु (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के गलऊ पंचायत अंतर्गत विराट सूर्य टुसू पर्व के अवसर पर एक भव्य मेला आयोजित किया गया। इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों, बूढ़ों और बुजुर्गों ने उत्साह से भाग लिया। मेले में क्षेत्रीय परंपराओं और संस्कृति को जीवित रखने के उद्देश्य से विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिन्हें उपस्थित दर्शकों ने बड़े धूमधाम से सराहा। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख विक्टोरिया देवी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राधावल्लभ सिंह मुंडा, मेला संचालक दिनेश महतो और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उन्होंने मेले के आयोजन की सराहना की और इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान के लिए महत्वपूर्ण बताया।

युवा दिवस पर आयोजित पांच दिवसीय हॉकी टूर्नामेंट का भव्य समापन

अड़की (आजाद सिपाही)। 12 जनवरी, युवा दिवस के अवसर पर अड़की प्रखंड क्षेत्र के बोहंडा मैदान में शुरू हुए पांच दिवसीय हॉकी टूर्नामेंट का समापन 16 जनवरी को हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 76 टीमों ने हिस्सा लिया, जो क्षेत्र में खेल भावना और युवा ऊर्जा का अद्भुत प्रदर्शन था। फाइनल मुकाबले में केजी बॉयज कटुई ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि लागरू चालमा को उपविजेता का स्थान मिला। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई। अतिथि में चंद्र सहाय शोले, मुखिया गीता समद मौजुद रही। मौके पर रतन मुंडा, जसवंत हेमरम, दनयाल हेमरम, पांडु मुंडा, और गीता समद आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे

विधायक ने तोरपा के सुंदारी गांव में पुल निर्माण का किया शिलान्यास

निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखनेवाले अधिकारी और संवेदक पर होगी कार्रवाईः सुदीप गुड़िया

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने कहा कि तोरपा को आदर्श विधानसभा बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। विधायक गुरुवार को तोरपा प्रखंड के सुंदारी में लगभग चार करोड़ रुपये की लगात से बनने वाले पांच स्पेन पुल का शिलान्यास करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। सुदीप गुड़िया ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा, आप सबों की भी जिम्मेवारी है कि आप गुणवत्ता की निगरानी करें। जो संवेदक और सरकारी अधिकारी निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ख्याल नहीं रखेंगे, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। झामुमो कार्यकर्ता भी काम का निरीक्षण करें। विधायक ने कहा कि जनता ने जिस उम्मीद के साथ उन्हें विधायक बनाया है, मेरा पूरा प्रयास है कि उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूं। उन्होंने कहा कि हम सब मिल कर क्षेत्र के आर्थिक सशक्तीकरण का काम करेंगे। सुदीप गुड़िया ने कहा कि मैं आपका बेटा, आपका भाई हूं। जनता की सेवा में 24 घंटे उपलब्ध हूं। उन्होंने कहा कि ग्रामसभा को सशक्त करेंग। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड के लोगों को मान-सम्मान देने का काम कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि दलाल किस्म के लोगों से सावधान रहें। कई जनप्रतिनिधि समाज को बांटने का काम करते हैं, उनको पहचानने की जरूरत है।

जन जनकल्याणकारी योजना का लाभ लेने का प्रयास करें : जुबैर अहमद

शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो के जिलाध्यक्ष और जिला बीस सूत्री कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि जागरूक होकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें और और कोई शिकायत हो तो इसकी जानकारी झामुमो कार्यकर्ताओं को दे। कार्यक्रम को जिला परिषद सदस्य सुशांति कोंगाड़ी सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष रूबेन टोपनो और धन्यवाद ज्ञापन अमृत हेमरोम ने किया। मौके पर झामुमो नेता प्रदीप केसरी, राहुल केसरी, सुकुमार लिंडा, बुधराम कंडुलना, मोजीर अंसारी, पूरेंद्र मांझी, देवनाथ माधैया, उदय चौधरी, बिनोद उरांव, हुसरु भेंगरा, बीरेंद्र सिंह कमलेश महतो, अभिमन्यु कुमार, सहिंन्द्र महतो, कुलदीप महतो, मुकेश सिंह, एतवा भगत, सुहैल अंसारी, फूल अहमद, जेम्स आईंद, नयन आईंद आदि उपस्थित थे।

क्वीन ऑफ अर्थ अभिजन कंडुलना को विधायक ने किया सम्मानित

खूंटी (आजाद सिपाही)। स्थानीय सेंट मेरिज नर्सिंग स्कूल कैंपस में गुरुवार को ग्लोबल ट्राइबल क्वीन ऑफ अर्थ 2025 का खिताब जीतने वाली और खूंटी के कुंजला की रहने वाली अभिजल कंडुलना को खूंटी के विधायक राम सूर्या मुंडा ने स्वागत किया। मौके पर ग्लोबल ट्राइबल ब्यूटी क्वीन ने नर्सिंग छात्राओं और खूंटी वासियों को संदेश देते हुए कहा कि दुनिया में असंभव कोई भी चीज नहीं है। इस अवसर पर नर्सिंग टयूटर इनचार्ज एंजिल कोनगाड़ी, सोनाली कुमारी, संजीता होरो, हंसिल आईंद, जोनसन होरो, चार्ल्स पहान, लोदरोथ पूर्ति, जितेन सोय, नेल्सन हेरेंज, सुनील आईंद आदि उपस्थित थे।

कोंचो हरिहर मेला में उमड़ी भीड़

सिल्ली (आजाद सिपाही)। कोंचो स्वर्णरेखा नदी तट पर गुरुवार को हरिहर मेला में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। जहां लोग गाजे-बाजे के साथ नाचते गाते मेला स्थल पर पहुंचे। वहीं मेले में पहुंचे लोगों ने मेला परिसर स्थित भगवान विष्णु, शिव, राम गणेश और काली मंदिरों में पूजा-अर्चना की। आसपास के विभिन्न गांवों से महिला मंडली के दल टुसू गीत गाते हुए मेला परिसर पहुंचे और स्वर्णरेखा नदी में टुसू को विसर्जित भी किया। बच्चों ने मेले परिसर में लगे झूले, ब्रेक डांस आदि का आनंद लिया। वहीं महिलाओं ने घरेलू समानों की खरीदारी की। महिलाओं और बच्चों ने चाट, फुचका, चाउमीन, बादाम, मटर आदि का आनंद लिया। मेला समिति की ओर से टुसू (चौड़ल) प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। मेले के सफल आयोजन में शरत कुमार महतो, सुनील सिंह, सूर्य नारायण महतो, विनोद महतो, रास रंजन महतो, लक्ष्मण महतो, संतोष महतो, समीर ठाकुर आदि मेला कमेटी के सदस्य समेत ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

मेले में पहुंचे विधायक अमित कुमार महतो और पूर्व विधायक सीमा महतो

सिल्ली (आजाद सिपाही)। हरिहर मेला में सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो, कुरमाली भाषा परिषद के अध्यक्ष डॉ राजा राम महतो, पुर्व विधायक सीमा महतो, जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्र नाथ महतो, जिप सदस्य लक्ष्मी कुमारी, मुखिया, पंसस समेत कई पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए। जहां सभी अतिथियों ने मंच से लोगों का अभिवादन किया। वहीं अतिथियों के हाथों पुरस्कार स्वरूप नगद राशि देकर टुसू प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। मंच संचालन मेला कमेटी के संरक्षक सुनील सिंह और शरत कुमार महतो ने किया।

पिपरवार क्षेत्रीय कार्यालय में हुई सीटू कार्यकर्ताओं की बैठक

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के एनसीओईए सीटू के क्षेत्रिय कार्यालय मे अमोलक्कांत मिश्रा की अध्यक्षता में एक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सीटों के क्षेत्रीय और केंद्रीय सचिव इस्लाम अंसारी मौजूद थे। बैठक में आगामी 28 मार्च से रांची के सीएमपीडीआइ में ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन के द्वारा होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसके अलावा बैठक में कोयला मजदूरों की कई समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी, जिसमे मुख्य रूप से स्वच्छ पीने का पानी, बिजली, सड़क, आवास मरम्मत, कल्याणकारी योजना, चिकित्सा, रिटायर कर्मियों को ग्रेच्युटी, सीएमपीएफ, मृत कर्मचारियों के आश्रितों को पीएफ, ग्रेच्युटी,नौकरी सहित कई ज्वलंत समस्याओं पर चर्चा की गयी। इसके अलावा पिपरवार क्षेत्र के ग्रामीण विस्थापित रैयतो की लंबित नौकरी, मुआवजा और पूर्नवास केंद्र में बुनियादी सुविधा बहाल करने पर चर्चा की गयी। मजदूर के अलावा ग्रामीण रैयतो का काम नहीं हो रहा है, जिससे लोग परेशान हैं। बैठक में इस्लाम अंसारी, एके मिश्रा, हैदर अली, गुरूदयाल सिंह, समसूल होदा, इम्तियाज अंसारी, विनोद कुमार, राजेश मुंडा, मोहम्मद जुल्फान, रियाज अंसारी, राम मुरमू, इकबाल सिंह, भुनेश्वर उरांव, सुरेंद्र दास, रुखसार आलम, काशीनाथ मिस्त्री, मोहम्मद फारूक, अर्जुन सिंह, बरजु गंझु, बालेश्वर, कुलवंत कौर, अमन कुमार, मोहम्मद इमरान सहित सभी शाखा के यूनियन पदाधिकारी मौजूद थे ।

खूंटी के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का निःशुल्क वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। प्रखंड सह अंचल कार्यालय खूंटी परिसर में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी खूंटी ज्योति कुमारी की अध्यक्षता में प्रखंड प्रमुख छोटराय मुंडा, उप प्रमुख शांति देवी, जिला परिषद सदस्य गुलशन मुंडा, सुशील सांगा, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार द्वारा द्वारा निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। खूंटी प्रखंड में वितीय वर्ष 2024-25 में बालकों को 494 और बालिका को 518 कुल 1012 साइकिलों का वितरण होना है। साइकिल वितरण समारोह मे मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय खूंटी (राजकीय हिंदी मध्य विद्यालय खूंटी) बालक 40 बालिका 33 कुल 73, मॉडल स्कूल खूंटी के बालक 19 कुल 92 साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिल वितरण कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी जय कुमार राम, अनिता लकड़ा, रघुनाथ महतो, जवाहरलाल प्रसाद, आदि का योगदान रहा।

डेगाडेगी मेला समिति की हुई समीक्षा बैठक

मैकलुस्कीगंज (आजाद सिपाही)। मैकलुस्कीगंज के डेगाडेगी स्थल को विकसित करने और इसके सुंदरीकरण को लेकर मेला समिति सकारात्मक पहल करेंगी। इसको लेकर जोभीया में डेगाडेगी मेला समिति की समीक्षा बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता मुखिया पुतुल देवी ने किया। बैठक में मेला को लेकर आय व्यय को लेकर चर्चा की गयी। साथ ही निर्णय लिया गया कि मेला समिति का हर माह बैठक किया जायेगा। बैठक में मुखिया सुनीता देवी, जितेंद्रनाथ पांडेय, शशि प्रसाद साहू, महादेव राणा, रामविलास गोप, सुशील उरांव, रामेश्वर गंझु, हरेंद्र उरांव।

कामरेड राम साहू का निधन, माकपा और किसान सभा ने दी श्रद्धांजलि

मुरी (आजाद सिपाही)। माकपा के वरीय सदस्य सह किसान सभा के नेता कामरेड राम साहु 50 वर्ष के हार्ट एटेक से मौत हो गयी। शोक की लहर चारों ओर फैल गयी। कामरेड राम साहु के विशाल शवयात्रा में माकपा झारखंड राज्य राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो अमर महली, अरूण महतो, बद्री नारायण साहू, संतोष कुम्हार, सदानंद सोनार, रबि सोनार, शशि शंकर सोनार, हिरा साहु, कमल साहु, सुधीर साहु सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए। स्वर्ण रेखा नदी तट पर दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि देने के साथ दाह संस्कार किया गया। सुफल महतो ने कहा कामरेड गत 25 वर्षों से पार्टी सदस्य, और किसान सभा के जुझारू और संघर्ष शील सदस्य रहे, पार्टी और किसान सभा के प्रति उनके योगदान को सदैव याद रखा जायेगा। इस दुःख की घड़ी में माकपा और किसान सभा उनकी पत्नीऔर एक पुत्र के प्रति गहरी संवेदना प्रगट की है।

झारखंड में मत्स्य पालन का अवलोकन करने पहुंचे हिमाचल प्रदेश के मत्स्य निदेशक

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के बाकलतोड़ीया नौका विहार स्थल के मत्स्य पालन का अवलोकन करने हिमाचल प्रदेश के मत्स्य निर्देशक विवेक चंदेल और सहायक मत्स्य निर्देशक विवेक शर्मा पहुंचे और मत्स्य पालन के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। विभिन्न प्रकार की मछली पालन, पोष्टिक आहार और लागत आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। जिला मत्स्य पदाधिकारी रौशन कुमार, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी राजकुमार तुरी ने हिमाचल प्रदेश के निर्देशक को मछली पालन के संबंध में जानकारी दिया। वहीं हिमाचल प्रदेश के निर्देशक और पदाधिकारियों ने ईचागढ़ नौका विहार से चांडिल डैम नौका विहार तक बोट से ही पहुंचे और दोनों जगहों पर मत्स्य पालन के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। हिमाचल प्रदेश के निर्देशक विवेक चंदेल ने बताया कि झारखंड में केज के माध्यम से चांडिल डैम के ईचागढ और चांडिल में मत्स्य पालन का तकनीकी का जानकारी लिया गया, और अवलोकन कर मत्स्य पालन के संभावना को हिमाचल प्रदेश में भी तलाशने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलाशयों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने से मत्स्य जीवी किसानों का आय में भी वृद्धि होगी। उन्होंने यहां के मत्स्य विभाग का सराहना भी किया। मौके पर मछली पालन समिति के गोपाल साहदेव, बाबलु लायेक, उपस्थित थे।

सोनाहातू पुलिस ने दो एकड़ में लगे पोस्ते के पौधों को नष्ट किया

आजाद सिपाही संवाददाता

सोनाहातू। रांची के एसएसपी और ग्रामीण एसपी के निदेर्शानुसार बुंडू डीएसपी द्वारा गठित टीम में सोनाहातू थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को थाना क्षेत्र के जिंतू पंचायत अंतर्गत कुड़ियामु गांव के जंगल के बीच दो एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि अवैध खेती और मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिसने पोस्ते की खेती किया है पहचान किया गया है। जल्द करवाई होगी।

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in
09

युवा पीढ़ी को आधुनिक युग में भी अपनी परंपराओं से जुड़े रहना चाहिए : विधायक

भाईचारे, खुशियां बांटने और एकजुटता का प्रतीक है टुसू पर्व : सुरेश बैठा

संस्कृति को बचा कर रखना और आनेवाली पीढ़ी को इससे जोड़ना हमारी जिम्मेदारी: राम सूर्या मुंडा

टुसू मेला सह फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

विजेताओं को सम्मानित करते खिजरी, कांके और खुंटी के विधायकगण।

नामकुम। रामपुर के जरेया स्कूल मैदान में गुरुवार को टुसू मेला सह फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में खिजरी विधायक राजेश कच्छप भी शामिल हुए। उन्होंने झारखंड की सभ्यता, संस्कृति और परंपरा के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि झारखंड को बचाने के लिए अपनी अनूठी परंपराओं को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारी संस्कृति सबसे अलग और अनूठी है। युवा पीढ़ी को आधुनिक युग में भी अपनी मूल भावना और परंपराओं से जुड़े रहना चाहिए। वहीं, कांके विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि टुसू पर्व भाईचारे, खुशियां बांटने और एकजुटता का प्रतीक है। कहा कि नामकुम प्रखंड से तीन विधानसभा का विधायक होना गर्व की बात है। जो भी समस्याएं होंगी, उन्हें मिलकर सुलझाया जाएगा। खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा ने भी संस्कृति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि इसे बचाकर रखना और आने वाली पीढ़ी को इससे जोड़ना हमारी जिम्मेदारी है। उधर, फुटबॉल प्रतियोगिता में रांची टाइगर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। जबकि उपविजेता दीपक ब्रदर्स, तृतीय स्थान पर बीएमसी एफसी और चतुर्थ स्थान पर बीटीसी एफसी रही। विजेता टीम को डेढ़ लाख रुपये, उपविजेता को एक लाख, तृतीय और चतुर्थ स्थान पर आने वाली टीम को 50-50 हजार रुपये नकद देकर पुरस्कृत किया गया। वहीं, आकर्षक टुसू चौड़ल प्रतियोगिता में अनगड़ा, पांचा और बुंडू बेड़ा की टीमों ने क्रमशः सात हजार, पांच हजार और चार हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता। रात में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस मौके पर मुखिया सरस्वती देवी, पूर्व मुखिया महादेव मुंडा, मुखिया नन्हे कच्छप, पसंस कल्याण लिंडा, चामू बेक, जॉन पीटर बागे, जीता कच्छप, गुरुसाय मुंडा, विकास मुंडा आदि उपस्थित थे।

वित्त मंत्री से मिल कर ज्ञापन सौंपा

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। झारखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष सोमा उरांव और ओरमांझी मुखिया संघ अध्यक्ष दीपक बड़ाईक ने गुरुवार को राज्य के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से मुलाकात की। इस दौरान मुखियाओं की समस्याओं से जुड़े पांच सूत्री मांग को लेकर उन्हें एक पत्र सौंपा। मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वित्त मंत्री ने आश्वस्त किया है कि मुखियाओं की समस्याओं पर सरकार बहुत जल्द निराकरण करने का प्रयास करेगी।

लापुंग में 2.5 एकड़ में लगी अफीम की अवैध फसल को पुलिस ने किया नष्ट, एक गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। थाना क्षेत्र के हुलसू पंचायत गोपालपुर में अवैध तरीके से की गई अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान करीब 2.5 एकड़ में की गयी अफीम की खेती को पुलिस ने ट्रैक्टर के रोटावेटर से जुताई कर नष्ट कर दिया। साथ ही अफीम की खेती से जुड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी कर लिया है। उसका नाम योन होरो है। जानकारी के मुताबिक गुप्त सूचना मिलने पर थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव ने जांच की। सच्चाई सामने आने के बाद पुलिस के सहयोग से छापामारी कर अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। इस अभियान में थाना प्रभारी संतोष कुमार यादव, एएसआई दिलोज हेमराम सोए, कामेश्वर चौधरी के आलावे सशस्त्र बल के जवान आदि शामिल थे।

अनगड़ा के पैका में टुसू मेला का आयोजन

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। मकर संक्रांति के अवसर पर पैका गांव में टुसू मेला का आयोजन किया गया। जिसे देखने के लिए आसपास व दूरदराज से हजारों लोग पहुंचे। इससे पूर्व मेला का उद्घाटन पंसस एमलेन खेस, उपमुखिया अंजली देवी, वार्ड सदस्य धर्मी देवी, दसवा उरांव, खिजरी विस युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र महतो, मेला समिति अध्यक्ष महावीर मुंडा आदि ने किया। इस अवसर पर देर शाम तक नागपुरी गीत संगीत का रंगारंग कार्यक्रम हुआ। जिसमें लोग जमकर झूमे नाचे। बाद में टुसू झांकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी महिला समूहों को पुरस्कृत किया गया। मौके पर मेला समिति के विष्णु महतो, गोपाल महतो, जगदीश महतो, शंकर महतो, मनोज मुंडा, राहुल मुंडा, गोबरा कच्छप, शंकर उरांव, अशोक महतो, धरमू लोहरा, प्रदीप महतो, राजू आदि मौजूद थे।

सती मेला और शिव मठ जीर्णोद्धार को लेकर बैठक

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। चिलदाग पूजा समिति की बैठक गुरुवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता पूजा समिति के अध्यक्ष रामनाथ महतो ने की। बैठक में माघ पूर्णिमा के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष चिलदाग गांव में आयोजित होने वाले सती मेला एवं शिव मठ मंदिर जीर्णोद्धार कार्य का शुभारंभ किए जाने की पूर्व तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बताया गया कि इस बार 12 फरवरी को सती मेला आयोजित होगी। वहीं शिव मठ मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य को जल्द शुरू किया जाएगा। मौके पर पूजा समिति के संयोजक राजेन्द्र मुंडा, ग्राम प्रधान श्रीनाथ मुंडा, सचिव बाबूलाल महतो, कोषाध्यक्ष रामकुमार नायक, संरक्षक गौरी महतो, किशोर महतो, रामचरण महतो, लक्ष्मण महतो, महाबीर नायक, वर्मा नायक, नरेश महतो, मगु महतो, छोटेलाल महतो, जितेन्द्र महतो, बिट्टू महतो, आकाश महतो, शनि नायक, बंटी साहू, रामजतन महतो, शिकारी महतो आदि उपस्थित थे।

ओरमांझी में गरीब-जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ओरमांझी पंचायत के मुखिया दीपक बड़ाईक और उप मुखिया संतोष गुप्ता की ओर से गांगु टोली में गरीब, वृद्ध व असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस मौके पर वार्ड सदस्य मनी देवी भी उपस्थित थी।

चोरी की गाड़ी के साथ युवक गिरफ्तार

चान्हो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम जांच के दौरान शीलागई निवासी शुभम भगत नामक युवक को पुलिस ने रोका। उससे वाहन संबंधित कागजात मांगे तो वह दिखा नहीं सका। इसके बाद पुलिस उसे थाना ले गई। जांच के बाद पता चला की गाड़ी चोरी की है। इसके बाद पुलिस ने युवक को तुरंत गिरफ्तार कर लिया और मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में रांची भेज दिया।

साल्हन का प्रसिद्ध भगत टुसू मेला आज

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के साल्हन गांव में प्रत्येक वर्ष लगने वाला 36वां भगत टुसू मेला शुक्रवार को आयोजित होने जा रहा है। इस अवसर पर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता, टुसू झांकी, नागपुरी ऑर्केस्ट्रा सहित कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ के अलावा राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू भी होंगे। इसकी जानकारी मेला समिति के संयोजक डॉ रिझू नायक ने दी है।

महाकवि घासीराम महली की जयंती सह मेला में मुख्यमंत्री और मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के शामिल होने की संभावना

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के करकट गांव में शुक्रवार को महाकवि घासीराम महली की जयंती सह मेला आयोजित होगा। इसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भी शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा राज्य की कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की भी शामिल होंगी। यह मेला प्रति वर्ष महाकवि घासीराम महली के जन्मदिन पर 17 जनवरी को लगता है। मेला को लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है। घासीराम माली स्मारक समिति के अध्यक्ष मकेश्वर महली ने बताया कि इस मेले में नागपुरी जगत के जाने-माने साहित्यकार, कलाकार और नागपुरी भाषा प्रेमी उपस्थित होते हैं। यहां झारखंड के अलावे दूसरे राज्यों से भी लोग आते हैं। इस मौके पर महली समाज में उल्लेखनीय कार्य करने वाले हस्तियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। जिसमें नायक टोली, हटिया निवासी महावीर नायक जो कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकार हैं। इनकी झारखंड दर्पण और गीत झोपा नामक दो पुस्तकें प्रकाशित हुई है। साथ ही ईटा, सिठियो, लोहरदगा निवासी गोविंद शरण लोहरा है। जो नागपुरी के वरिष्ठ गायक हैं। उन्होंने लगभग 450 गीतों को रचा हैं। उन्हें अधरतिया राग सम्राट भी कहा जाता था। अधरतिया राग सम्राट गोविंद शरण लोहारा नामक पुस्तक में इनके 250 गीतों को राम कुमार ने संकलित किया है। पकरियो, चान्हों निवासी अशोक बाघवार की पुत्री उन्नति बाघवार भी है। जो राइफल शूटिंग में राज्यस्तरीय 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग 2024 में तीनों आयु वर्गों (14, 17, 19) में 3 स्वर्ण पदक, सीबीएसई जोनल 2024 में दो पदक (एक स्वर्ण व एक कास्य), डीएवी क्लस्टर व जोनल 2024 में एक-एक स्वर्ण पदक और डीएवी नेशनल 2024 टीम में स्वर्ण पदक विजेता हैं।

कौन थे घासीराम महली

घासीराम महली का जन्म चान्हो प्रखंड के करकट में 17 जनवरी 1859 को भादो राम महली और नोनी महली के घर हुआ था। ये ठाकुरगांव के नागवंशी लाल ठाकुर के संरक्षण में कवि थे। इनकी मृत्यु 1937 को हुई। पेशा से पोस्टमास्टर थे। लेकिन एक कवि के रूप में प्रसिद्ध हुए। इनके द्वारा रचित नागपुरी फाग शतक काफी प्रसिद्ध रचना है। इसके अलावा नाग वंशावली, झूमर बारहमासा, विवाह परीछन, दुर्गा सप्तशती, सीता स्वयंवर, ललना रंजना, चंडी पुराण, राम जन्म, सुदामा चरित्र, सुंदरकांड, उषा हरण,नागपुरी फगुआ गीत, शिव स्तुति, चंडी पुराण आदि इनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं।

लापुंग प्रखंड परिसर में चलाया सफाई अभियान

लापुंग (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को बीडीओ उषा मिंज की अध्यक्षता में सफाई अभियान चलाया गया। इसमें प्रखंड परिसर पुटूस झाड़ी व झुरपुट को कुल्हाड़ी, दौली व हसुवा से सफाई की गयी। इसमें जेएसएलपीएस के बीपीएम सविता सांगा व महिला मंडल के अलावे प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो इम्तियाज, साकेत कुमार गिरी, परवीन पिटार एक्का, बसंत साहू, सत्यनारायण सिंह, गोपाल बढ़ाकर, गंदूरा उरांव, विनोद कुमार, रतन साहू और सौरभ महतो आदि ने भाग लिया।

बंधु तिर्की ने की चान्हो में होनेवाली प्रमंडल स्तरीय कृषि मेला की तैयारियों की समीक्षा

चान्हो (आजाद सिपाही)। सिलगाई पंचायत अंतर्गत शहीद वीर बुधु भगत स्मारक स्थल के झकरा कुंबा भवन में प्रखंड के कृषि विभाग की जरूरी बैठक हुई। जिसमें प्रखंड के प्रभारी कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, प्रखंड के सभी जनसेवक, कृषक मित्र एवं जेएसएलपीएस के बीपीएम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में कृषि मेला के सफल आयोजन और अधिक से अधिक किसानों के भाग लेने को लेकर विस्तृत परिचर्चा हुई। इस परिचर्चा में राज्य के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की भी शामिल हुए। उन्होंने प्रमंडल स्तरीय कृषि मेला की तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही सभी पदाधिकारियों, जनसेवकों और कृषक मित्रों को कृषि मेला के सफल आयोजन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिया। बैठक में चान्हो प्रखंड अध्यक्ष मो इस्तेयाक, मेंगल्सवर उरांव, अजीत सिंह, अब्दुल्लाह अंसारी, इरशाद खान, मोरहा उरांव, संतोष उरांव, महादेव भगत और किशोर भगत आदि उपस्थित थे।

सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए मिलन समारोह आवश्यक: कार्तिक केसरी

पिस्कानगडी (आजाद सिपाही)। रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के तत्वाधान 16 फरवरी को आयोजित होने वाले 10वें वैवाहिक परिचय सह पारिवारिक मिलन समारोह को लेकर गुरुवार को जगन्नाथपुर स्थित नीलाद्री भवन में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला वैश्य सभा के अध्यक्ष कार्तिक केशरी व संचालन महामंत्री मनीष केशरी ने किया। इसमें कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी एवं रांची जिलों में जनसंपर्क के लिए कार्य समिति का गठन किया गया। जिला अध्यक्ष कार्तिक केसरी ने कहा कि समाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए मिलन समारोह आवश्यक है। हमें आपसी तालमेल से मिलन समारोह को सफल बनाना है। इसके लिए जल्द ही गांव-गांव का दौरा कर वहां की स्थानीय कमेटी व लोगों के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। इसके प्रचार प्रसार के लिए सभी सदस्यों ने सहामूहिक रूप से प्रचार पट्टिका पंपलेट का विमोचन किया। बैठक में तपश्वेर केशरी, राजेंद्र केशरी, दौलत राम केशरी, सीताराम केशरी, अनिल केशरी, मोहन साहू, राधेश्याम केशरी, विनोद केशरी, मनोज केशरी, सुमित केशरी, रवि कुमार केशरी ,अंश कुमार केशरी, सुनील केशरी, राहुल केशरी आदि उपस्थित थे।

इटकी में वक्फ बिल संसोधन के विरोध में मुस्लिम अधिकार मंच की हुई बैठक

इटकी (आजाद सिपाही)। इटकी के त्रिविधां चौक स्थित मदीना मैरेज हॉल में गुरुवार को मुस्लीम अधिकार मंच के तत्वावधान में वक्फ बिल संसोधन के विरोध में बैठक की गयी। जिसमें 9 फरवरी को इटकी के कुंदी मैदान में महा सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुस्लीम अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष अफसर इमाम ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए सरकार की वक्फ बिल संसोधन की सोच का मुसलमान कड़ा विरोध करता है। हम किसी भी हाल में संसोधन बिल वर्दास्त नहीं करेंगें। इसके खिलाफ नौ फरवरी को इटकी कुन्दी मैदान में मुस्लिम अधिकार मंच की ओर से महा सम्मेलन किया जाएगा। उन्होंने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी लोगों को कामकाज चोड़कर शामिल होने का आह्वान किया है। बैठक में मौलाना अंसार नदवी, मुर्तेजा आलम, आजम अंसारी, मोहम्मद कमालुद्दीन के अलावा अब्दुल रशीद, सैयद अंसारी, हाजी मोइनुद्दीन सहित बेड़ो, इटकी, मांडर, चान्हो, नगड़ी और रांची के दर्जनों उलेमा उपस्थित थे।

आरबी फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित

गठबंधन सरकार हमेशा गरीब-जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर है : दीपिका पांडेय सिंह

आजाद सिपराही संवाददाता

नामकुम। नामकुम रेलवे स्टेशन स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में गुरुवार को आरबी पांडेय मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से अभिनंदन सह कंबल वितरण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह समाजसेवी रमेश पांडेय ने किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह भी उपस्थित रहीं। फाउंडेशन की ओर से उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने सैकड़ों जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरित किया। कहा कि हमारी सरकार हमेशा गरीब और जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर है। महागठबंधन सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत की है। जिसमें सर्वजन पेंशन योजना, ग्रीन राशन कार्ड, मंईयां सम्मान योजना, बिजली और कृषि बिल माफी और बच्चियों के लिए स्कॉलरशिप आदि शामिल है। राज्य की हेमंत सरकार ने उन बच्चों के लिए भी योजनाएं बनाई हैं, जो विदेश में पढ़ाई करना चाहते है। वहीं, रमेश पांडेय ने कहा कि फाउंडेशन हमेशा असहाय और जरूरतमंद लोगों की मदद में तत्पर रहता है। कहा कि ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंदों को कंबल देना एक छोटा सा प्रयास है, लेकिन यह मानवता की सच्ची सेवा है। इस मौके पर विनय सिंह, अखिलेश सिंह, आत्मानंद पांडेय, रामकुमार यादव, अविनाश सिन्हा, सिकंदर ठाकुर, बिक्की सिंह, सिता मुंडा, बब्लू मुंडा, सुनील यादव, प्रेम सिंह आदि उपस्थित थे।

छोटा हुंडरू शिवधाम जलप्रपात तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों ने श्रमदान कर बनायी सड़क

सिकिदीरी (आजाद सिपाही)। टाटी एवं सुरसू पंचायत की सीमा पर स्थित छोटा हुंडरु शिवधाम जलप्रपात सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र हो सकता है। लेकिन यहां तक पहुंचने का मार्ग नहीं होने के कारण यह जलप्रपात सैलानियों से अपरिचित रहा है। इसे देखते हुए उस क्षेत्र के ग्रामीणों ने खुद ही फॉल तक जाने के लिए बड़का गढा से जलप्रपात तक लगभग एक किलोमीटर सड़क श्रमदान कर बना दिया है। अब पर्यटक फॉल तक असानी से गाड़ी लेकर जा सकते हैं। यह प्रसंसनीय कार्य करने में सूधू बेदिया, पूर्व पंसस समिति टाटी, रामसिंह मुंडा, छुटू मुंडा, दिगे बेदिया, बिनेश बेदिया, करमसिंह बेदिया, महेन्द्र बेदिया, सोमरा बेदिया, लखीचरण बेदिया, शोभा बेदिया, राजेन्द्र बेदिया, शिवेशर बेदिया, रमेश बेदिया, सुकूवा बेदिया, दसरथ बेदिया, दशैया बेदिया, रविलाल बेदिया, मोहन मुंडा, संजय मुंडा, वासुदेव मुंडा, मिहिर मुंडा, बिरसाय बेदिया आदि का अहम योगदान रहा।

राजनीति से संन्यास लेने की बात भ्रामक : रामचंद्र चंद्रवंशी

पार्टी तय करेगी मेरा राजनीतिक भविष्य

आजाद सिपाही संवाददाता

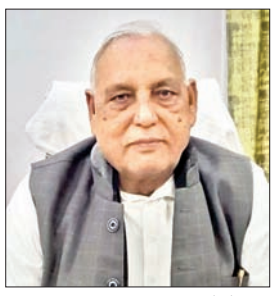

रामचंद्र चंद्रवंशी की फाइल फोटो।

विश्रामपुर/पलामू। राज्य के पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी ने सक्रिय राजनीत से संन्यास लेने की खबरों को भ्रामक बताया है। गुरुवार को विश्रामपुर के नावाडीह कला स्थित आरसीआइटी कॉलेज सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी बातों को गलत तरीके से समझा गया और उसे तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया है। मैं एक अनुशासित पार्टी कार्यकर्ता हूं। पार्टी का आदेश ही मेरे लिए सर्वोपरि है। मेरा राजनीतिक भविष्य पार्टी नेतृत्व तय करेगा। पार्टी के दिशा निर्देशों का पालन करूंगा। अगर पार्टी ने चुनाव लड़ने का आदेश दिया तो चुनाव भी लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि अफवाह फैलने के कारण मेरे सैकड़ों कार्यकर्ता आहत हैं। सभी मुझसे मिले और अपनी भावनाएं व्यक्त की। मैं कार्यकर्ताओं व समर्थकों को आश्वस्त करता हूं कि हमेशा आपके साथ खड़ा हूं। आप ही के बल पर चार बार विधायक बना और दो बार मंत्री बना हूं। कार्यकर्ता ही मेरी राजनीतिक शक्ति हैं। उनके बिना मेरा राजनीतिक जीवन अधूरा है। कभी किसी कारण मैं व्यक्तिगत रूप से नहीं पहुंच पाया तो मेरे पुत्र डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी हर परिस्थित में आपके साथ खड़े रहेंगे। वे भी मेरी तरह ही आपकी भावनाओं और समर्थन का पूरा सम्मान करेंगे। कहा कि मेरा उद्देश्य पार्टी और कार्यकर्ताओं के सम्मान की रक्षा करना रहा है। मेरा पूरा ध्यान पार्टी के अनुशासन व कार्यकर्ताओं के समर्थन पर रहा है। इसलिए गलतफहमियों को पीछे छोड़ते हुए पार्टी व समाज की सेवा में जुटे रहना है।

कांग्रेसियों ने विश्रामपुर में चलाया संविधान अभियान, निकाली रैली

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू जिला कांग्रेस की ओर से गुरुवार को विश्रामपुर प्रखंड मुख्यालय में जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान चलाया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला गुड्डु ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्रामपुर थाना चौक स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। जिसके बाद कांग्रेसियों ने एक रैली भी निकाली। कांग्रेस जिला अध्यक्ष जैश रंजन उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर पर अमर्यादित टिप्पणी की है, जो निंदनीय है। इसके लिये उन्हें देश से माफी मांगते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं, सुधीर चंद्रवंशी ने कहा कि महापुरुषों का अपमान देश कभी बर्दास्त नहीं करेगा। मौके पर वरीय जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार चौबे, सुरेंद्र तिवारी, शैलेश चौबे बच्चा, आलोक चौबे, डब्बू चौबे, डॉ इलियास अंसारी, सुरेन्द्र दुबे, मोनू वर्मा, बिट्टू शुक्ला, लकी शुक्ला आदि मौजूद थे।

आरपीएस विद्यालय को मिली सीबीएसइ से मान्यता, अब 12वीं तक की होगी पढ़ाई

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। आरपीएस विद्यालय को सीबीएसइ नई दिल्ली से 10वीं व 12वीं की मान्यता मिल गयी है। गुरुवार को आरपीएस स्कूल कार्यालय में विद्यालय के निदेशक संजय कुमार सिंह एवं प्रधानाचार्य मनुज शर्मा ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। संजय सिंह ने बताया कि अब सीबीएसई बोर्ड द्वारा संचालित आरपीएस पब्लिक स्कूल इस क्षेत्र का एक मात्र विद्यालय है जिसमें कक्षा नर्सरी से 12वीं तक की सभी कक्षाएं संचालित की जाएंगी। कहा कि विद्यालय अपने एकेडमिक फैसिलिटी के आधार पर बहुत कम समय में मैट्रिक व इंटरमीडिएट की मान्यता प्राप्त कर लिया। अब विद्यालय में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय की 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई होगी। इस सफलता का श्रेय विद्यालय के प्रधानाचार्य मनुज शर्मा एवं उनके नेतृत्व में कार्य करने वाले शिक्षक समूह को जाता है। वहीं, प्रधानाचार्य ने बताया कि हमें सीबीएसई की मान्यता संख्या 3430764 के अंतर्गत प्राप्त हुई है। हमारे विद्यालय का यह भी एक कीर्तिमान है कि हमें एक साथ माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर की मान्यता मिली है। इसके बाद हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र समेत आसपास के क्षेत्रों के अभिभावकों एवं छात्रों को गुणवतापूर्ण शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

नशे में धुत बाइक सवार ने कार में मारी टक्कर, तीन घायल

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय राजमार्ग 139 पर नशे में धुत बाइक सवार ने एक कार में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दो युवक व कार चालक घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से बाइक सवार को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जबकि कार चालक खुद बाहरी अस्पताल में इलाजरत है। बाइक सवार की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटीन निवासी अजय यादव और राजू कुमार यादव के रूप में हुई है। घटना गुरुवार को रक्सेल तेंदुआ गेट के समीप घटित हुई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो दोनों बाइक सवार शराब के नशे में धुत थे। एक बाइक पर सवार होकर दोनों युवक हरिहरगंज से छतरपुर की ओर जा रहे थे। तभी अनियंत्रित बाइक विपरीत दिशा से आ रही कार से जा टकराई। जिसमें कार के आगे का शीशा क्षतिग्रस्त करते हुए कार चालक को घायल कर दिया। इस संबंध में सीएचसी के डॉक्टर राजेश कुमार कुशवाहा ने बताया कि दोनों बाइक सवार को गंभीर चोट लगी है। इसमें अजय यादव की स्तिथि गंभीर है। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया है।

हुसैनाबाद के विभिन्न विद्यालयों की 651 छात्राओं को मिली साइकल

साइकिल से विद्यालय आने-जाने में छात्राओं को होगी सहूलियत

जिन स्कूलों में व्यवस्थाओं का अभाव है उसे पूरा करायेंगें : विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

छात्राओं के बीच साइकल वितरण करते विधायक, एसडीओ व अन्य।

हुसैनाबाद। बीआरसी हुसैनाबाद परिसर में शुक्रवार को एक सादे समारोह में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों की 651 छात्राओं के बीच साइकल का वितरण किया गया। इसमें हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह यादव, प्रभारी एसडीओ गौरांग महतो, बीडीओ सुनील कुमार व प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रामनरेश राम समेत कई लोग मौजूद थे। विधायक ने कहा कि सरकार ने छात्राओं को साइकल उपलब्ध करा कर सशक्तिकरण के साथ ही उनकी परेशानियों का समाधान भी किया है। साइकल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में काफी सहूलियत होगी और समय की बचत भी होगी। विधायक ने कहा कि सरकार छात्र-छात्राओं को पठन पाठन सामग्री के साथ ही छात्रवृति व साइकल की व्यवस्था कर रही है। विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई कर अपने गांव, जिला व राज्य का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में भी बेंच टेबल, कंप्यूटर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था की गई है। जिन स्कूल में व्यवस्था में कमी है, वहां पूरा करायेंगें। वहीं, एसडीओ गौरांग महतो ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में योग्य शिक्षक होने के साथ ही सभी जरूरी व्यवस्था सरकार ने किया है। अगर शिक्षक लापरवाही करते हैं तो इसकी जानकारी ग्रामीण अभिभावक शिक्षा विभाग या अन्य अधिकारी को जरूर दें, ताकि उसे सुधारा जा सके। उन्होंने छात्राओं को साइकल का सही उपयोग करने की सलाह दी। इस मौके पर हुसैनाबाद बीडीओ सुनील कुमार, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रामनरेश राम, राजद नेता विनय सिंह यादव, बीपीएम रंजना भारती, लेखा पाल जयप्रकाश कुमार और विनय कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

विकास के लिए सड़क, पानी, बिजली एवं स्वास्थ्य बहुत जरूरी: डॉ शशि भूषण मेहता

विकास योजनाओं का शिलान्या करते पांकी विधायक डॉ शशीभूषण मेहता।

पांकी विधायक ने तीन योजनाओं का किया शिलान्यास, कहा- विद्यालय भवन बन जाने से बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा और मार्गदर्शन मिलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

पांकी/पलामू। पांकी प्रखंड के रनेभरी में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से स्वीकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय भवन निर्माण एवं ढूब पंचायत के टोला केवाल पर गुरुवार को उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण एवं लोहरसी पंचायत के गीडी में सरना चार दिवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता ने शिलापट्ट का अनावरण करके किया। विधायक ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़क, पानी, बिजली व स्वास्थ्य बहुत जरूरी है। इसी कड़ी में एक कदम बढ़ाते हुए इस दिन ढूब पंचायत के केवाल में प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र एवं लोहरसी के गीडी में शरना चारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है। इसके तहत ढूब पंचायत ही नहीं अगल बगल के गांव के लोग भी उप स्वास्थ्य केंद्र के बन जाने से लोगों को लाभ मिलेगा। उनका मकसद क्षेत्र का विकास करना है जिसके लिए दिन रात लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पूरे पांकी विधानसभा में सड़क, नाली, उप स्वास्थ्य केंद्र और अन्य तरह के विकास कार्यों का शिलान्यास कार्य किया जाएगा। मौके पर जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, लोहरसी भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन सिंह, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, ढुब मुखिया प्रतिनिधि जसवंत वर्मा, यशवंत मेहता, संतु सिंह, विजय ठाकुर, धर्मदेव मेहता, सुरेंद्र डॉ रामचरित्र सिंह, कार्तिक सिंह आदि मौजूद थे।

लोगों के विश्वास पर खरा उतरने का जारी रहेगा प्रयास : विधायक

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। पांकी व नीलाम्बर पीताम्बरपुर में प्रखंड सह अंचल कार्यालय में विधायक कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता ने विधायक प्रतिनिधि कक्ष का उद्घाटन किया। विधायक ने कहा कि प्रखंड मुख्यालय में विधायक प्रतिनिधि कार्यालय खुलने से विकास काम में तेजी आएगी। दूर-दराज से आने वाले फरियादियों का काम त्वरित गति से हो सकेगा। कहा कि जिस आशा व विश्वास के साथ जनता ने हमें दोबारा चुना है, उस पर खरा उतरने के लिए लोगों की समस्याओं का समाधान जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी कार्यो की जानकारी सभी लोगों को होनी चाहिए। सरकार जनता के हित को ध्यान में रखकर योजनाएं धरातल पर उतार रही है। आम लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही उसका लाभ भी दिलाने का प्रयास करें। विधायक ने कहा कि विस क्षेत्र का चहुमुखी विकास व आम जनता के हर सुख-दुख में हम साथ हैं। समस्याओं को लेकर अगर कोई पदाधिकारी जनता की बात नहीं सुनता है तो विधायक प्रतिनिधि से सीधे संपर्क करें। उन्होंने प्रतिनिधियों को बताया कि सप्ताह में सातों दिन यहां बैठकर जनता की समस्याओं का निदान करने की पूरी कोशिश करें। मौके पर बीडीओ ललित प्रसाद सिंह, जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, प्रोफेसर बच्चन ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, विधायक प्रतिनिधि मींटी वर्मा, कमेश यादव, सुनील कुशवाहा, छोटे लाल सोनी, मंदीप मेहता, सुधीर तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन सिंह, संतु सिंह, जसवंत वर्मा, यशवंत मेहता, डॉ रामचरित्र सिंह, जय किशोर प्रसाद, राजेंद्र पासवान, कार्तिक सिंह आदि उपस्थित थे।

हाइवा एवं बाइक की टक्कर में तीन घायल, एक गंभीर

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला-छतरपुर मुख्य पथ के कचरा मोड़ के समीप बाइक व हाइवा के बीच टक्कर में एक महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में सरिता देवी, उनके भाई श्रीराम बैठा व आठ वर्षीय उत्तम शामिल है।

प्रखंडों में लगने वाले स्वास्थ्य मेला को लेकर डीसी ने की बैठक

20 से 24 तक लगेगा स्वास्थ्य मेला

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं, कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने एवं बीमारियों की रोकथाम व स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए राज्य के सभी प्रखंडों में 'प्रखंड स्वास्थ्य मेला' 2025 का आयोजन किया जाना है। इसके तहत 20 से 24 जनवरी के बीच एक दिवसीय प्रखंड स्वास्थ्य मेला जिले के सभी प्रखंडो में आयोजित होगा। जिसे सफल बनाने व कार्यक्रम की रूप रेखा तय करने को लेकर डीसी शशि रंजन ने पदाधिकारियों के साथ गुरुवार को समाहरणालय सभागार में बैठक की। इस दौरान उन्होंने संबंधितों को टीम वर्क की भावना के साथ स्वास्थ्य मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर निर्देशित किया। उन्होंने सभी बीडीओ को स्वास्थ्य मेला की तिथि व स्थान का अपने स्तर से व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करने को कहा, ताकि समय रहते आमजनों को मेले से संबंधित जानकारी मिल सके। उन्होंने मेले में आने वाले आगंतुकों के लिए भोजन, पेयजल आदि की व्यवस्था रखने की बात कही।

चिकित्सकों का ड्यूटी चार्ट व अलग-अलग काउंटरों की व्यवस्था रखने का दिया निर्देश

डीसी ने मेले को लेकर कहा कि जिस प्रखंड में मेले का आयोजन होना है, उस प्रखंड के चिकित्सकों की ड्यूटी चार्ट तैयार रखें। उन्होंने विभिन्न प्रकार के जांच के लिये अलग-अलग काउंटर बनाने को कहा। साथ ही नेत्र जांच के काउंटर पर जांच के बाद चश्मा के वितरण की भी व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। बतातें चलें कि मेले में आभा कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड बनाने के साथ ही सामान्य चिकित्सा, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, मोतियाबिंद जांच, इएनटी, दंत, चर्मरोग, कुष्ठ, टीबी, मलेरिया, अंधापन, कैंसर, आयुर्वेद, युनानी, होमियोपैथी, योगा आदि की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। इस मौके पर डीडीसी शब्बीर अहमद, छतरपुर एसडीओ, सिविल सर्जन, डीआरडीए निदेशक, एमएमसीएच के सुपरिटेंडेंट आदि मौजूद रहे। जबकि विभिन्न बीडीओ समेत अन्य लोग वर्चुअल मोड से जुड़े रहे।

खेल से मानसिक विकास के साथ प्रतिभा निखारने में मिलती है मदद: कमलेश यादव

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। शहर के बंजारी मोहल्ला में आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन गुरुवार की रात सपा नेता कमलेश यादव ने की। पहला उद्घाटन मैच छकनबार बनाम बंजारी के बीच खेला गया। जिसमें छकनबार की टीम ने 3 विकेट से जीत दर्ज की। इस अवसर पर सपा नेता ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होने के साथ हीू खेल के क्षेत्र में कैरियर की असीम संभावनाएं भी छिपी रहती है। ऐसे आयोजन से छोटे शहर के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने में मदद मिलती है। उन्होंने आयोजक मंडली के अध्यक्ष आदिलजिया, उपाध्यक्ष साहिल उर्फ बबलू, सचिव नेहाल, फील्ड इंचार्ज सब्बू आदि की भी सराहना की जिन्होंने इलाके में खेल के विकास और लोकल प्रतिभावान युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से टूर्नामेंट का आयोजन किया है। इस मौके पर प्लस टू उवि अंबा के प्रधानाचार्य मोहम्मद फैजुल रहमान, मोहम्मद रशीद फैजी, मोहम्मद शहनवाज, मोहम्मद महबूब और मोहम्मद ताहिर आदि मौजूद थे।

छतरपुर सीओ ने जब्त किये अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर

छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। छतरपुर सीओ उपेंद्र कुमार ने बुधवार की रात करीब 11 बजे अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त कर छतरपुर थाने को सौंप दिया। यह कार्रवाई खनिजों के अवैध परिचालन से हो रहे राजस्व की क्षति को रोकने के उद्देश्य से की गई है। विदित हो कि चिन्हित आठ बालू घाटों के संचालन के लिए सभी पंचायत मुखियों को पत्र जारी किया गया था, लेकिन बगैया पंचायत के मुखिया को छोड़कर अन्य किसी ने कमिटी का गठन नहीं किया है। कैटेगरी एक के बालू घाट से सिर्फ 100 रुपए प्रति 100 सीएफटी बालू स्थानीय उपयोग के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है, पर अब तक इस पर अमल नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा कि अवैध बालू परिवहन से सरकारी राजस्व की भारी क्षति होती है। यह अनियंत्रित गति से दुर्घटनाओं को भी आमंत्रित करता है। छतरपुर सीओ ने सभी कैटेगरी-1 के मुखियों से आग्रह किया है कि वे बालू घाटों के संचालन के लिए जल्द से जल्द कमेटी का गठन कर अंचल कमेटी के पास संचिका समर्पित करें, ताकि बालू के क्रय-विक्रय को नियंत्रित किया जा सके।

बाल तस्करी की शिकार बच्ची को डालसा ने बचाया

धनबाद (आजाद सिपाही)। बाल तस्करी की शिकार गुमला की एक बच्ची को डालसा ने गुरुवार को रेसक्यू किया। पीड़ित बच्ची को अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राकेश रोशन के आदेश पर सीडब्ल्यूसी ने होप होम को सौंप दिया है। वहीं मामले में श्रम अधीक्षक को भी कार्रवाई का निर्देश दिया है। इसकी जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव राकेश रोशन ने बताया कि धनबाद की एक महिला अधिवक्ता को रणधीर वर्मा चौक के समीप गुमला की एक बच्ची असहाय घूमती मिली। अधिवक्ता ने नालसा के टोल फ्री नंबर 15100 पर फोन कर सहायता की गुहार लगाई। जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने महिला थाना के माध्यम से बच्ची को रेस्क्यू किया। तुरंत सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन उत्तम मुखर्जी, श्रम अधीक्षक प्रवीण कुमार, डीसीपीओ साधना कुमारी डालसा कार्यालय पहुंची, जहां सभी कागजी कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी की गई। गुमला में रहने वाले बच्ची के चाचा व भाई से तुरंत बात की गई। बच्ची ने पूछताछ में बताया कि उसे पढ़ाने के नाम पर एक पुलिस अधिकारी अपने साथ लेकर आई थी। उसे बाल श्रम कराते हुए काफी प्रताड़ित किया जा रहा था। इससे बच्ची वहां से भाग गई और भटक रही थी। तभी एक महिला अधिवक्ता की नजर उस पर पड़ गई। इस बाबत सीडब्ल्यूसी के चेयरमैन उत्तम मुखर्जी ने बताया कि पीड़ित बच्ची को डीसीपीओ के सहयोग से होप होम में रख दिया गया है। जहां बच्ची की काउंसलिंग की जाएगी और उसके पढ़ाई लिखाई से संबंधित सभी कार्रवाई जल्द पूरी कर ली जाएगी, ताकि बच्ची पढ़ लिखकर अपना भविष्य संवार सके। वहीं श्रम अधीक्षक प्रवीण कुमार ने भी इस विषय को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच कर संबंधित व्यक्ति पर कार्रवाई करने की बात कही है।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

छतरपुर/पलामू। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के अवसर पर आयोजित होने वाले अलग-अलग कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर गुरुवार को एसडीओ आशीष गंगवार की अध्यक्षता में जरूरी बैठक हुई। जिसमें झंडा फहराने की समय सारणी और अन्य गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान बैठक में तय किया गया कि छतरपुर के विभिन्न प्रशासनिक स्थानों और शैक्षणिक संस्थानों में झंडा फहराने का समय निर्धारित किया जाएगा, ताकि कार्यक्रमों का आयोजन सुचारू रूप से किया जा सके। एससीओ ने कई जरूरी निर्देश बी दिया। बैठक में बीडीओ आशीष कुमार, सीओ उपेंद्र कुमार, एलआरडीसी विजय कुमार, प्रमुख, बीससूत्री अध्यक्ष गोपाल सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी निवर्तमान नगर अध्यक्ष मोहन जयसवाल, बीससूत्री उपाध्यक्ष चन्दन प्रकाश सिन्हा, डिग्री कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य, इंटर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने गणतंत्र दिवस को भव्य और गरिमामयी तरीके से मनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिये और अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को सुनिश्चित किया। इस अवसर पर एसडीओ ने सभी से इस राष्ट्रीय पर्व को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा
(निःशुल्क सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु)

विशेष लोक अदालत
वैवाहिक वाद से संबंधित मामलों एवं
एन. आई. एक्ट (चेक बाउन्स) के मामलों का

दिनांक – 22 फरवरी 2025 शनिवार
स्थान– व्यवहार न्यायालय, सिमडेगा — समय– 11:00 बजे

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार ,राँची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार सिमडेगा के तत्वावधान में दिनांक 22 फरवरी 2025 को वैवाहिक वाद से संबंधित एवं एन आई एक्ट, चंक बाउंस के मामलों का विशेश लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त विशेश लोक अदालत में निम्न दो प्रकार के मामलें का निश्पादन किया जाना है:–

1. धारा 138 एन आई एक्ट (चेक बाउन्स) मामले 2. वैवाहिक वाद से सम्बंधित मामले

अतः सिमडेगा वासियों से निवेदन है कि एन0 आई0 एक्ट चेक से संबंधित मामलों एवं वैवाहिक वाद से संबंधित मामलों को विभाग से सर्म्पक कर अधिक से अधिक मामलों का निश्पादन करने का प्रयास करें ।

नोटः– उक्त विशेष लोक अदालत हेतु दिनांक 17 फरवरी 2025 से 21 फरवरी 2025 तक वैवाहिक वाद एवं एन0 आई0 एक्ट चेक से संबंधित मामलों का प्तम स्वा ।कंसंज पूर्वाह्न 11:00 बजे से व्यवहार न्यायालय परिसर,सिमडेगा में चलेगा।

NALSA HELPLINE NO.% 15100

Civil Court Simdega
DLSA, Simdega

श्रीमती मरियम हेमरोम, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा
श्री सौरभ, पुलिस अधीक्षक सह सदस्य, जि0 वि0 से0 प्रा0,सिमडेगा
श्री अजय कुमार सिंह, उपायुक्त सह उपाध्यक्ष
श्री राजीव कुमार सिन्हा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जि0 वि0 से0 प्रा0,सिमडेगा

निवेदक– जिला प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा।

PR 344358 Simdega(24-25)#D

सीएम हेमंत सोरेन की अगुवाई में झारखंड का हो रहा चहुंमुखी विकास : मंत्री योगेंद्र प्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

ललपनिया। गोमिया प्रखंड अंतर्गत होसिर पश्चिमी पंचायत के देवीपुर ग्राम स्थित मां खेलाचंडी मंदिर परिसर में मकरसंक्रांति पर आयोजित पांच दिवसीय भव्य मेले का उद्घाटन कार्यक्रम में आगमन से पहले भोलाडीह चौक के समीप झामुमो के वरिष्ठ नेता सह समाजसेवी संतोष साव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बुक्के देकर व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मुखिया पार्वती देवी, पंसस महेश रविदास समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। बतातें चलें कि मंत्री जी के स्वागत के लिए कार्यकर्ता पहले से ही तैयार खड़े थे। ज्यों ही मंत्री जी का काफिला वहां पहुंचा उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया गया। इसके बाद कार्यकर्ता गर्मजोशी से नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च कर उन्हें मंच तक लाया। वहीं, मंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य का चहुमुखी विकास हो रहा है। इसके पहले मंत्री जी ने मां खेला चंडी के आगे मत्था टेका और क्षेत्र में सुख-शांति, उन्नति व समृद्धि की मंगलकामना की। इस मौके पर टुनटुन रवानी, भरत रविदास, दीपक रविदास, रामदेव रविदास, परमेश्वर रविदास, वार्ड सदस्य राजेश्वर साव, मुकेश अंबेडकर, हेमंत, सिकेन्द्र, शिवा, सचिन कुमार, अनिल, मनोहर, प्रेम शंकर, परण दास, किशोर प्रजापति, हीरालाल यादव, दिलीप यादव, विमल, अरुण, सम्भू रविदास, सूरज रविदास, संगम कुमार साव, पंकज प्रजापति और कुंदन प्रसाद आदि मौजूद थे।

धनबाद एसएनएमएमसीएच में बढ़ायी जायेंगी एमबीबीएस एवं पीजी की सीटें: स्वास्थ्य मंत्री

कहा- बेहतरी के लिए निजी प्रैक्टिस करने वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी ली जायेगी मदद

खून नहीं मिलने की महिला की शिकायत पर सबके सामने प्राचार्य को लगायी फटकार

एमबीबीएस के विद्यार्थियों की भी सुनी समस्याएं, दिया समाधान का आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी गुरुवार को धनबाद पहुंचे, जहां उन्होंने शहीद निर्मण महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल की सुपर स्पेशलिटी बिल्डिंग, पीजी ब्लॉक एवं कैथ लैब का निरीक्षण किया। पारा मेडिकल छात्र-

छात्राओं, जीएनएम नर्सिंग की छात्र-छात्राओं एवं मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे एमबीबीएस के छात्रों की समस्याएं सुनी और उसे जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। इस दौरान एक महिला ने तीन यूनिट 'ए' पॉजेटिव रक्त नहीं मिलने की शिकायत मंत्री से की तो उन्होंने प्राचार्य को मौके पर ही फटकार लगा दी। इसके बाद मंत्री इरफान अंसारी एवं विभाग के प्रधान सचिव ने डीसी माधवी मिश्रा, अधीक्षक डॉक्टर एसके चौरसिया और प्राचार्य डॉक्टर केके लाल सहित सभी चिकित्सकों एवं प्रध्यापकों से प्राचार्य कक्ष में बैठक की और अस्पताल में बेहतर चिकित्सकी सुविधा मुहैया कराने के लिए नई सुपर स्पेशलिटी बिल्डिंग में सुचारू रूप से विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ चिकित्सक की सुविधा शुरू करने, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमियों को दूर करने और मेडिकल कालेज में सीट बढ़ाने को लेकर बातचीत की एवं आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री एवं सचिव ने बताया कि धनबाद जिले में संचालित इस मेडिकल कॉलेज में ना सिर्फ धनबाद, बल्कि आसपास के जिलों से भी मरीज काफी संख्या में आते हैं। सीटों की संख्या कम है व बेड की संख्या भी कम है, जिस वजह से मरीजों की अधिक भीड़ रहती है। कई बार मरीज को ईलाज कराने में परेशानी होती है। इन सभी परेशानियों को दूर करने के लिए मंत्री जी ने कई निर्देश भी दिया। लगे हाथ मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार के स्तर पर जो भी सुविधा मुहैया करवानी है, वह कराई जाएगी। यहां पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की मदद भी ली जाएगी, जो निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। उनके साथ अनुबंध पर कार्य लिया जाएगा। बाद में स्थाई नियुक्तियां भी होगी। एमबीबीएस एवं पीजी की सीटों में वृद्धि की जाएगी एवं इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी समस्याओं को खत्म किया जाएगा।

ऐना कोलियरी चानक के समीप पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव, जांच शुरू

धनसार (आजाद सिपाही)। झरिया थाना क्षेत्र के ऐना कोलियरी छह नंबर चानक के समीप गुरुवार को एक पेड़ से रस्सी के सहारे लटकता एक युवक का शव बरामद किया गया। उसकी पहचान गणेश वर्मा (24) के रूप में हुई है। वह ऐना कोलियरी के परसाटांड निवासी रामावतार प्रसाद वर्मा का छोटा बेटा था। इसकी जानकारी मिलते ही आसपास के दर्जनों लोग घटनास्थल पर पहुंच गये। तुरंत इसकी सूचना झरिया पुलिस को दी गयी। खबर पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतरवाने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेज दिया. साथ ही मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल अपने कब्जे में ले लिया है। घटनास्थल पर एक टूटी कुर्सी मिली है। वहीं, घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस बाबत मृतक के पिता राम अवतार प्रसाद वर्मा ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे घर से बाहर जाने की बात कहकर निकला था। पर काफी देर होने के बाद भी जब गणेश वापस घर नहीं लौटा तो उसे फोन किया गया। पर बार-बार फोन करने पर भी फोन रिसीव नहीं किया। इस बीच सुबह 11.30 बजे लोगों से उसका शव फंदे पर लटके होने की सूचना मिली।

छात्रों की मांग पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने किया डिग्री कॉलेज का निरीक्षण

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जामाडोबा डिग्री कॉलेज में व्याप्त समस्याओं की दूर करने के लिए छात्र-छात्राओं की मांग पर गुरुवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कॉलेज का दौरा किया। वहां छात्र-छात्राओं के साथ कॉलेज की अव्यवस्था को देख हैरान हो गयीं। इस दौरान छात्राओं ने विधायक से कॉलेज की सड़क को जामाडोबा की मुख्य सड़क से जोड़ने की मांग की। इस दौरान प्राचार्य आरपी सिंह ने विधायक से कहा कि कॉलेज में 1400 छात्र-छात्राएं है, लेकिन उसके पठन पाठन को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिलने से शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने जरेडा अधिकारियों के प्रति आभार जताया कि उनके प्रयास से कॉलेज में 120 केवी का सोलर लाइट लग जाने से बिजली की समस्या दूर हो हुई है। उन्होंने विधायक को कॉलेज में फंड की कमी होने, सुरक्षा प्रहरी एवं सफाई कर्मी की कमी, शिक्षकों की कमी, राइटिंग बोर्ड नहीं होने आदि से अवगत कराते हुए समाधान की पहल करने की मांग की। इस पर विधायक ने प्राचार्य एवं विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान को वे खुद पहल करते हुए डीसी और कुलपति सहित सरकार से बात करेंगीं। मौके पर अखिलेश सिंह, अभिषेक पांडेय, उमेश यादव, मंडल अध्यक्ष बच्चा गिरी और अवधेश मास्टर आदि उपस्थित थे।

रागिनी सिंह ने सक्रिय सदस्यता का दिया आवेदन

झरिया/धनबाद (आजाद सिपाही)। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने गुरुवार को संगठन महापर्व सदस्यता अभियान के तहत बिहार बिल्डिंग कार्यालय में जाकर जिला सदस्यता प्रभारी मानस प्रसून को अपनी सक्रिय सदस्यता का आवेदन सौंपा। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा महानगर जिलाध्यक्ष नित्यानंद मंडल, बस्ता कोला मंडल मंडल अध्यक्ष सह शक्ति केंद्र के प्रभारी तरुण राय, बप्पी बाउरी, संतोष रवानी आदि मौजूद रहे।

कोयलांचल नागरिक विकास मंच ने विधायक सरयू राय का किया अभिनंदन

धनबाद (आजाद सिपाही)। जमशेदपुर पश्चिम के जदयू विधायक सरयू राय का गुरुवार को धनबाद के विवाह भवन में आयोजित समारोह में कोयलांचल नागरिक विकास मंच की ओर से अभिनंदन किया गया। मौके पर जदयू के धनबाद जिला अध्यक्ष पिंटू सिंह, पार्टी के प्रखंड, नगर व जिला अधिकारियों के साथ मौजूद रहे।

प्रपत्र VI 'क'

झारखण्ड सरकार, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग

(भू-अर्जन निदेशालय) या समाहर्त्ता या समुचित सरकार

अधिघोषणा

(अधिनियम-30/2013 की धारा-19(1) के अधीन)

संख्या-22/भू0अ0, रामगढ़ दिनांक 08/01/2025

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि मौजा मरार, थाना नं0 144, राजस्व थाना रामगढ़, अंचल रामगढ़, जिला रामगढ़ में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा Land Acquisition plan of Kuju station to Ranchi Road New Line Under Dy. CE/CON/Barkakana in Dhanbad Division of Eastern Central Railway परियोजना हेतु अपेक्षित है।

इसलिए अधिघोषणा किया जाता है कि उपर्युक्त परियोजना के लिए अर्जन के अधीन एक भू-खंड है, जो मानक माप से कमोवेश 4.5834 एकड़ यानि 1.854833 हेक्टेयर है। और जो मौजा मरार, थाना नं0 144, राजस्व थाना रामगढ़, अंचल रामगढ़, जिला रामगढ़ में है। जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है :-

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0)			
							उ0	द0	पू0	प0
01	36	476	रैयती	टांड II	0.0094	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगल बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता स्व0 सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिवशंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया वगै0 पिता स्व0 भोगल बेदिया।	473	477	487	473
02	36	478	रैयती	टांड II	0.5931	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. शैलेन्द्र बेदिया पिता धनेश्वर बेदिया 3. दिनेश बेदिया वगै0 पिता स्व0 भोगल बेदिया।	473	479	472	477
03	36	472	रैयती	टांड II	0.5304	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगल बेदिया 3. लाखेन्द्र बेदिया पिता स्व0 सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता स्व0 धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 बिटिया बेदिया 6. शिवशंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया वगै0 पिता स्व0 भोगला बेदिया 8. राज कुमार बेदिया पिता दिनेश बेदिया 9. तुलसी बेदिया पिता स्व0 चुरामन बेदिय भगत 10. गोरीशंकर दिग्गी पिता स्व0 धासी राम दिग्गी 11. सोमनाथ उरॉव पिता डोन्डा उरॉव 12. राजेश बेदिया पिता स्व0 दिनानाथ बेदिया 13. नितमा देवी 14. मसो मोमरी देवी 15. अजित बेदिया।	467	481	468	478
04	37	471	रैयती	टांड II	0.2505	राम जानकी मंदिर के नाम से दान वामर्फत 1. रामशरण साहू पिता स्व0 परमेश्वर साहू 2. भागीरथ प्रसाद पिता स्व0 परमेश्वर साव 3. बसंत प्रसाद पिता स्व0 परमेश्वर साव। (विवादित एवं CNT Act से अछांदित है।)	469	472	470	472
05	11	470	रैयती	टांड II	0.1077	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधीर प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. वासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तेज नारायण सावा पिता स्व0 अन्द्र साव 7. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	460	471	446	468
06	04	469	रैयती	टांड II	0.29	1. रामचन्द्र साहू पिता स्व0 अयोध्या साहू 2. शिव प्रसाद साहू पिता स्व0 अयोध्या साहू 3. जयपाल साहू पिता स्व0 अयोध्या साहू 4. राजकुमार साहू पिता स्व0 अयोध्या साहू 5. उमेश प्रसाद साहू वगै0 पिता किस्टो साहू। (विवादित)	470	471	470	472
07	36	468	रैयती	टांड II	0.0669	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	470	470	470	472
08	36	467	रैयती	टांड II	0.0141	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	466	472	477	473
09	36	430	रैयती	धान खेत	0.0020	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	388	431	425	435
10	36	431	रैयती	धान खेत	0.0837	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	428	434	432	435
11	36	432	रैयती	धान खेत	0.0138	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	430	425	425	433
12	36	433	रैयती	धान खेत	0.0111	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	425	425	425	434
13	36	434	रैयती	धान खेत II	0.20	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	431	436	43	435
14	36	436	रैयती	धान II	0.1961	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	434	437	425	435
15	36	437	रैयती	धान II	0.2270	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	436	438	420	446
16	36	438	रैयती	धान II	0.0274	1. महेन्द्र बेदिया पिता स्व0 भदवा बेदिया 2. सुरेन बेदिया पिता स्व0 जुगना बेदिया 3. लखिन्द्र बेदिया वगै0 पिता सुखदेव बेदिया 4. शैलेन्द्र बेदिया वगै0 पिता धनेश्वर बेदिया 5. राथो बेदिया पिता स्व0 लिटिया बेदिया 6. शिव शंकर बेदिया वगै0 पिता स्व0 अदरा बेदिया 7. दिनेश बेदिया पिता स्व0 भोगल बेदिया।	437	439	501	441
17	21	425	रैयती	धान I	0.08	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वो रविन्द्र साहू वो सुशील कुमार साहू वो अवधेश कुमार साहू पिता स्व0 गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वो शिव शंकर प्रसाद पिता स्व0 रामदास साहू।	400	424	409	430
18	11	422	रैयती	टांड II	0.1495	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधरी प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. वासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 7. तपेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	423	419	416	425
19	11	421	रैयती	परती आर	0.03	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधरी प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. वासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 7. तपेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	425	420	422	420
20	11	420	रैयती	धान खेत I	0.08	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधरी प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. वासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 7. तपेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	425	501	414	437
21	21	419	रैयती	धान खेत I	0.09	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	422	501	418	420
22	11	418	रैयती	धान खेत I	0.14	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधीर प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	416	501	414	422
23	11	417	रैयती	धान खेत I	0.0133	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधीर प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	416	418	416	422
24	21	415	रैयती	धान खेत I	0.0261	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	410	414	413	410
25	21	414	रैयती	धान खेत I	0.2342	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	413	501	494	418
26	11	502	रैयती	टांड II	0.3224	1. सरयू महतो वगै0 पिता स्व0 कुंजा महतो 2. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव 6. भुपेन्द्र मिश्रा पिता स्व0 मेघनाथ मिश्रा 7. कामदेव मिश्रा पिता स्व0 सुन्दरलाल मिश्रा 8. पारस नाथ मिश्रा पिता स्व0 रामवृक्ष मिश्रा।	501	503	592	501
27	41	592	रैयती	टांड II	0.0603	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	593	591	581	502
28	41	593	रैयती	परती कदीम	0.0188	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	594	592	592	592
29	11	594	रैयती	धान खेत II	0.2762	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधीर प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 7. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	610	593	599	501
30	11	596	रैयती	परती कदीम	0.0074	1. सरयू प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 2. सुधीर प्रसाद पिता स्व0 कुंजा साव 3. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 4. तुलेश्वर प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 5. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 6. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 7. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	595	597	598	597
31	11	597	रैयती	धान II	0.05	1. सरयू महतो वगै0 पिता स्व0 कुंजा महतो 2. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव 6. भुपेन्द्र मिश्रा पिता स्व0 मेघनाथ मिश्रा 7. कामदेव मिश्रा पिता स्व0 सुन्दरलाल मिश्रा 8. पारस नाथ मिश्रा पिता स्व0 रामवृक्ष मिश्रा।	596	599	598	594
32	11	598	रैयती	परती कदीम	0.0368	1. सरयू महतो वगै0 पिता स्व0 कुंजा महतो 2. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव 6. भुपेन्द्र मिश्रा पिता स्व0 मेघनाथ मिश्रा 7. कामदेव मिश्रा पिता स्व0 सुन्दरलाल मिश्रा 8. पारस नाथ मिश्रा पिता स्व0 रामवृक्ष मिश्रा।	610	600	609	597
33	11	600	रैयती	टांड II	0.0166	1. सरयू महतो वगै0 पिता स्व0 कुंजा महतो 2. बासदेव प्रसाद पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव 6. भुपेन्द्र मिश्रा पिता स्व0 मेघनाथ मिश्रा 7. कामदेव मिश्रा पिता स्व0 सुन्दरलाल मिश्रा 8. पारस नाथ मिश्रा पिता स्व0 रामवृक्ष मिश्रा।	598	589	601	599
34	21	599	रैयती	धान खेत III	0.0724	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	597	589	600	594
35	21	601	रैयती	टांड II	0.0091	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	598	589	602	599
36	21	603	रैयती	टांड II	0.08	1. कौलेश्वर साव पिता स्व0 चिन्तामन महतो 2. राजेश साहू वगै0 पिता गोपी साहू 3. ललन प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामदास साहू।	607	589	602	599
37	11	606	रैयती	टांड II	0.0336	1. सरयू प्रसाद वगै0 पिता स्व0 कुंजा साव 2. बासदेव प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	614	605	670	587
38	11	608	रैयती	धान खेत III	0.0299	1. सरयू प्रसाद वगै0 पिता स्व0 कुंजा साव 2. बासदेव प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	607	601	603	600
39	11	610	रैयती	टांड II	0.0040	1. सरयू प्रसाद वगै0 पिता स्व0 कुंजा साव 2. बासदेव प्रसाद वगै0 पिता स्व0 रामेश्वर साव 3. भीम प्रसाद पिता स्व0 प्रयाग साव 4. तेज नारायण साव पिता स्व0 अन्दु साव 5. तापेश्वर प्रसाद वगै0 पिता स्व0 बालकिशुन साव।	410	594	609	413
40	17	607	रैयती	टांड II	0.0556	1. कुलदीप प्रसाद वगै0 पिता स्व0 शिव प्रसाद 2. सीता राम प्रसाद वगै0 पिता स्व0 भोला प्रसाद 3. रघुनाथ पिता स्व0 जग मोहन साव	613	608	603	609
41	17	609	रैयती	टांड II	0.0440	1. आदित्य प्रसाद पिता स्व0 इन्द्र साव 2. मोहन प्रसाद पिता स्व0 इन्द्र साव 3. देवकी प्रसाद पिता बैजा साव 4. मुन्ना साव पिता बैजा साव	612	608	607	610
				कुल रकबा	4.5834					

यह अधिघोषणा हितबद्ध व्यक्तियों की आपत्तियों के सुनने और अधिनियम संख्या-30/2013 की धारा-15 में प्रदत्त यथा उपबंधित सम्यक जाँच के पश्चात किया गया है।

PR 344401 Land Reforms (24-25)_D

ह0/- कानूनगो, रामगढ़। ह0/- जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, रामगढ़। ह0/- अपर समाहर्त्ता, रामगढ़। ह0/- उपायुक्त, रामगढ़।

टीपीडब्ल्यू ओडीएल ने किया हैंड्स ऑन टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। बुर्ला पश्चिमी ओड़िशा बिजली वितरण कंपनी टीपीडब्ल्यूओडीएल द्वारा कार्यस्थल सुरक्षा और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए बरगढ़ जिले के अताबीरा में एक अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र (हैंड्स ऑन टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर) शुभारंभ किया गया है। टाटा पावर (टीएंडडी) के सुरक्षा प्रमुख सुरेश खेतवानी, ओड़िशा डिस्कॉम के सुरक्षा प्रमुख देवी प्रसाद आचार्य और टीपीडब्ल्यूओडीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण वर्मा ने कल इस प्रशिक्षण केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया। यह कदम पूरे पश्चिमी ओड़िशा में प्रबंधन उत्कृष्टता और सुरक्षा के प्रति टीपीडब्ल्यूओडीएल की प्रतिबद्धता का एक नया अध्याय शुरू करेगा। वास्तविक समय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो कंपनी के 'मिशन शून्य दुर्घटना' दृष्टिकोण को सुनिश्चित करता है। यह प्रशिक्षण केंद्र कंपनी के कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों के साथ अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करेगा। यह कक्षा-आधारित शिक्षा से लेकर 'अभ्यास यार्ड' तक सब कुछ प्रदान करेगा, जहां कंपनी के तकनीकी कर्मचारी कम-तनाव (एलटी) और उच्च-तनाव (एचटी) वितरण नेटवर्क की प्रतिकृतियों के साथ प्रशिक्षण ले सकते हैं, इससे कर्मचारियों को दैनिक आधार पर उपयोग किये जाने वाले 'वास्तविक समय' उपकरणों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि कंपनी ने पश्चिम ओड़िशा के प्रत्येक बिजली उप-मंडल में लाइनमैन और सहायकों के प्रशिक्षण के लिए एक 'प्रैक्टिस यार्ड' स्थापित किया है। इस अवसर पर टीपीडब्ल्यूओडीएल के सीइओ प्रवीण बर्मा ने कहा यह भी घोषणा की कि राउरकेला, संबलपुर, बलांगीर और कालाहांडी में संबंधित व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों का निर्माण पूरा होने वाला है और वे जल्द ही चालू हो जायेंगे।

एनटीपीसी बोंगाईगांव ने अपने संयंत्र परिसर में 20वां स्थापना दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एनटीपीसी बोंगाईगांव ने अपने संयंत्र परिसर में अपना 20वां स्थापना दिवस मनाया। अर्नब मैत्रा सीजीएम एनटीपीसी बोंगाईगांव ने प्रशासनिक भवन परिसर में एनटीपीसी का झंडा फहराया, जिसके बाद एनटीपीसी गीत और केक काटा गया। एनटीपीसी रंग के गुब्बारे मैत्रा द्वारा देबब्रत कर जीएम (ओएंडएम), आशुतोष विश्वास जीएम (ऑपरेशन), कस्तूरी मैत्रा अध्यक्ष बर्दवी शिकला लेडीज क्लब, श्रीमती सौम्या कर उपाध्यक्ष बर्दवी शिकला लेडीज क्लब, सीआइएसएफ, विभिन्न विभागों, यूनियनों और संघों के विभागीय प्रमुख और कर्मचारी, विभिन्न कल्याण निकायों के सदस्यकी उपस्थिति में कलर के गुब्बारे छोड़े गये। कर्मचारियों को अपने संबोधन में मैत्रा ने कहा कि 16 जनवरी 2006 को रखी गई एनटीपीसी बोंगाईगांव की आधारशिला ने न केवल पूरे बीटीआर क्षेत्र, पूर्वोत्तर और पूरे देश में विकास के द्वार खोल दिये हैं। अपने संबोधन में श्री मैत्रा ने कहा कि 14 जनवरी 2025 तक हमारे स्टेशन ने उल्लेखनीय परिचालन मील के पत्थर हासिल किये हैं, जिसमें 73.98% के प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) और 93.34% की घोषित क्षमता (डीसी) के साथ एक प्रभावशाली 3848.64 मिलियन यूनिट (एमयू) ऊर्जा का उत्पादन किया गया है। उन्होंने कहा कि स्टेशन ने स्वीकार्य सीमा के भीतर सहायक बिजली खपत (एपीसी) और विशिष्ट तेल खपत जैसे महत्वपूर्ण मानकों को बनाए रखा है, साथ ही 2.5 लीटर प्रति किलोवाट-घंटे (केडब्ल्यूएच) की विशिष्ट जल खपत, जो टिकाऊ संसाधन प्रबंधन पर हमारे ध्यान को दशार्ती है। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि हमारे समाज, पर्यावरण और आस-पास के हितधारकों के प्रति पावर स्टेशन की प्रतिबद्धता का सभी स्तरों पर पालन किया जाना चाहिए और सभी से एनटीपीसी बोंगाईगांव को पेशेवर रूप से संचालित और मूल्य-आधारित संगठन के रूप में पेश करने पर काम करने, सोचने और रणनीति बनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर, एनटीपीसी सुरक्षा विभाग ने मैत्रा को सुरक्षा में उत्कृष्टता के लिए एनटीपीसी बोंगाईगांव द्वारा जीता गया ग्रीनटेक सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के एक भाग के रूप में, एनटीपीसी बोंगाईगांव सीएसआर विंग ने बर्दवी शिकला लेडीज क्लब के सहयोग से प्लांट में काम करने वाले हाउसकीपिंग स्टाफ और ड्राइवरों को 100 से अधिक मच्छरदानियां वितरित कीं। उक्त कदम क्षेत्र में मलेरिया से निपटने के लिए शुरू किया गया है।

चार कट्टर माओवादियों ने पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण, प्रत्येक पर था आठ लाख का इनाम

आजाद सिपाही संवाददाता

मलकानगिरी। छत्तीसगढ़ के मलकानगिरी जिले के नारायणपुर पुलिस थाने में चार कट्टर माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन पर 8-8 लाख रुपये का इनाम था। नारायणपुर एसपी ने बताया कि जानकारी के अनुसार, ये हार्ड कोर माओवादी द्वासी कैडर के थे। इन सभी पर इनाम घोषित था। एसपी ने एक प्रेस वार्ता में कहा, पुलिस की आत्मसमर्पण के बाद की नीतियों से प्रेरित होकर कट्टर माओवादियों ने यह कदम उठाया। वे माओवादियों के कई हिंसक हमलों में शामिल थे। उन्होंने आगे कहा कि, इन माओवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन की ओर से हर तरह की मदद की जायेगी। कुछ दिन पहले 13 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। इनमें शीर्ष माओवादी नेता सीसीएम उदय के अंगरक्षक मुन्ना और सुखराम भी शामिल हैं। इन पर 5 लाख रुपये का इनाम था। प्रोत्साहन स्वरूप इन्हें 25-25 हजार रुपये दिये गये।

आइएमडी ने ओड़िशा के जिलों के लिए मौसम पूर्वानुमान और चेतावनी जारी की

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के मौसम विज्ञान केंद्र ने ओडिशा के कई जिलों के लिए मौसम पूवार्नुमान और चेतावनी जारी की। आइएमडी ने अगले दो दिनों के लिए राज्य के कई जिलों में घने से बहुत घने कोहरे की पीली चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, 18 जनवरी की सुबह 8.30 बजे तक सुंदरगढ़, क्योंझरगढ़, कालाहांडी, कंधमाल, नयागढ़ और झारसुगुड़ा जिले में एक या दो स्थानों पर घना से बहुत घना कोहरा छाये रहने की संभावना है।

बैकुंठ धाम आश्रम को तोड़ा जायेगा बीडीए ने खाली करने का दिया आदेश

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बैकुंठ धाम आश्रम कल तोड़ा जायेगा। इसी को लेकर बीडीए कल दोपहर 12:00 बजे तक खंडगिरी स्थित बैकुंठ धाम आश्रम को खाली कराने के लिए डाकबाजी यंत्र से प्रचार किया है। जो लोग आश्रम के अंदर रह रहे हैं या उनके पास अपना सामान है, उन्हें बाहर निकालने के लिए कहा गया है। आश्रम खाली कराने के बाद इसे तोड़ दिया जायेगा। इससे पहले, उच्च न्यायालय ने भुवनेश्वर के खंडगिरी में स्थित बैकुंठ धाम आश्रम पर जारी अंतरिम सुरक्षा आदेश को हटा दिया था। आरोप था कि विवादित आश्रम सरकारी जमीन पर बनाया गया था। नवंबर महीने में खंडगिरी स्थित बैकुंठ धाम आश्रम विवाद सामने आया था। पहले तो नाबालिग को कल्कि अवतारों से सजाकर धर्म के नाम पर व्यापार किया जाता था। और कथित बाबा का दरबार प्रवचन के लिए हुआ करता था। बैकुंठ धाम आश्रम को विदेशी भक्तों के लिए अवाध प्रवेश था जबकि स्थानीय निवासियों के लिए गेट बंद था। विदेशी श्रद्धालुओं के रहने के लिए वहां विशेष व्यवस्था की गयी थी। खोलताड़ की शुरूआत पांडव परिडा की शिकायत के बाद हुई जो जाजपुर, क्योंझर, बडबिल, जोडा, राउरकेला, बोलगड जैसे विभिन्न स्थानों पर प्रवचन दे रहा था। आश्रम की जमीन की खोलताड के बाद यह साफ हो गया कि यह सरकारी जमीन पर बना है। लोक प्रशासन विभाग के मापन के बाद यह पाया गया कि आश्रम 140 डिसमिल सरकारी जमीन पर बना है।

सैप्टिक टैंक में गिरने से 3 साल के बच्चे की मौत

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। सेप्टिक टंकी में गिरने से तीन वर्षीय बालक की मौत हो गयी। ऐसी दुखद घटना देखने को मिली भद्रक जिले के बासुदेबपुर बाली कॉलोनी में, घर के बाहर खेलते समय बच्चा सेप्टिक टंकी में गिर गया। उसे बचाकर मेडिकल ले जाया गया तो वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना की जांच जारी रखे हुए है।

ओड़िशा में पद्म पुरस्कार विजेताओं को 30,000 रुपये की मासिक मानद सहायता मिलेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा में पद्म पुरस्कार विजेताओं को अब 30,000 रुपये प्रति माह की मानद सहायता मिलेगी। राज्य सरकार के ओडिया भाषा साहित्य और संस्कृति विभाग ने इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में विभाग ने कहा कि 1954 में शुरू किया गया पद्म पुरस्कार भारत रत्न के बाद देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है और यह कला, शिक्षा, विज्ञान, खेल, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक सेवा, चिकित्सा, साहित्य आदि के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए दिया जाता है।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में समाज के लिए उत्कृष्ट योगदान को ध्यान में रखते हुए, ओड़िशा सरकार ने प्रत्येक जीवित पद्म पुरस्कार विजेता को प्रति माह 30,000 रुपये की मानद सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। अधिसूचना में कहा गया है कि उन्हें जनवरी 2025 से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से सहायता मिलेगी। सभी जिला कलेक्टरों और जिला सांस्कृतिक अधिकारियों को संबंधित जिलों में जीवित पद्म पुरस्कार विजेताओं का विवरण (जिला कलेक्टर का प्रमाण पत्र, बैंक खाता विवरण, आईएफएससी कोड) जल्द से जल्द ओड़िया, भाषा, साहित्य और संस्कृति विभाग के निदेशालय को भेजने का निर्देश दिया गया है, ताकि सभी जीवित पद्म पुरस्कार विजेताओं को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सहायता राशि मिल सके।

पूर्व तट रेलवे ने केवल 290 दिनों में 200 मिलियन टन माल लदान का लक्ष्य हासिल कर रिकॉर्ड बनाया

पिछले रिकॉर्ड को पार करते हुए किसी भी क्षेत्र द्वारा अब तक का सबसे अधिक माल लदान।

इस अवधि के दौरान 200.13 मीट्रिक टन कोयला लोड किया गया।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे (ईसीओआर) ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 290 दिनों में 200.13 मिलियन टन की अभूतपूर्व माल लदान उपलब्धि हासिल करके पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये हैं। यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के इतिहास में किसी भी क्षेत्र द्वारा अब तक की सबसे अधिक माल ढुलाई का प्रतीक है, जो माल परिवहन और परिचालन उत्कृष्टता में पूर्व तट रेलवे के नेतृत्व को मजबूत करती है। पूर्व तट रेलवे 15 जनवरी 2025 को इस मील के पत्थर पर पहुंच गया, जिसने पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) में अपने ही रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जब 200 मिलियन टन को पार करने में 295 दिन लगे थे। इस वर्ष की उपलब्धि पिछले वर्ष की गति से 15 दिन पहले हासिल की गयी और यह पिछले वर्षों के मजबूत प्रदर्शन के बाद आई है, जहां इसे समान मील के पत्थर हासिल करने में 366 दिन (2019-20), 360 दिन (2020-21), 320 दिन (2021-22) और 310 दिन (2022-23) लगे। इस अवधि के दौरान, पूर्व तट रेलवे ने 183.5 मिलियन टन माल ढुलाई का रिकॉर्ड बनाया है, जो माल ढुलाई प्रबंधन में इसके उल्लेखनीय प्रदर्शन को उजागर करता है। इस अवधि के दौरान, पूर्व तट रेलवे ने कुल 200.13 मिलियन टन का प्रबंधन किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 196.779 मिलियन टन से 1.6% अधिक है। माल ढुलाई प्रबंधन में क्षेत्र का प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है, और यह आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक बना हुआ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ, पूर्व तट रेलवे ने राजस्व सृजन में भी वृद्धि देखी है, जिससे 20,288.041 करोड़ की कमाई हुई है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 1.28% की वृद्धि दशार्ती है। 290 दिनों की अवधि के भीतर 200 मिलियन टन की उपलब्धि पूर्व तट रेलवे की सावधानीपूर्वक योजना, उद्योगों और सरकारी संस्थाओं के साथ उत्कृष्ट समन्वय और इसके कार्यबल के अथक प्रयासों का प्रत्यक्ष परिणाम है। महाप्रबंधक परमेश्वर फूंकवाल के गतिशील नेतृत्व में, पूर्व तट रेलवे ने दक्षता, सकारात्मक सोच और रणनीतिक दूरदर्शिता की संस्कृति को अपनाया है, जिससे यह भारतीय रेलवे नेटवर्क के भीतर उत्कृष्टता का एक मॉडल बन गया है। इस उल्लेखनीय सफलता को प्राप्त करने में कई प्रमुख पहलें सहायक रही हैं, जिनमें शामिल हैं। नयी रेल लाइनों के निर्माण और कमीशनिंग के साथ-साथ दोहरीकरण और तीसरी और चौथी लाइन परियोजनाओं से पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिल रहा है। विस्तारित रेल बुनियादी ढांचे के माध्यम से उद्योगों को खनिज बेल्ट और बंदरगाहों से जोड़ना, एक महत्वपूर्ण माल ढुलाई केंद्र के रूप में क्षेत्र की स्थिति को मजबूत करना। माल की समय पर और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों और उद्योगों के साथ निरंतर सहयोग और योजना बनाना। इस रिकॉर्ड उपलब्धि के साथ, पूर्व तट रेलवे माल परिवहन में मानक बढ़ा रहा है, परिचालन उत्कृष्टता के लिए नये मानक स्थापित कर रहा है और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान दे रहा है। जोन अपनी क्षमताओं को बढ़ाने और भविष्य के लिए टिकाऊ और कुशल परिवहन समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व तट रेलवे द्वारा लादी गयी प्रमुख वस्तुओं में शामिल हैं:
119.637 मीट्रिक टन कोयला, इस्पात संयंत्रों के लिए 7.67 मीट्रिक टन कच्चा माल, 15.991 मीट्रिक टन पिग आयरन और तैयार स्टील, 24.426 मीट्रिक टन लौह अयस्क, 0.88 मीट्रिक टन सीमेंट, 2.226 मीट्रिक टन खाद्यान्न, 5.477 मीट्रिक टन उर्वरक, 2.317 मीट्रिक टन खनिज तेल, कंटेनरों में 4.372 मीट्रिक टन माल ढुलाई, 17.159 मीट्रिक टन अन्य सामान।

शोध पद्धति पर 10 दिवसीय कार्यशाला संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा 'ओ' अनुसंधान डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी (एसओए) में बुधवार को शोध पद्धति के क्षेत्र में उभरते शोधकताओं को प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित 10 दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। एसओए के भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत के संरक्षण, प्रसार और पुनरुद्धार केंद्र (पीपीआरएसीएचआइएन) द्वारा आयोजित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में देश भर से कुल 42 शोधकतोओं ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों को उनके शोध कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करके उनकी क्षमताओं को बढ़ाना था। उत्कल संस्कृति विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के पूर्व निदेशक प्रोफेसर कमल के मिश्रा ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए शोधार्थियों से नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए लीक से हटकर सोचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नया उपकरण है जो शोधकर्ताओं के लिए वरदान बनकर आया है क्योंकि अब सभी प्रकार के सॉफ्टवेयर उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, लेकिन एआइ का उपयोग करते समय, याद रखें कि यह दोधारी तलवार है। आपको इसे विवेकपूर्ण तरीके से, अपने विवेक का उपयोग करके इस्तेमाल करना होगा। प्रो मिश्रा ने कहा कि जब सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में रुझान बदल गया था। समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता एसओए के डीन, अनुसंधान और विकास प्रो जयंत कुमार नाथ ने की, जबकि पीपीआरएसीआइएन की प्रमुख प्रो गायत्रीबाला पांडा ने स्वागत भाषण दिया। पीपीआरएसीआइएन में मानव विज्ञान और जनजातीय अध्ययन के पाठ्यक्रम निदेशक और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ निहार रंजन मिश्रा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**